प्रश्न बैंक

कक्षा - बारहवीं

समाजशास्त्र (कोड : 039)

नोट : प्रत्येक प्रश्न के साथ उत्तर निर्माण हेतु सांकेतिक मूल्य बिंदु प्रदान किए गए हैं।

पुस्तक 1- भारतीय समाज

अध्याय - 2 भारतीय समाज की जनसांख्यिकीय संरचना

	1 अंक के प्रश्न	मुख्य परीक्षा / पूरक परीक्षा	वर्ष
1	जनसांख्यिकीय संक्रमण के सिद्धांत के अनुसार, निम्नलिखित में से कौन-से कथन सही हैं ? (I) जनसंख्या वृद्धि आर्थिक विकास के समय स्तरों से जुड़ी होती है। (II) प्रत्येक समाज विकास के विशिष्ट स्वरूप का अनुसरण करता है। (III) विकास जनसंख्या वृद्धि से संबंधित है। (IV) जनसंख्या वृद्धि के चार बुनियादी चरण होते हैं। विकल्प : (A) (I) और (II) (B) (II) और (IV) (C) (I) और (III) (D) (I), (II) और (III) उपयुक्त विकल्प (D) (I), (II) और (III)	मुख्य परीक्षा	2025
2	अभिकथन (A): आकारिक जनसांख्यिकी प्रमुख रूप से जनसंख्या परिवर्तन के संघटकों के विश्लेषण तथा मापन से संबंध रखती है। कारण (R): इसके अंतर्गत मात्रात्मक विश्लेषण पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित किया जाता है जिसके लिए अत्यंत विकसित गणितीय विधि अपनाई जाती है। (A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है। (B) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है। (C) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) ग़लत है। (D) अभिकथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है।	पूरक परीक्षा	2025

	उपयुक्त विकल्प (A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है।		
3	अभिकथन (A): आयु संरचना में परिवर्तन, विकास स्तर और औसत जीवन प्रत्याशा में परिवर्तन को दर्शाता है। कारण (R): आर्थिक विकास, जीवन की गुणवत्ता में सुधार, जीवन प्रत्याशा में सुधार जैसे कारक आयु संरचना से संबंधित नहीं हैं। (A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है। (B) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है। (C) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) ग़लत है। (D) अभिकथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है। उपयुक्त विकल्प (B) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।	पूरक परीक्षा	2025
4	ऐतिहासिक तौर पर, संपूर्ण विश्व में यह पाया गया है कि अधिकांश देशों में स्त्रियों की संख्या पुरुषों की अपेक्षा थोड़ी अधिक होती है। निम्नलिखित में से किन कारणों ने इसे संभव बनाया ? I. महिलाएँ जीवन चक्र के दूसरे छोर पर पुरुषों से अधिक जीवित रहती हैं। II. शिशु अवस्था में लड़कियाँ लड़कों के प्रति प्रतिरोधी होती हैं। III. बेटे को प्राथमिकता देने वाले लिंग आधारित परिवार। IV. लिंग तटस्थ व्यवहार। (A) I, II और III (B) I और III (C) III और IV (D) I और II उपयुक्त विकल्प (D) I और II	मुख्य परीक्षा	2024
5	कभी-कभी लोग शहरी जीवन को कुछ सामाजिक कारणों से भी पसंद करते हैं। निम्नलिखित में से कौन-सा कारण नहीं है ? (A) शहरों में गुमनामी की ज़िंदगी जी सकते हैं । (B) नगरीय जीवन में अपरिचितों से संपर्क होता रहता है । (C) तालाबों, वन प्रदेशों और गोचर भूमियों जैसे साझी संपत्ति के संसाधनों में बराबर कमी आती जा रही है । (D) सामाजिक रूप से प्रभुत्वशाली ग्रामीण समूहों के अपेक्षाकृत गरीब लोग शहर में जाकर कोई भी काम करने से हिचकिचाते हैं । उपयुक्त विकल्प (D) सामाजिक रूप से प्रभुत्वशाली ग्रामीण समूहों के अपेक्षाकृत गरीब लोग शहर में जाकर कोई भी काम करने से हिचकिचाते हैं ।	मुख्य परीक्षा	2024

6	अकाल बढ़ती हुई ____________ का एक प्रमुख पुनरावर्तक स्त्रोत है। (A) प्रजनन दर (B) मृत्यु दर (C) निर्भरता (D) लिंग अनुपात उपयुक्त विकल्प (B) मृत्यु दर	पूरक परीक्षा	2024
7	जनसांख्यिकीविदों और समाजशास्त्रियों ने भारत में स्त्री-पुरुष अनुपात में गिरावट आने के कई कारण बताए हैं। निम्नलिखित में से कौन-सा स्त्री-पुरुष अनुपात में गिरावट आने का कारण नहीं है ? (A) शैशवावस्था में बच्चियों की देखभाल ना करना (B) लिंग-विशेष के गर्भपात (C) बालिका शिशुओं की हत्या (D) जागरूकता उपयुक्त विकल्प (D) जागरूकता	पूरक परीक्षा	2024
8	जनसंख्या के पराश्रित और कार्यशील हिस्सों की तुलना के लिए उनको मापने का साधन है: (A) जनसंख्या की आयु संरचना (B) स्त्री-पुरुष अनुपात (C) पराश्रितता अनुपात (D) जनसंख्या संवृद्धि दर उपयुक्त विकल्प (C) पराश्रितता अनुपात	मुख्य परीक्षा	2023
9	निम्नलिखित में से कौन-सा कथन उच्च प्रजनन दर के परिदृश्य में सत्य है ? (A) प्रतिस्थापन स्तर तक पहुँचने में अधिक समय लगता है । (B) प्रतिस्थापन स्तर तक पहुँचने में कम समय लगता है । (C) प्रतिस्थापन स्तर को प्रभावित नहीं करता । (D) प्रतिस्थापन स्तर पर प्रभाव निर्धारित नहीं किया जा सकता । उपयुक्त विकल्प (A) प्रतिस्थापन स्तर तक पहुँचने में अधिक समय लगता है ।	मुख्य परीक्षा	2023

10	किसी क्षेत्र विशेष में एक निश्चित अवधि के दौरान प्रति 1000 पुरुषों के पीछे स्त्रियों की संख्या क्या है? (A) जनसंख्या की आयु संरचना (B) स्त्री-पुरुष अनुपात (C) पराश्रितता अनुपात (D) जनसंख्या संवृद्धि दर उपयुक्त विकल्प (B) स्त्री-पुरुष अनुपात	पूरक परीक्षा	2023
10	निम्नलिखित में से कौन समांतर श्रेणी को दर्शाता है ? (A) 2, 4, 6, 8, 10, ... (B) 2, 4, 8, 16, ... (C) 1, 2, 4, 6, ... (D) 2, 6, 18, 54, ... उपयुक्त विकल्प (A) 2, 4, 6, 8, 10, ...	पूरक परीक्षा	2023
	2 अंक के प्रश्न		
1	पहले अनेक प्रकार की महामारियाँ थीं जिनमें विभिन्न प्रकार के ज्वर, प्लेग, चेचक और हैजा अधिक विनाशकारी थे। लेकिन 1918 - 19 की इन्फ्लूएंजा नामक महामारी ने तो अकेले ही देशभर में तबाही मचा दी, जिसमें तत्कालीन भारत की कुल जनसंख्या के लगभग 5% भाग को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा। महामारी और विश्वमारी (पैंडेमिक) के बीच अन्तर स्पष्ट कीजिए। <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> 'एपिडेमिक' शब्द को सीमित क्षेत्र में फैली महामारी के लिए उपयोग किया जाता है। 'पैंडेमिक' शब्द एक ऐसी महामारी के लिए उपयोग किया जाता है जो बहुत व्यापक भौगोलिक क्षेत्र को प्रभावित करती है। यह राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय या वैश्विक स्तर पर हो सकता है।	मुख्य परीक्षा	2025
2	"आश्चर्यजनक तथ्य तो यह है कि निम्नतम बाल स्त्री-पुरुष अनुपात भारत के सबसे अधिक समृद्ध क्षेत्रों में पाए जाते हैं। भारत के आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, इसी तरह महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में भी प्रति व्यक्ति आय बहुत उच्च है, लेकिन इन्हीं राज्यों में बाल स्त्री-पुरुष अनुपात बहुत निम्न है (तदर्थ)। इसलिए चयनात्मक गर्भपातों की समस्या गरीबी या अज्ञान अथवा संसाधनों के अभाव के कारण उत्पन्न नहीं हुई है।"	पूरक परीक्षा	2025

	चयनात्मक गर्भपात, भारत के सबसे अधिक समृद्ध क्षेत्रों में क्यों पाए जाते हैं? <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> • कभी-कभी आर्थिक दृष्टि से समृद्ध परिवार अपेक्षाकृत कम अक्सर एक या दो बच्चे उत्पन्न करना चाहते हैं। • वह अपनी पसंद के अनुसार ही लड़का या लड़की पैदा करना चाहेंगे। अल्ट्रासाउंड प्रौद्योगिकी की उपलब्धता के कारण ऐसा करना संभव हो गया है।		
3	कभी-कभी कुछ समाजों को 'ऋणात्मक संवृद्धि दर ' की स्थिति से भी गुज़रना पड़ता है । 'ऋणात्मक संवृद्धि दर'क्या है ? इसका अनुभव करने वाले किन्हीं दो देशों के नाम बताइए । <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> प्रजनन शक्ति स्तर प्रतिस्थापन दर से नीचा रहता है। जैसे, जापान, रूस, इटली एवं पूर्वी यूरोप। (कोई दो देश)	मुख्य परीक्षा	2024
4	नगरीकरण में हो रही तेज़ संवृद्धि यह दर्शाती है कि कस्बे या शहर, ग्रामीण जनता को चुंबक की तरह अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं। इस कथन के दो कारण दीजिए। <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> (i) रेडियो, टेलीविजन, समाचारपत्र जैसे जनसंपर्क एवं जनसंचार के साधन अब ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के समक्ष नगरीय जीवन शैली और उपभोग के स्वरूपों की तस्वीरें पेश कर रहे हैं। (ii) जिन लोगों को ग्रामीण इलाकों में काम (पर्याप्त काम) नहीं मिलता वे काम की तलाश में शहर चले जाते हैं। (iii) गाँवों से नगरों की ओर प्रवसन की गति में इसलिए भी तेज़ी आई है क्योंकि गाँवों में तालाबों, वन प्रदेशों और गोचर भूमियों जैसे साझी संपत्ति के संसाधनों में बराबर कमी आती जा रही है। (iv) कभी-कभी लोग शहरी जीवन को कुछ सामाजिक कारणों से भी पसंद करते हैं जैसे कि शहरों में गुमनामी की जिंदगी जी जा सकती है। इसके अलावा, यह तथ्य कि नगरीय जीवन में अपरिचितो से संपर्क होता रहता है कुछ भिन्न कारणों से लाभकारी साबित हो सकता है (v) अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों जैसे सामाजिक रूप से पीड़ित समूहों को शहरी रहन-सहन कुछ हद तक रोज़मर्रा की उस अपमानजनक स्थिति से बचाता है जो उन्हें गाँवों में भुगतनी पड़ती है जहाँ हर कोई उनकी जाति से उन्हें पहचानता है। (vi) शहरी जीवन की गुमनामी के कारण सामाजिक दृष्टि से प्रभुत्वशाली ग्रामीण समूहों के अपेक्षाकृत गरीब लोग शहर में जाकर कोई भी नीचा समझा जाने वाले काम करने से नहीं हिचकिचाते जिसे वे गाँव में रहते हुए बदनामी के डर से नहीं कर सकते थे । (कोई दो बिंदु)	पूरक परीक्षा	2024

<table>
<tr><td>5</td><td>जनसांख्यिकी के दो प्रकारों को समझाइए।

<u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u>

1. आकारिक जनसांख्यिकी - जिसमें अधिकतर जनसंख्या के आकार यानी मात्रा का अध्ययन किया जाता है।
2. सामाजिक जनसांख्यिकी - जिसमें जनसंख्या के सामाजिक, आर्थिक या राजनीतिक पक्षों पर विचार किया जाता है।</td><td>मुख्य परीक्षा</td><td>2023</td></tr>
<tr><td>6</td><td>माल्थस के जनसंख्या वृद्धि के सिद्धांत के अनुसार, जनसंख्या वृद्धि को रोकने के लिए दो अवरोधों के नाम एवं परिभाषा दीजिए।

<u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u>
कृत्रिम निरोधों (Preventive Checks) द्वारा जैसे कि बड़ी उम्र में विवाह करके या यौन संयम रखकर अथवा ब्रह्मचर्य का पालन करते हुए सीमित संख्या में बच्चे पैदा किए जाएँ।

प्राकृतिक निरोध (Positive Checks) अकालों और बीमारियों के रूप में जनसंख्या वृद्धि को रोकने के अनिवार्य होते हैं क्योंकि वे ही खाद्य आपूर्ति और बढ़ती हुई जनसंख्या के बीच असंतुलन को रोकने के प्राकृतिक उपाय हैं।</td><td>पूरक परीक्षा</td><td>2023</td></tr>
<tr><td></td><td>6 अंक के प्रश्न</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>1</td><td>भारत में गिरता हुआ स्त्री-पुरुष अनुपात, 1901 - 2011 नीचे दर्शाया गया है :

<table>
<tr><th>वर्ष</th><th>स्त्री-पुरुष अनुपात सभी आयु वर्गों में</th><th>पिछले दशक की तुलना में अंतर</th><th>बाल स्त्री-पुरुष अनुपात (0 – 6 वर्ष)</th><th>पिछले दशक की तुलना में अंतर</th></tr>
<tr><td>1901</td><td>972</td><td>–</td><td>–</td><td>–</td></tr>
<tr><td>1911</td><td>964</td><td>– 8</td><td>–</td><td>–</td></tr>
<tr><td>1921</td><td>955</td><td>– 9</td><td>–</td><td>–</td></tr>
<tr><td>1931</td><td>950</td><td>– 5</td><td>–</td><td>–</td></tr>
<tr><td>1941</td><td>945</td><td>– 5</td><td>–</td><td>–</td></tr>
<tr><td>1951</td><td>946</td><td>+ 1</td><td>–</td><td>–</td></tr>
<tr><td>1961</td><td>941</td><td>– 5</td><td>976</td><td>–</td></tr>
<tr><td>1971</td><td>930</td><td>– 11</td><td>964</td><td>– 12</td></tr>
<tr><td>1981</td><td>934</td><td>+ 4</td><td>962</td><td>– 2</td></tr>
<tr><td>1991</td><td>927</td><td>– 7</td><td>945</td><td>– 17</td></tr>
<tr><td>2001</td><td>933</td><td>+ 6</td><td>927</td><td>– 18</td></tr>
<tr><td>2011</td><td>943</td><td>+ 10</td><td>919</td><td>– 8</td></tr>
</table>

उपयुक्त आँकड़ों के आधार पर, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) बाल स्त्री-पुरुष अनुपात में गिरावट आने के क्या कारण हैं?

<u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u></td><td>मुख्य परीक्षा</td><td>2025</td></tr>
</table>

● शैशवावस्था में बालिकाओं की ओर उपेक्षा

● लिंग-विशिष्ट गर्भपात जो बालिकाओं को जन्म लेने से रोकते हैं, जिससे उनकी मृत्यु दरें ऊंची हो जाती हैं।

● धार्मिक व सांस्कृतिक मान्यताओं के कारण कन्या भ्रूण हत्या या बालिकाओं की हत्या।

● आधुनिक तकनीकों (चिकित्सा) के कारण, जैसे कि (सोनोग्राम की उपलब्धता), अब भ्रूण के लिंग का पता लगाने और चयनात्मक आधार पर बालिका भ्रूण को गर्भ में ही नष्ट कर देने के लिए उसका दुरुपयोग किया जाने लगा है।

(कोई दो)

(ख) उपर्युक्त आँकड़ों के आधार पर, 20वीं शताब्दी और 21वीं शताब्दी के आँकड़ों की तुलना कीजिए और अपना निष्कर्ष बताइए।

<u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u>

● बीसवीं सदी के आरंभ में प्रति 1000 पुरुषों पर 972 महिलाओं से, एकविसवीं सदी के आरंभ में लिंग अनुपात घटकर 933 हो गया है।

● 0-6 वर्ष आयु वर्ग के लिए लिंग अनुपात आम तौर पर सभी आयु समूहों के लिए समग्र लिंग अनुपात से काफी अधिक रहा है ,लेकिन यह बहुत तेज़ी से गिर रहा है ।

● 1991-2001 के दशक में, कुल लिंग अनुपात 927 से बढ़कर 933 हो गया, लेकिन बाल लिंग अनुपात 945 से घटकर 927 हो गया, कभी - कभी आर्थिक दृष्टि से समृद्ध परिवार अपेक्षाकृत कम अक्सर एक या दो बच्चे उत्पन्न करना चाहते हैं इसलिए कि वे अपनी पसंद के अनुसार ही लड़का या लड़की पैदा करना चाहेंगे ।

● भारत की जनगणना 2011 के अनुसार लिंग अनुपात में वृद्धि हुई है और अब पोषण, सामान्य शिक्षा और जागरूकता के स्तर में विकास के साथ - साथ चिकित्सा और संचार सुविधाओं की उपलब्धता के कारण प्रति 1000 पुरुषों पर 943 महिलाएँ हैं ।

● भारत सरकार ने भारत में 'बेटी-बचाओ, बेटी-पढ़ाओ' कार्यक्रम और लाड़ली योजना शुरू की है। यह बाल स्त्री-पुरुष अनुपात को बढ़ाने के लिए एक कारगर नीति साबित हो सकती है।

(कोई चार), (कोई अन्य उपयुक्त बिंदु)

नोट : निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए (प्र.सं. 33 के स्थान पर)

आँकड़ों से स्पष्ट होता है, भारत में स्त्री-पुरुष अनुपात पिछली एक शताब्दी से कुछ अधिक समय से गिरता जा रहा है। 20वीं शताब्दी के शुरू में भारत में प्रति 1000 पुरुषों के पीछे स्त्रियों की संख्या 972 थी लेकिन 21वीं शताब्दी के शुरू में स्त्री-पुरुष अनुपात घटकर 933 हो गया है।

पिछले चार दशकों की प्रवृत्ति खासतौर पर चिंताजनक रही है – 1961 में स्त्री-पुरुष अनुपात 941 था जो घटते हुए अब तक के सबसे नीचे स्तर 1991 में 927 पर आ गया। हालाँकि 2001 में उसमें फिर मामूली सी बढ़ोतरी हुई है। भारत की जनगणना 2011 के अस्थायी आँकड़ों के अनुसार, स्त्री-पुरुष अनुपात को देखें तो प्रति 1000 पुरुषों के पीछे 943 स्त्रियाँ हैं। 0 - 6 वर्ष की आयु वर्ग का स्त्री-पुरुष अनुपात आमतौर पर सभी आयु वर्गों के समग्र स्त्री-पुरुष अनुपात से काफी ऊँचा रहता आया है, लेकिन अब उसमें भी बड़ी तेजी से गिरावट आ रही है। वस्तुतः 1991 से 2001 तक के दशक के आँकड़ों में यह असामान्यता दिखाई देती है कि समग्र बाल स्त्री-पुरुष अनुपात में जहाँ अब तक की सबसे अधिक 6 अंकों की बढ़ोतरी निम्नतम 927 से 933 दर्ज हुई है, लेकिन बाल स्त्री-पुरुष अनुपात, 18 अंकों का गोता लगाकर 945 से 927 के स्तर पर आ गया है और इस प्रकार पहली बार समग्र स्त्री-पुरुष अनुपात से नीचे चला गया है। सन 2011 की जनगणना के अनुमानित आँकड़ों के अनुसार स्थिति और खराब हो गई स्त्री-पुरुष और बाल स्त्री-पुरुष अनुपात मात्र 919 रह गया है (8 अंकों से घट गया है)।

उपर्युक्त आँकड़ों के आधार पर, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) बाल स्त्री-पुरुष अनुपात में गिरावट आने के क्या कारण हैं?

<u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u>

● शैशवावस्था में बालिकाओं की ओर उपेक्षा

● लिंग-विशिष्ट गर्भपात जो बालिकाओं को जन्म लेने से रोकते हैं, जिससे उनकी मृत्यु दरें ऊंची हो जाती हैं।

● धार्मिक व सांस्कृतिक मान्यताओं के कारण कन्या भ्रूण हत्या या बालिकाओं की हत्या।

● आधुनिक तकनीकों (चिकित्सा) के कारण, जैसे कि (सोनोग्राम की उपलब्धता), अब भ्रूण के लिंग का पता लगाने और चयनात्मक आधार पर बालिका भ्रूण को गर्भ में ही नष्ट कर देने के लिए उसका दुरुपयोग किया जाने लगा है।

(कोई दो)

(ख) उपयुक्त आँकड़ों के आधार पर, 20वीं शताब्दी और 21वीं शताब्दी के आँकड़ों की तुलना कीजिए और अपना निष्कर्ष बताइए।

<u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u>

● बीसवीं सदी के आरंभ में प्रति 1000 पुरुषों पर 972 महिलाओं से, एकविसवीं सदी के

<table>
<tr>
<td></td>
<td>आरंभ में लिंग अनुपात घटकर 933 हो गया है।

• 0-6 वर्ष आयु वर्ग के लिए लिंग अनुपात आम तौर पर सभी आयु समूहों के लिए समग्र लिंग अनुपात से काफी अधिक रहा है ,लेकिन यह बहुत तेज़ी से गिर रहा है ।

• 1991-2001 के दशक में, कुल लिंग अनुपात 927 से बढ़कर 933 हो गया, लेकिन बाल लिंग अनुपात 945 से घटकर 927 हो गया, कभी - कभी आर्थिक दृष्टि से समृद्ध परिवार अपेक्षाकृत कम अक्सर एक या दो बच्चे उत्पन्न करना चाहते हैं इसलिए कि वे अपनी पसंद के अनुसार ही लड़का या लड़की पैदा करना चाहेंगे ।

• भारत की जनगणना 2011 के अनुसार लिंग अनुपात में वृद्धि हुई है और अब पोषण, सामान्य शिक्षा और जागरूकता के स्तर में विकास के साथ - साथ चिकित्सा और संचार सुविधाओं की उपलब्धता के कारण प्रति 1000 पुरुषों पर 943 महिलाएँ हैं ।

• भारत सरकार ने भारत में 'बेटी-बचाओ, बेटी-पढ़ाओ' कार्यक्रम और लाड़ली योजना शुरू की है। यह बाल स्त्री-पुरुष अनुपात को बढ़ाने के लिए एक कारगर नीति साबित हो सकती है।

(कोई चार), (कोई अन्य उपयुक्त बिंदु)</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>2</td>
<td>भारत 2026

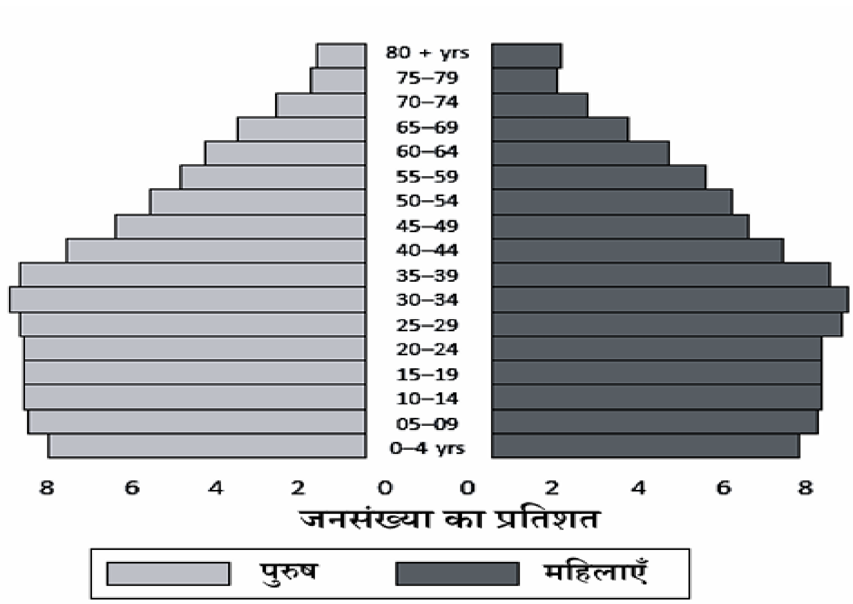

(क) जनसंख्या पिरामिड जनसंख्या अनुमान लगाने में कैसे मदद करते हैं?

<u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u>

पिरामिड सम्बन्धित आयु समूहों के अनुमानित भावी आकार को दर्शाता है जो प्रत्येक आयु समूह की पुरानी संवृद्धि दरों के आँकड़ों पर आधारित है। ऐसे अनुमानों को भी कहा जाता है 'प्रक्षेप'।</td>
<td>पूरक परीक्षा</td>
<td>2025</td>
</tr>
</table>

(ख) 'जनसांख्यिकीय लाभांश' से भारत को कैसे लाभ मिलता है? अपने उत्तर के समर्थन में चार बिंदु लिखिए।

सांकेतिक मूल्य बिंदु :

- आयु संरचना में अपेक्षाकृत छोटी आयु के वर्गों की ओर जो झुकाव पाया जाता है, उसे भारत के लिए लाभकारी माना जाता है।
- यह लाभांश इस तथ्य के कारण मिल रहा है कि कार्यशील लोगों की वर्तमान पीढ़ी अपेक्षाकृत बड़ी है।
- उसे वृद्ध लोगों की अपेक्षाकृत छोटी पीढ़ी का भरणपोषण करना पड़ रहा है।
- लेकिन इस संभावना को वास्तविक संवृद्धि में तभी बदला जा सकता है जब कार्यशील आयु वर्ग में शिक्षा और रोज़गार के स्तरों में भी तदनुरूप वृद्धि होती जाए।

नोट : निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए (प्र.सं. 33 के स्थान पर) है :

आयु समूह पिरामिड आयु समूह संबंधी आँकड़ों के अधिक विस्तृत ब्यौरे देते हैं। इन पिरामिडों में पुरुषों के लिए (बाईं ओर) और स्त्रियों के लिए (दाहिनी ओर) अलग-अलग आँकड़े दिए गए हैं और उनके बीच में संबध्य पंचवर्षीय आयु समूह हैं। पिरामिड में आयु समूह सबसे नीचे 0-4 वर्ष वाले समूह से शुरू होकर सबसे ऊपर 80 वर्ष और उससे अधिक के आयु समूह तक दिए गए हैं।2026 वाला पिरामिड संबंधित आयु समूहों के अनुमानित भावी आकार की व्याख्या करता है, जो प्रत्येक आयु समूह की पुरानी संवृद्धि दरों के आँकड़ों पर आधारित है। जैसे-जैसे अधिकाधिक लोग वृद्धावस्था तक जीवित रहने लगते हैं, तो पिरामिड का सबसे ऊपरी हिस्सा चौड़ा होता जाता है और जैसे-जैसे जन्म दर के नए मामले अपेक्षाकृत कम होते जाते हैं पिरामिड का सबसे निचला हिस्सा संकरा होता जाता है। पिरामिड के बीच का हिस्सा बराबर चौड़ा होता जाता है, क्योंकि कम जनसंख्या में इसका हिस्सा बढ़ता जाता है। इससे बीच वाले आयु समूहों में एक 'उभार' बन जाता है, जो 2026 के पिरामिड में पाया जाता है। इसी उभार को 'जनसांख्यिकीय लाभांश' कहा जाता है।

(क) जनसंख्या पिरामिड जनसंख्या अनुमान लगाने में कैसे मदद करते हैं?

सांकेतिक मूल्य बिंदु :

पिरामिड सम्बन्धित आयु समूहों के अनुमानित भावी आकार को दर्शाता है जो प्रत्येक आयु समूह की पुरानी संवृद्धि दरों के आँकड़ों पर आधारित है। ऐसे अनुमानों को भी कहा जाता है 'प्रक्षेप'।

(ख) 'जनसांख्यिकीय लाभांश' से भारत को कैसे लाभ मिलता है? अपने उत्तर के समर्थन में चार बिंदु लिखिए।

सांकेतिक मूल्य बिंदु :

	- आयु संरचना में अपेक्षाकृत छोटी आयु के वर्गों की ओर जो झुकाव पाया जाता है, उसे भारत के लिए लाभकारी माना जाता है। - यह लाभांश इस तथ्य के कारण मिल रहा है कि कार्यशील लोगों की वर्तमान पीढ़ी अपेक्षाकृत बड़ी है। - उसे वृद्ध लोगों की अपेक्षाकृत छोटी पीढ़ी का भरणपोषण करना पड़ रहा है। - लेकिन इस संभावना को वास्तविक संवृद्धि में तभी बदला जा सकता है जब कार्यशील आयु वर्ग में शिक्षा और रोज़गार के स्तरों में भी तदनुरूप वृद्धि होती जाए।		
3	भारत की जनसंख्या की आयु संरचना, 1961 - 2026.	मुख्य परीक्षा	2024

वर्ष	आयु वर्ग			जोड़
	0 – 14 वर्ष	15 – 59 वर्ष	60 वर्ष से अधिक	
1961	41	53	6	100
1971	42	53	5	100
1981	40	54	6	100
1991	38	56	7	100
2001	34	59	7	100
2011	29	63	8	100
2026 (प्रक्षेपित)	23	64	12	100

उपर्युक्त सारणी के आधार पर, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) जनसांख्यिकीय लाभांश से क्या अभिप्राय है ?

<u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u>

वहाँ कार्यशील लोगों का अनुपात काम न करने वालों की तुलना में अधिक बड़ा होता है।

(ख) उपर्युक्त सारणी के आधार पर, वर्ष 1961 और 2026 के आँकड़ों की तुलना कीजिए और अपना निष्कर्ष बताइए ।

<u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u>

1961 की तुलना में 2026 (प्रक्षेपित) में पराश्रितता अनुपात (0-14 और 60+) गिरता जायेगा। कार्यशील जनसंख्या (15-60) का अनुपात 1961 की तुलना में 2026 (प्रक्षेपित) बढ़ता जायेगा

(ग) गिरता हुआ पराश्रितता अनुपात आर्थिक संवृद्धि और समृद्धि का स्रोत कैसे बन सकता है ? उल्लेख कीजिए ।

<u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u>

गिरता हुआ पराश्रितता अनुपात आर्थिक संवृद्धि और समृद्धि का स्रोत बन सकता है क्योंकि वहाँ कार्यशील लोगों का अनुपात काम न करने वालों की तुलना में अधिक बड़ा होता है।

(दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 33 का उत्तर एक समान है)

	नोटः निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्र. सं. 33 के स्थान पर हैं: आँकड़े दर्शाते हैं कि देश की संपूर्ण जनसंख्या में 15 वर्ष से कम आयु वाले वर्ग का हिस्सा जो 1961 में 41% के सर्वोच्च स्तर पर था घटकर 2026 में 23% के स्तर पर आ जाएगा । 15- 59 के आयु वर्ग का हिस्सा 53% से कुछ बढ़कर 64% हो जाएगा जबकि 60 वर्ष से अधिक की आयु वाले वर्ग का हिस्सा बहुत छोटा है लेकिन वह उसी अवधि के दौरान बढ़ना (6% से 12% तक) शुरू हो गया है। आँकड़े दर्शाते हैं कि 0-14 आयु वर्ग का हिस्सा लगभग 18% घट जाएगा (1961 में 41% से घटकर 2026 में 23%) जबकि 60 वर्ष से अधिक के आयु वर्ग में लगभग 6% की वृद्धि होगी (1961 में 6% से बढ़कर 2026 में 12%) । दिए गए आँकड़ों के आधार पर, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (क) जनसांख्यिकीय लाभांश से क्या अभिप्राय है ? <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> वहाँ कार्यशील लोगों का अनुपात काम न करने वालों की तुलना में अधिक बड़ा होता है। (ख) उपर्युक्त सारणी के आधार पर, वर्ष 1961 और 2026 के आँकड़ों की तुलना कीजिए और अपना निष्कर्ष बताइए । <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> 1961 की तुलना में 2026 (प्रक्षेपित) में पराश्रितता अनुपात (0-14 और 60+) गिरता जायेगा। कार्यशील जनसंख्या (15-60) का अनुपात 1961 की तुलना में 2026 (प्रक्षेपित) बढ़ता जायेगा (ग) गिरता हुआ पराश्रितता अनुपात आर्थिक संवृद्धि और समृद्धि का स्रोत कैसे बन सकता है? उल्लेख कीजिए । <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> गिरता हुआ पराश्रितता अनुपात आर्थिक संवृद्धि और समृद्धि का स्रोत बन सकता है क्योंकि वहाँ कार्यशील लोगों का अनुपात काम न करने वालों की तुलना में अधिक बड़ा होता है।		
4	भारत में जन्म एवं मृत्यु दरें 1901 - 2017 -. 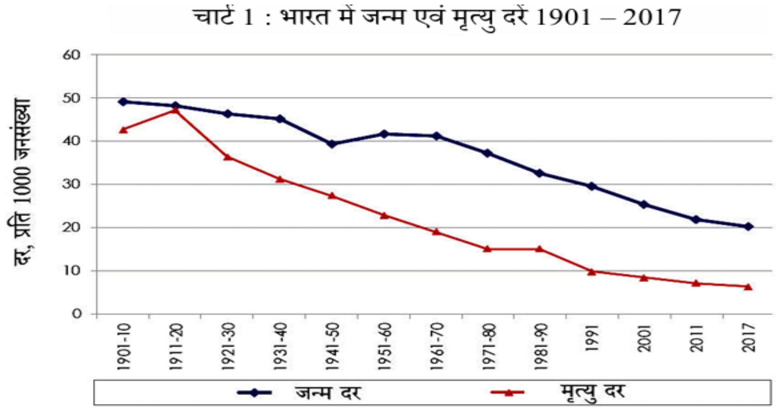 *स्रोतः राष्ट्रीय जनसंख्या आयोग, भारत सरकार* *वेबसाइटः https://populationcommission.nic.in/facts1.htm# राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रालेख 2018, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार; आर्थिक सर्वेक्षण 2018–19, भारत सरकार।*	पूरक परीक्षा	2024

ग्राफ के आधार पर, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
(क) वर्ष 1911-20 के दौरान जन्म दर और मृत्यु दर के बीच क्या संबंध है ?

सांकेतिक मूल्य बिंदु :

1911 से 1920 के बीच संवद्धि की दर नकारात्मक यानी ऋणात्मक रूप से

-0.03% रही। इसका कारण 1918-19 के दौरान इन्फ्लुएंजा महामारी का भीषण तांडव था जिसने लगभग 1.25 करोड़ लोगों यानी देश की कुल जनसंख्या के 5% अंश को मौत के मुँह में ढकेल दिया था
(ख) नकारात्मक जनसंख्या संवृद्धि दर को परिभाषित कीजिए।

सांकेतिक मूल्य बिंदु :

प्रजनन शक्ति स्तर प्रतिस्थापन दर से नीचा रहता है।
(ग) कौन-सा वक्र अधिक तेज़ी से गिरता है? इसका एक कारण बताइए।

सांकेतिक मूल्य बिंदु :

मृत्यु दर बहुत तेज़ी से गिरती है क्योंकि चिकित्सा सुविधाओं और शिक्षा, जागरूकता तथा समृद्धि के स्तरों में वद्धि होती जाती है।

नोट : निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्र. सं. 33 के स्थान पर हैं :

वर्ष 1901-1951 के बीच औसत वार्षिक संवृद्धि दर 1.33% से अधिक नहीं हुई जो कि एक साधारण संवृद्धि दर कही जा सकती है। सच तो यह है कि 1911 से 1921 के बीच संवृद्धि की दर नकारात्मक यानी ऋणात्मक रूप से - 0.03% रही। इसका कारण 1918-19 के दौरान इंफ्लूएंजा महामारी का भीषण तांडव था जिसने लगभग 1.25 करोड़ लोगों यानी देश की कुल जनसंख्या के 5% अंश को मौत के मुँह में ढकेल दिया था (विसारिया और विसारिया 2003: 191)। ब्रिटिश राज से स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद जनसंख्या संवृद्धि की दर में काफ़ी बढ़ोतरी हुई और वह 1961-1981 के दौरान 2.2% पर पहुँच गई। तब से, यद्यपि वार्षिक संवृद्धि दर में गिरावट तो आई है फिर भी वह विकासशील दुनिया में सबसे ऊँची बनी हुई है।

दिए गए अनुच्छेद के आधार पर, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) वर्ष 1911-20 के दौरान जन्म दर और मृत्यु दर के बीच क्या संबंध है ?

सांकेतिक मूल्य बिंदु :

1911 से 1920 के बीच संवद्धि की दर नकारात्मक यानी ऋणात्मक रूप से

-0.03% रही। इसका कारण 1918-19 के दौरान इन्फ्लुएंजा महामारी का भीषण तांडव था जिसने लगभग 1.25 करोड़ लोगों यानी देश की कुल जनसंख्या के 5% अंश को मौत के मुँह में ढकेल दिया था
(ख) नकारात्मक जनसंख्या संवृद्धि दर को परिभाषित कीजिए।

सांकेतिक मूल्य बिंदु :

	प्रजनन शक्ति स्तर प्रतिस्थापन दर से नीचा रहता है। (ग) कौन-सा वक्र अधिक तेज़ी से गिरता है? इसका एक कारण बताइए। <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> मृत्यु दर बहुत तेज़ी से गिरती है क्योंकि चिकित्सा सुविधाओं और शिक्षा, जागरूकता तथा समृद्धि के स्तरों में वद्धि होती जाती है।		
5	"माल्थस का जनसंख्या वृद्धि का सिद्धांत एक निराशावादी सिद्धांत था । कुछ विचारकों ने इसका विरोध भी किया।" कथन का औचित्य सिद्ध कीजिए । <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> 1. उनका कहना था कि मनुष्य की जनसंख्या उस दर की तुलना में अधिक तेज़ी से बढ़ती है जिस दर पर मनुष्य के भरण-पोषण के साधन (विशेष रूप से भोजन, लेकिन कपड़ा और अन्य कृषि आधारित उत्पाद भी) बढ़ सकते हैं। 2. इसलिए मनुष्य सदा ही गरीबी की हालत में जीने के लिए दंडित किया गया है क्योंकि कृषि उत्पादन की वृद्धि हमेशा ही जनसंख्या की वृद्धि से पीछे रहेगी। 3. लेकिन कुछ विचारकों ने इसका विरोध भी किया, जो यह मानते थे कि आर्थिक संवृद्धि जनसंख्या वृद्धि से अधिक हो सकती है। 4. उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में जनसंख्या वृद्धि का स्वरूप बदलने लगा और बीसवीं शताब्दी के पहले चतुर्थांश के अंत तक यह परिवर्तन नाटकीय ढंग से हुआ। 5. जन्म दरें घट गई और महामारियों के प्रकोप पर नियंत्रण किया जाने लगा। 6. माल्थस की भविष्यवाणियाँ झूठी साबित कर दी गई क्योंकि जनसंख्या की तीव्र वृद्धि के बावजूद खाद्य उत्पादन और जीवन स्तर लगातार उन्नत होते गए। 7. उदारवादी और मार्क्सवादी विद्वानों ने भी माल्थस के इस विचार की आलोचना की कि गरीबी का कारण जनसंख्या वृद्धि है। आलोचकों का कहना था कि गरीबी और भुखमरी जैसी समस्याएँ जनसंख्या वृद्धि की बजाय आर्थिक संसाधनों के असमान वितरण के कारण होती हैं। (कोई छह बिंदु)	मुख्य परीक्षा	2023
6	"कभी-कभी लोग शहरी जीवन को कुछ सामाजिक कारणों से पसंद करते हैं।" इन सामाजिक कारणों की गणना कीजिए । <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> 1. रेडियो, टेलीविजन, समाचारपत्र जैसे जनसंपर्क एवं जनसंचार के साधन अब ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के समक्ष नगरीय जीवन शैली और उपभोग के स्वरूपों की तस्वीरें पेश कर रहे हैं। परिणामस्वरूप, दूरदराज के गाँवों में रहने वाले लोग नगरीय तड़क-भड़क और सुखसुविधाओं से सुपरिचित हो जाते हैं उनमें भी वैसा ही उपभोगपूर्ण जीवन जीने की लालसा उत्पन्न हो जाती है। 2. जनसंक्रमण और जनसंचार के साधन अब ग्रामीण तथा नगरीय इलाकों के बीच की खाई को पाटते जा रहे हैं।	मुख्य परीक्षा	2023

	3. ग्रामीण इलाके उपभोक्ता बाज़ार के साथ बड़ी घनिष्ठता से जुड़ते जा रहे हैं 4. यह तथ्य कि नगरीय जीवन में अपरिचितों से संपर्क होता रहता है कुछ भिन्न कारणों से लाभकारी साबित हो सकता हैं 5. अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों जैसे सामाजिक रूप से पीड़ित समूहों को शहरी रहन-सहन कुछ हद तक रोज़मर्रा की उस अपमानजनक स्थिति से बचाता है जो उन्हें गाँवों में भुगतनी पड़ती है जहाँ हर कोई उनकी जाति से उन्हें पहचानता है। 6. शहरी जीवन की गुमनामी के कारण सामाजिक दृष्टि से प्रभुत्वशाली ग्रामीण समूहों के अपेक्षाकृत गरीब लोग शहर में जाकर कोई भी नीचा समझा जाने वाले काम करने से नहीं हिचकिचाते जिसे वे गाँव में रहते हुए बदनामी के डर से नहीं कर सकते थे। (कोई अन्य उपयुक्त बिंदु)		
7	भारत की जनसंख्या नीति की व्याख्या कीजिए । <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> • हमारी जनसंख्या नीति ने राष्ट्रीय परिवार नियोजन कार्यक्रम के रूप में एक ठोस रूप धारण किया। इस कार्यक्रम के उद्देश्य मोटे तौर पर समान रहे हैं - जनसंख्या संवृद्धि की दर और स्वरूप को प्रभावित करके सामाजिक दृष्टि से वांछनीय दिशा की ओर ले जाने का प्रयत्न करना। • प्रारंभिक दिनों में, इस कार्यक्रम का सबसे महत्त्वपूर्ण उद्देश्य था: जन्म नियंत्रण के विभिन्न उपायों के माध्यम से जनसंख्या संवृद्धि की दर को धीमा करना, जन-स्वास्थ्य के मानक स्तरों में सुधार करना और जनसंख्या तथा स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों के बारे में आम लोगों की जागरूकता बढ़ाना। • राष्ट्रीय आपातकाल की अवधि (1975-76) में परिवार नियोजन के कार्यक्रम को गहरा धक्का लगा। इस आपातकालीन स्थिति में, सामान्य संसदीय और वैध प्रक्रियाएँ निलंबित रहीं और विशेष कानून और अध्यादेश (संसद में पारित करवाए बिना ही) सीधे सरकार द्वारा लागू कर दिए गए। इस आपातकाल में सरकार ने बड़े पैमाने पर ज़ोर-ज़बरदस्ती से वंध्यकरण (sterilisation) का एक कार्यक्रम लागू करके जनसंख्या की संवृद्धि दर को नीचे लाने का प्रयत्न किया। • सरकारी कर्मचारियों (जैसे स्कूली अध्यापकों या दफ़्तरी बाबुओं) पर भारी दबाव डाला गया कि वे लोगों को वंध्यकरण के लिए आयोजित शिविरों में लाएँ। इस कार्यक्रम का जनता में व्यापक रूप से विरोध हुआ और आपातकाल के बाद निर्वाचित होकर आई सरकार ने इसे छोड़ दिया। • आपातकाल के बाद राष्ट्रीय परिवार नियोजन कार्यक्रम का नाम बदल कर उसे राष्ट्रीय परिवार कल्याण कार्यक्रम कहा जाने लगा अब इस कार्यक्रम के व्यापक आधार वाले सामाजिक-जनसांख्यिकीय उद्देश्य हैं। राष्ट्रीय जनसंख्या नीति, 2000 के अंतर्गत कुछ नए दिशा निर्देश तैयार किए गए हैं। • 2017 में भारत सरकार ने इन सभी लक्ष्यों को राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति में नए लक्ष्यों के साथ निगमित कर लिया।	पूरक परीक्षा	2023

8	जनसांख्यिकीय संक्रमण के सिद्धांत की चर्चा कीजिए । <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> जनसांख्यिकीय संक्रमण का सिद्धांत। इसका तात्पर्य यह है कि जनसंख्या वृद्धि आर्थिक विकास के समग्र स्तरों से जुड़ी होती है एवं प्रत्येक समाज विकास से संबंधित जनसंख्या वृद्धि के एक निश्चित स्वरूप का अनसुरण करता है। जनसंख्या वद्धि के तीन बुनियादी चरण होते हैं। <u>पहला चरण</u> है समाज में जनसंख्या वृद्धि का कम होना क्योंकि समाज अल्पविकसित और तकनीकी दृष्टि से पिछड़ा होता है। वृद्धि दरें इसलिए कम होती हैं क्योंकि मृत्यु दर और जन्म दर दोनों ही बहुत ऊँची होती हैं इसलिए दोनों के बीच का अंतर (यानी शुद्ध वृद्धि दर) नीचा रहता है। तीसरे (और अंतिम) चरण में भी विकसित समाज में जनसंख्या वृद्धि दर नीची रहती है क्योंकि ऐसे समाज में मृत्यु दर और जन्म दर दोनों ही काफ़ी कम हो जाती हैं और उनके बीच अतंर बहुत कम रहता है। इन दोनों अवस्थाओं के बीच एक तीसरा <u>संक्रमणकालीन</u> (दूसरा) चरण होता है जब समाज पिछड़ी अवस्था से उन्नत अवस्था में जाता है और इस अवस्था की विशेषता यह है कि इस दौरान जनसंख्या वृद्धि की दरें बहुत ऊँची हो जाती हैं। यह 'जनसंख्या विस्फोट' इसलिए होता है क्योंकि मृत्यु दर, रोग नियंत्रण, जनस्वास्थ्य और बेहतर पोषण के उन्नत तरीकों के द्वारा अपेक्षाकृत तेज़ी से नीचे ला दी जाती है। लेकिन समाज को इस आपेक्षिक समृद्धि की स्थिति और पहले से अधिक लंबी जीवन अवधियों के अनुरूप अपने आपको ढालने और अपने प्रजननात्मक व्यवहार को (जो उसकी गरीबी और ऊँची मृत्यु दरों की हालत में विकसित हो गया था) बदलने में काफ़ी लंबा समय लगता है। <u>तीसरे (और अंतिम)</u> चरण में भी विकसित समाज में जनसंख्यावृद्धि दर नीची रहती है क्योंकि ऐसे समाज में मृत्यु दर और जन्म दर दोनों ही काफ़ी कम हो जाती है और उनके बीच अतंर बहुत कम रहता है।	पूरक परीक्षा	2023

अध्याय - 3 सामाजिक संस्थाएं : निरंतरता एवं परिवर्तन

	1 अंक के प्रश्न	मुख्य परीक्षा / पूरक परीक्षा	वर्ष
1	जनजातीय पहचान से संबन्धित निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य नहीं है ? (A) जनजातीय पहचान को सुरक्षित रखने का आग्रह दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है। (B) जनजातीय समाज के भीतर भी एक मध्य वर्ग का प्रादुर्भाव हो चला है। (C) नृजातीय-सांस्कृतिक पहचान के मामले से सम्बंधित मुद्दे कम महत्वपूर्ण हो गए हैं। (D) भूमि तथा विशेष रूप से वनों जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण आर्थिक संसाधनों पर नियंत्रण से सम्बंधित मुद्दे दिनोंदिन बढ़ते जा रहे हैं। उपयुक्त विकल्प (C) नृजातीय-सांस्कृतिक पहचान के मामले से सम्बंधित मुद्दे कम महत्वपूर्ण हो गए हैं।	मुख्य परीक्षा	2025
	निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर, प्रश्न संख्या 2 और 3 के उत्तर दीजिए।		

2	"भूमि-सुधारों ने पहले के दावेदारों से अधिकार छीन लिए थे। ये दावेदार ऊँची जातियों के ऐसे सदस्य होते थे जो लगान वसूल करने के अलावा खेतिहर अर्थव्यवस्था में कोई भूमिका अदा नहीं करते थे।" ये दावेदार कृषि अर्थव्यवस्था में कोई भूमिका अदा नहीं करते थे क्योंकि : (I) ये दावेदार अक्सर उस गाँव में भी नहीं रहते थे। (II) वे अनुपस्थित यानी दूरवासी जमींदार थे। (III) ये मध्यवर्ती जातियाँ निम्न जातियों के मजदूरों पर आश्रित नहीं थीं। (IV) ये क्षेत्रीय राजनीति तथा खेतिहर अर्थव्यवस्था में कोई भूमिका अदा नहीं करती थीं। विकल्प : (A) (I), (II) और (III) (B) (I) और (II) (C) (III) और (IV) (D) (I), (II), (III) और (IV) उपयुक्त विकल्प (B) (I) और (II)	पूरक परीक्षा	2025
3	निम्नलिखित में से कौन-सा अगले स्तर के दावेदारों को इंगित नहीं करता है जो कृषि के प्रबंधन में तो शामिल थे पर स्वयं भूमि नहीं जोतते थे ? (A) कर्नाटक के वोक्कालिगा (B) आन्ध्र प्रदेश के रेड्डी (C) महाराष्ट्र के गोंड (D) उत्तर प्रदेश के यादव उपयुक्त विकल्प (C) महाराष्ट्र के गोंड	पूरक परीक्षा	2025
4	उपनिवेशवाद ने जाति संस्था में अनेक महत्वपूर्ण परिवर्तन किए। इस कथन से संबंधित सही कथन चुनिए : (A) 1903 में हरबर्ट रिज़ले के निर्देशन में जनगणना कराई गई। (B) इस जनगणना में जाति के सामाजिक अधिक्रम के बारे में कोई जानकारी इकट्ठी नहीं हुई। (C) प्रशासन ने पिछड़े वर्ग के कल्याण में भी रुचि ली। (D) 1950 का भारत सरकार अधिनियम पारित किया गया जिसने राज्य द्वारा विशेष व्यवहार के लिए निर्धारित जातियों तथा जनजातियों की सूचियों या अनुसूचियों को वैध मान्यता प्रदान कर दी। उपयुक्त विकल्प (C) प्रशासन ने पिछड़े वर्ग के कल्याण में भी रुचि ली।	मुख्य परीक्षा	2024
5	निम्नलिखित में से कौन-सा एक दूसरे से संबंधित नहीं है? (A) बिहार और उत्तर प्रदेश के यादव (B) कर्नाटक के वोक्कालिगा (C) पंजाब के जाट (D) तमिलनाडु के खम्मा उपयुक्त विकल्प (D) तमिलनाडु के खम्मा	मुख्य परीक्षा	2024
6	'शुद्ध जातियों' के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा सत्य है? (A) वे पवित्र के करीब हैं। (B) उनकी स्थिति निम्न है।	पूरक परीक्षा	2024

	(C) उनके पास भौतिक शक्ति नहीं है। (D) ऐसा माना जाता है कि वे युद्धों में पराजित हो गए थे। उपयुक्त विकल्प (A) वे पवित्र के करीब हैं।		
7	____________________जाति व्यवस्था का एक अत्यंत घृणित एवं दूषित पहलू है, जो धार्मिक एवं कर्मकांडीय दृष्टि से शुद्धता एवं अशुद्धता के पैमाने पर सबसे नीची मानी जाने वाली जातियों के सदस्यों के विरुद्ध अत्यंत कठोर सामाजिक दंडों का विधान करता है। यहाँ किस अवधारणा की बात कही गई है? (A) भेदभाव (B) अस्पृश्यता (C) पूर्वाग्रह (D) सामाजिक विषमता उपयुक्त विकल्प (B) अस्पृश्यता	पूरक परीक्षा	2024
8	भारत सरकार अधिनियम, ____________________ ने निर्धारित जातियों तथा जनजातियों की सूचियों या अनुसूचियों को वैध मान्यता प्रदान कर दी। (A) 1927 (B) 1947 (C) 1953 (D) 1935 उपयुक्त विकल्प (D) 1935	पूरक परीक्षा	2024
9	अभिकथन (A) :जाति समूह सजातीय होते हैं, अर्थात् विवाह समूह के सदस्यों में ही हो सकते हैं । कारण (R) :जाति की सदस्यता के साथ विवाह संबंधी कठोर नियम शामिल होते हैं । (a) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है । (b) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है। (c) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) ग़लत है । (d) अभिकथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है । उपयुक्त विकल्प (a) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है ।	मुख्य परीक्षा	2023
10	जातियों में आपसी उप-विभाजन भी होता है, अर्थात् जातियों में हमेशा उप-जातियाँ होती हैं और कभी-कभी उप-जातियों में भी उप-उप-जातियाँ होती हैं। इसे _________ कहते हैं। (a) वर्ग (b) विभाजन (c) नातेदारी (d) खंडात्मक विभाजन उपयुक्त विकल्प (d) खंडात्मक विभाजन	मुख्य परीक्षा	2023

11	जहाँ तक सकारात्मक विशिष्टताओं का संबंध है, जनजातियों को उनके 'स्थायी' तथा 'अर्जित' विशेषकों के अनुसार विभाजित किया गया है। निम्नलिखित में से कौन-सा स्थायी विशेषक है? (a) क्षेत्र, भाषा (b) शारीरिक विशिष्टताएँ (c) पारिस्थितिक आवास (d) उपर्युक्त सभी उपयुक्त विकल्प (d) उपर्युक्त सभी	मुख्य परीक्षा	2023
12	निम्नलिखित में से कौन-सा/कौन-से जाति व्यवस्था के लिए सही है/हैं ? I. अधिक्रम II. अर्जित प्रस्थिति III. खंडात्मक विभाजन (a) I असत्य है (b) I, II सत्य हैं (c) I, III सत्य हैं (d) I, II, III सत्य हैं उपयुक्त विकल्प (c) I, III सत्य हैं	मुख्य परीक्षा	2023
13	कौन-सा शब्द विदेशियों, दासों और युद्धों में पराजित लोगों पर लागू होता है ? (a) पंचम (b) ब्राह्मण (c) क्षत्रिय (d) जाति उपयुक्त विकल्प (a) पंचम	मुख्य परीक्षा	2023
14	जनजातिवादी विचारधारा निम्नलिखित में से किसे इंगित करती है? (a) उन्हें अपनी पहचान पर गर्व है। (b) वे स्वेच्छा से अपनी पहचान की कीमत पर मुख्यधारा में शामिल होना चाहते हैं। (c) उन्हें अपनी पहचान पर गर्व नहीं है। (d) जनजातीय समूह नए संपर्क में आए अन्य लोगों से अपने-आप को अलग दर्शाना नहीं चाहते । उपयुक्त विकल्प (a) उन्हें अपनी पहचान पर गर्व है।	पूरक परीक्षा	2023
15	निम्नलिखित में से किसे संयुक्त परिवार के रूप में पहचाना जा सकता है ? (a) भाइयों का एक समूह अपने-अपने परिवारों के साथ (b) माता-पिता और उनके बच्चों का एक समूह (c) एक बुजुर्ग दंपति अपने बेटे के साथ (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं उपयुक्त विकल्प (a) भाइयों का एक समूह अपने-अपने परिवारों के साथ	पूरक परीक्षा	2023

16	**निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन परिवार के संबंध में सत्य है/हैं ?** **I. परिवार एक सामाजिक संस्था है।** **II. परिवार की संरचना समाज की अन्य संस्थाओं से जुड़ी है।** **III. परिवार की संरचना और गठन में परिवर्तन हो सकते हैं।** **(a) I असत्य है।** **(b) I और II सत्य हैं।** **(c) I और III सत्य हैं।** **(d) I, II और III सत्य हैं।** **उपयुक्त विकल्प (d) I, II और III सत्य हैं।**	**पूरक परीक्षा**	**2023**
	2 अंक के प्रश्न		
1	**1960 के दशक में, विद्वानों के बीच इस प्रश्न को लेकर वाद-विवाद होता रहा कि क्या जनजातियों को जाति-आधारित (हिंदू) कृषक समाज के एक सिरे का विस्तार माना जाए अथवा वे पूर्ण रूप से एक भिन्न प्रकार का समुदाय है ।** **जनजाति और जाति के बीच के अंतर के तर्क का आधार क्या है ?** **<u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u>** **- जो विद्वान विस्तार के पक्ष में थे उनका कहना था कि जनजातियाँ जाति आधारित कृषक समाज से मौलिक रूप से भिन्न नहीं हैं।** **- जनजाति में अधिक्रम के स्तर कम, और संसाधनों के स्वामित्व के मामले में वे समुदाय आधारित अधिक और व्यक्ति आधारित कम हैं।** **- जनजातियाँ जातियों से पूरी तरह भिन्न होती हैं क्यूंकि उनमें धार्मिक या कर्मकांडीय दृष्टि से शुद्धता और अशुद्धता का भाव नहीं होता जो कि जाति व्यवस्था का केंद्र-बिंदु है।** **- जनजाति और जाति के बीच के अंतर दर्शाने वाला तर्क पवित्रता और अपवित्रता पर आधारित था।** **- ये अंतर अधिक्रमिक एकीकरण में विश्वास रखनेवाली हिन्दू जातियों और अपेक्षाकृत अधिक समतावादी और नातेदारी आधारित सामाजिक संगठन की रीतियों वाली जीववादी (animist) जनजातियों के बीच माने गए सांस्कृतिक अंतर पर आधारित था।** **(कोई दो)**	**मुख्य परीक्षा**	**2025**
2	**“सैद्धान्तिक तौर पर, जाति व्यवस्था को सिद्धांतों के दो समुच्चयों के मिश्रण के रूप में समझा जा सकता है।” दोनों सिद्धांतों के नाम बताइए और किसी एक को परिभाषित कीजिए।** **<u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u>** **(I) भिन्नता और अलगाव** **(II) संपूर्णता और अधिक्रम** **भिन्नता और अलगाव**	**मुख्य परीक्षा**	**2025**

	हर जाति से यह अपेक्षित है कि वह दूसरी जाति से भिन्न हो और इसलिए वह प्रत्येक अन्य जाति से कठोरता से पृथक होती है। जाति के अधिकांश धर्मग्रंथ सम्मत नियमों की रूपरेखा जातियों को मिश्रित होने से बचाने के अनुसार बनाई गई है। इन नियमों में शादी, खान-पान एवं सामाजिक अंतःक्रिया से लेकर व्यवसाय तक के नियम शामिल हैं। संपूर्णता और अधिक्रम इन विभिन्न एवं पृथक जातियों का कोई व्यक्तिगत अस्तित्व नहीं है, वे एक बड़ी संपूर्णता से संबंधित होकर ही अपना अस्तित्व बनाए रख सकती है। धार्मिक या कर्मकांडीय दृष्टि से जाति की अधिक्रमित व्यवस्था 'शुद्धता' (शुचिता) और 'अशुद्धता' (अशुचिता) के बीच के अंतर पर आधारित होती है। (कोई एक)		
3	"जाति भारतीय उपमहाद्वीप से जुड़ी अनूठी संस्था है। हालांकि विश्व के अन्य भागों में भी समान प्रभाव उत्पन्न करने वाली सामाजिक व्यवस्थाएँ पाई जाती हैं, परंतु जाति व्यवस्था अपने आप में अपवाद ही है। हालांकि, यह हिन्दू समाज की संस्थात्मक विशेषता है, पर इसका प्रचलन भारतीय उपमहाद्वीप के अन्य धार्मिक समुदायों में भी फैला हुआ है।" वर्ण और जाति के बीच का अंतर बताइए। <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> • "वर्ण" जिसका शाब्दिक तात्पर्य है रंग समाज के ब्राहमण क्षत्रिय वैश्य और शूद्र इन चार श्रेणियों के विभाजन को वर्ण कहा जाता है। • वर्ण को एक अखिल भारतीय सामूहिक वर्गीकरण के रूप में समझा जा सकता हैं। • जाति एक व्यापक शब्द है जो किसी भी चीज के प्रकार या वंश किस स्पीशीज को संबोधित करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है इसमें अचेतन वस्तुओं से लेकर पेड़ पौधों जीव जंतु और मनुष्य भी शामिल होते हैं। • जाति को क्षेत्रीय या स्थानीय अप वर्गीकरण के रूप में समझा जा सकता है। (प्रत्येक में से कोई एक)	पूरक परीक्षा	2025
4	"हममें से हर कोई एक परिवार में उत्पन्न हुआ है और हममें से अधिकांश लोग परिवार में अनेक वर्ष बिताते हैं। आमतौर पर हम अपने परिवार से गहरा लगाव महसूस करते हैं। कभी-कभी हम अपने माता-पिता, दादा-दादी, नाना-नानी, सहोदर भाई-बहनों, चाचा-चाची, मामा-मामी तथा चचेरे, ममेरे भाई-बहनों के बारे में बहुत लगाव महसूस करते हैं, जबकि दूसरों के बारे में हम ऐसा महसूस नहीं करते।" प्रभुत्व के आधार पर परिवार के विविध रूपों की व्याख्या कीजिए। <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> <u>पितृतंत्रात्मक</u> परिवार संरचना में पुरुषों की सत्ता व प्रभुत्व होता है। <u>मातृतंत्रात्मक</u> परिवार संरचना में स्त्रियाँ समान प्रभुत्वकारी भूमिका निभाती हैं।	पूरक परीक्षा	2025

5	राज्य के विकास संबंधी कार्यकलाप और निजी उद्योग की संवृद्धि ने अप्रत्यक्ष रूप से जाति संस्था को प्रभावित किया। कोई दो तरीके बताइए जिनसे यह स्पष्ट होता है। <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> (i) आर्थिक परिवर्तन में तीव्रता (ii) नए-नए रोज़गार के अवसर तैयार किए जिनके लिए कोई जातीय नियम नहीं थे। (iii) नगरीकरण और शहरों में सामूहिक रहन-सहन की परिस्थितियों ने सामाजिक अंतःक्रिया के जाति-पृथक्कृत स्वरूपों का अधिक समय तक चलना मुश्किल कर दिया। (iv) आधुनिक शिक्षा प्राप्त भारतीय व्यक्तिवाद और योग्यतातंत्र अर्थात् योग्यता को महत्व देने के उदार विचारों से आकर्षित हुए और उन्होंने अधिक अतिवादी जातीय व्यवहारों को छोड़ना प्रारंभ कर दिया। (v) औद्योगीकरण कुछ एक स्थानों पर ज़बरदस्त समानता लाता है, उदाहरण के लिए रेलगाड़ियों , बसों और साइबर कैफे में जातीय भेदभाव के महत्व का ना होना। (vi) हालांकि, इस स्तर में सामाजिक असमानताएँ कम हो रही हैं लेकिन आर्थिक या आय से संबंधित असमानताएँ उत्तपन हो रही हैं। बहु-सामाजिक और आय संबंधी असमानता परस्पर एक-दूसरे पर छा जाती हैं। (vii) उदाहरण के लिए अच्छे वेतन वाले व्यवसायों जैसे मेडिसिन, कानून अथवा पत्रकारिता में उच्च जाति के लोगों का वर्चस्व आज भी बना हुआ है। (कोई दो बिंदु) (कोई अन्य उपयुक्त बिंदु)	मुख्य परीक्षा	2024
6	अध्ययनों से ज्ञात हुआ है कि विभिन्न समाजों में विविध प्रकार के परिवार पाए जाते हैं। आवास के नियम के अनुसार परिवार के दो प्रकार लिखिए। <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> मातृस्थानिक- नवविवाहित जोड़ा वधु के माता-पिता के साथ रहता है। पितृस्थानिक- नवविवाहित जोड़ा वर के माता-पिता के साथ रहता है।	मुख्य परीक्षा	2024
7	परिवार राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और शैक्षिक क्षेत्रों से जुड़ा हुआ है। दो उदाहरणों की सहायता से पुष्टि कीजिए। <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> (i) यह परिवर्तन कभी-कभी तो आकस्मिक तौर पर होते हैं जब कोई लड़ाई छिड़ जाती है अथवा लोग काम की तलाश में अन्यत्र जा बसते हैं। (ii) कभी-कभी यह परिवर्तन किसी विशेष प्रयोजन के लिए किए जाते हैं, जैसे कि जब युवा लोग बुजुर्गों द्वारा उनके लिए जीवन-साथी का चुनाव करने के बजाय स्वयं ही अपना जीवन-साथी का चुनाव कर लेते हैं। अथवा जब समाज में समलैंगिक प्यार को खुले तौर पर इज़हार किया जाता है।	पूरक परीक्षा	2024

	(iii) हिमालयी क्षेत्र के गाँवों से पुरुषों के प्रवसन से उस गाँव में ऐसे परिवारों का अनुपात असामान्य रूप से बढ़ सकता है जिनकी मुखिया स्त्रियाँ हैं। (iv) भारत के सॉफ्टवेयर उद्योग में कार्य कर रहे युवा माता-पिता का कार्य-समय ऐसा हो कि वे अपने बच्चों की देखभाल ठीक से न कर सकें तो वहाँ दादा-दादियों या नाना-नानियों की सत्ता बढ़ जाएगी। (कोई दो बिंदु) अन्य उपयुक्त बिंदु		
8	अध्ययनों से ज्ञात हुआ है कि विभिन्न समाजों में विविध प्रकार के परिवार पाए जाते हैं। उत्तराधिकार के नियम के अनुसार परिवार के दो प्रकार लिखिए। <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> (i) मातृवंशीय समाज - जायदाद माँ से बेटी को मिलती है। (ii) पितृवंशीय समाज - जायदाद पिता से पुत्र को मिलती है।	पूरक परीक्षा	2024
9	अक्सर परिवार कटु संबंधों का स्थल होता है। कथन की पुष्टि के लिए दो कारण दीजिए। <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> 1. कभी-कभी हम परिवार के हस्तक्षेप के लिए असन्तोष या रोष प्रकट करते हैं। 2. माता शिशु की हत्या। 3. सम्पत्ति के लिए भाइयों के बीच हिंसा पूर्ण लड़ाई झगड़े। (कोई अन्य उपयुक्त बिंदु)	मुख्य परीक्षा	2023
10	जाति व्यवस्था को समझने के लिए सिद्धांतों के दो समुच्चयों की पहचान कीजिए। इनमें से किसी एक समुच्चय समूह की परिभाषा दीजिए । <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> <u>भिन्नता और अलगाव</u> 1. हर जाति से यह अपेक्षित है कि वह दूसरी जाति से भिन्न हो और इसलिए वह प्रत्येक अन्य जाति से कठोरता से पृथक होती है। <u>संपूर्णता और अधिक्रम</u> 2. इन विभिन्न एवं पृथक जातियों का कोई व्यक्तिगत अस्तित्व नहीं है, वे एक बड़ी संपूर्णता से संबंधित होकर ही अपना अस्तित्व बनाए रख सकते हैं। समाज की संपूर्णता में सभी जातियां शामिल होती हैं। सामाजिक संपूर्णता या व्यवस्था समानता वादी व्यवस्था होने की बजाय अधिक्रमित व्यवस्था है ।प्रत्येक जाति का समाज में एक विशिष्ट स्थान होने के साथ-साथ एक क्रम श्रेणी भी होती है। यह शुद्धता और अशुद्धता पर आधारित होती है।	मुख्य परीक्षा	2023
11	किन दो प्रकार के व्यापक मुद्दों ने जनजातीय आंदोलनों को तूल देने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है ?	पूरक परीक्षा	2023

	<u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> **दो प्रकार के मुद्दो ने जनजातीय आंदोलनों को तूल देने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हैं -** • **एक प्रकार के मुद्दे वे हैं जो भूमि तथा विशेष रूप से वनों जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण आर्थिक संसाधनों पर नियंत्रण से संबंधित हैं।** • **और दूसरे प्रकार के मुद्दों का संबंध नृजातीय-सांस्कृतिक पहचान के मामलों से है।**		
12	**मातृवंश और मातृतंत्र में क्या अंतर है ? व्याख्या कीजिए।** <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> **मातृवंशीय जहाँ स्त्रियाँ अपनी माताओं से उत्तराधिकार के रूप में जायदाद पाती हैं, परंतु उस पर उनका अधिकार नहीं होता और न ही सार्वजनिक क्षेत्र में उन्हें निर्णय लेने का कोई अधिकार होता है।** **मातृसत्तात्मक परिवार संरचना में स्त्रियाँ समान प्रभुत्वकारी भूमिका निभाती हैं।**	**पूरक परीक्षा**	**2023**
	4 अंक के प्रश्न		
1	**हममें से हर कोई एक परिवार में जन्म लेता है और हममें से अधिकांश लोग परिवार में अनेक वर्ष बिताते हैं। आमतौर पर हम अपने परिवार से गहरा लगाव महसूस करते हैं । परिवार हमारे जीवन का एक अभिन्न अंग है। विस्तारपूर्वक समझाइए।** <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> • **कभी-कभी हम अपने माता-पिता, दादा-दादी, नाना-नानी, सहोदर भाई-बहन, चाचा-चाचियों, मामा-मामियों तथा चचेरे ममेरे भाइयों-बहनों के बारे में बहुत लगाव महसूस करते है।** • **जब हम उनसे दूर रहते हैं तो उनके रोबदारपूर्ण तरीकों के लिए तरसते हैं और उन्हें याद करते हैं।** • **परिवार गहरे स्नेह एवं देखभाल का स्थान है।** • **कार्य कर रहे युवा माता-पिता का कार्य - समय ऐसा हो की वे अपने बच्चों की देखभाल ठीक से न कर सके तो वहाँ दादा-दादियों तथा नाना-नानियों की संख्या बढ़ जाएगी क्यूंकि उन्हें ही वहाँ आकर बच्चों की देखभाल करनी होगी।** • **परिवारों को प्रभुत्व या अधिकार (पितृसत्ता-मातृसत्ता), निवास (पितृस्थानीय-मातृस्थानीय), वंश (पितृवंशीय-मातृवंशीय) या आकार (संयुक्त/विस्तारित-मूल/एकाकी) के आधार पर वर्गीकृत किया जा सकता है।** **(कोई चार),** **(कोई अन्य उपयुक्त बिंदु)**	**मुख्य परीक्षा**	**2025**

2	“विकास की अनिवार्यताओं ने जनजातियों के प्रति राज्य के रूख या अभिवृत्तियों को शासित किया है और राज्य की नीतियों को आकार दिया है।” राष्ट्रीय विकास और जनजातीय विकास के बीच संघर्ष के स्रोतों पर प्रकाश डालिए। <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> • "चूंकि जनजातीय क्षेत्र देश के खनिज संपन्न और वनाच्छादित भागों में स्थित थे, इसलिए जनजातीय लोगों को शेष भारतीय समाज के विकास के लिए अनुपात से कहीं अधिक कीमत चुकानी पड़ी।" • इस प्रकार के विकास से जनजातियों को हानि की कीमत पर मुख्यधारा के लोग लाभान्वित हुए। • खनिजों के दोहन और जल विद्युत संयंत्रों की स्थापना के लिए उपयुक्त स्थलों का उपयोग, जिनमें से अनेक स्थल जनजातीय क्षेत्रों में स्थित थे, का एक अनिवार्य उपउत्पाद यह था कि- जनजातीय लोगों से उनकी ज़मीनें छीनी जाने की प्रक्रिया शुरू हो गई। • अधिकांश जनजातीय समुदाय वनों पर आश्रित थे, इसलिए वन छिन जाने से उन्हें भारी धक्का लगा। • सबसे हालिया उदाहरण नर्मदा पर बनाए जा रहे बांधों की श्रृंखला है, जहाँ लागत और लाभ अधिकांशतः विभिन्न समुदायों और क्षेत्रों में असमान रूप से वितरित होते प्रतीत होते हैं। • ज़मीनों पर निजी मालिकाना हक (स्वामित्व) दिए जाने से भी जनजातीय लोगों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा क्योंकि उनके यहाँ समुदाय आधारित साझेदार सामूहिक स्वामित्व की प्रथा है। • जनजातीय लोगों की घनी आबादी वाले अनेक क्षेत्रों और राज्यों को विकास के दबाव के कारण गैर- जनजातीय लोगों की बड़ी संख्या में अप्रवास (आकर बसने) की समस्या से भी जूझना पड़ रहा है । इससे जनजातीय समुदायों के छिन्न -भिन्न होने और दूसरी संस्कृतियों के हावी हो जाने का खतरा पैदा हो गया है । उदाहरण के लिए, झारखंड, त्रिपुरा और अरुणाचल प्रदेश। (कोई चार)	पूरक परीक्षा	2025
3	जनजातियों को ऐसे ‘आदिम’ (pristine) अर्थात मौलिक अथवा विशुद्ध समाज, जो सभ्यता से अछूते रहे हों, मानने का कोई सुंसगत आधार नहीं है। यह आम धारणा है कि जनजातीय समुदाय उन प्रस्तर युगीन आखेटक और संग्राहक समाजों के समान हैं जो सामाजिक परिवर्तनों से अछूते रहे हैं अभी भी सामान्य तौर पर विद्यमान है हालांकि, काफी लंबे समय से यह सच नहीं रहा है। उपयुक्त परिच्छेद के आधार पर चार कारण बताते हुए स्पष्ट कीजिए कि जनजातियों के अछूते रहने का विचार क्यों असत्य है।	मुख्य परीक्षा	2024

	<u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> **(i) आदिवासी लोग सदा इतने पीड़ित समूह नहीं थे- मध्य भारत में अनेक गोंड राज्य रहे हैं जैसे, गढ़ मंडला या चाँदा** **ii) मध्यवर्ती तथा पश्चिमी भारत के तथा कथित राजपूत राज्यों में से अनेक रजवाड़े वास्तव में स्वयं आदिवासी समुदायों में स्तरीकरण की प्रक्रिया के माध्यम से ही उत्पन्न हुए।** **iii) आदिवासी लोग अक्सर अपनी आक्रामक क्षमता और स्थानीय सैन्य दलों में अपनी सेवाओ के माध्यम से मैदानी इलाकों के लोगों पर अपने प्रभुत्व का प्रयोग करते हैं** **iv) वे कुछ विशेष प्रकार की वस्तुओं का व्यापार भी करते थे जिसके अंतरगर्त वे वन्य उत्पाद, नमक और हाथी बेचा करते थे।** **v) जब वन्य संसाधनों और खनिजों का दोहन करने और सस्ते श्रमिकों की भर्ती करने के लिए पूंजीवादी अर्थव्यवस्था का अभियान चला तो उसने काफ़ी समय पहले जनजातीय समाजों को मुख्यधारा वाले समाज के संपर्क में ला दिया।** **(कोई चार)**		
4	**'जनजाति' एक आधुनिक शब्द है जो ऐसे समुदायों के लिए प्रयुक्त होता है जो बहुत पुराने हैं और उप-महाद्वीप के सबसे पुराने निवासी हैं। जनजातियाँ ऐसे समुदाय थे जो किसी लिखित धर्मग्रंथ के अनुसार किसी धर्म का पालन नहीं करते थे; उनका कोई सामान्य प्रकार का राज्य या राजनीतिक संगठन नहीं था और उनके समुदाय कठोर रूप से वर्गों में नहीं बँटे हुए थे।** **सकारात्मक विशिष्टताओं के आधार पर, जनजातियों को कई लक्षणों के अनुसार विभाजित किया गया है। इन लक्षणों को स्पष्ट कीजिए।** <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> <u>स्थायी लक्षण</u> **(i). क्षेत्र के आधार पर - जनजातीय जनसंख्या का लगभग 85% भाग 'मध्य भारत' में रहता है । शेष 15% में से 11% से अधिक पूर्वात्तर राज्यों में और बाकी के 3% से थोड़े-से अधिक शेष भारत में रहते हैं। जनसंख्या के आकार की दृष्टि से, जनजातियों में बहुत अधिक अंतर पाया जाता है।** **(ii). आवास के आधार पर - इनके पारिस्थितिक आवासों में पहाड़ियाँ, वन, ग्रामीण मैदान और नगरीय औद्योगिक इलाके शामिल हैं।** **(iii). भाषा के आधार पर - जनजातियों को चार श्रेणियों में विभाजित किया गया है। इनमें से दो श्रेणियों अर्थात भारतीय-आर्य और द्रविड़ हैं। दो अन्य भाषा समूह आस्ट्रिक और तिब्बती-बर्मी है ।** **(iv). शारीरिक-प्रजातीय के आधार पर - जनजातियों का नीग्रिटो, आस्ट्रेलॉइड, मॉंगोलॉयड, द्रविड़ और आर्य श्रेणियों में वर्गीकरण किया गया है।** **(v) आकार के आधार पर - जनसंख्या के आकार की दृष्टि से, जनजातियों में बहुत अधिक अंतर पाया जाता है, सबसे बड़ी जनजाति की जनसंख्या लगभग 70 लाख है जबकि सबसे**	**पूरक परीक्षा**	**2024**

	छोटी जनजाति यानी अंडमान द्वीपवासियों की जनसंख्या शायद 100 व्यक्तियों से भी कम है। सबसे बड़ी जनजातियाँ गोंड, भील, संथाल ओराँव, मीना, बोडो और मुंडा हैं। (कोई दो स्थायी लक्षण) अर्जित लक्षण (i) आजीविका के आधार पर, जनजातियों को मछुआ, खाद्य संग्राहक और आखेटक (शिकारी), झूम खेती करने वाले, कृषक और बागान तथा औद्योगिक कामगारों की श्रेणियों में बाँटा जा सकता है। (ii). हिन्दू समाज में उनके समावेश की सीमा।		

अध्याय - 5 सामाजिक विषमता एवं बहिष्कार के स्वरूप

	1 अंक के प्रश्न	मुख्य परीक्षा / पूरक परीक्षा	वर्ष
1	निम्नलिखित अनुच्छेद के आधार पर, प्रश्न संख्या 1 और 2 के उत्तर दीजिए। सामाजिक विषमता एवं बहिष्कार जीवन की एक वास्तविकता है। सामाजिक विषमता (असमानता) एवं बहिष्कार सामाजिक इसलिए है क्योंकि वे व्यक्ति से नहीं बल्कि समूह से संबद्ध है। प्रत्येक समाज में, कुछ लोगों के पास धन, संपदा, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं शक्ति जैसे मूल्यवान संसाधनों का दूसरों की अपेक्षा बड़ा हिस्सा होता है। लोग अक्सर अपने लिंग, धर्म, नृजातीयता, भाषा, जाति तथा विकलांगता की वजह से भेदभाव और बहिष्कार का सामना करते हैं । सामाजिक विषमता एवं बहिष्कार जीवन की एक वास्तविकता है क्योंकि : (I) सामाजिक असमानता (विषमता) एवं बहिष्कार का यह रोज़मर्रापन - इनका इस प्रकार रोज़ाना घटित होना, इन्हें स्वाभाविक बना देता है। (II) हम अक्सर उन्हें 'उचित' या 'न्यायसंगत' मानते हैं। (III) ये कुदरती चीजें हैं जिन्हें बदला जा सकता है। (IV) गरीब तथा वंचित अपनी परिस्थितियों के लिए दोषी नहीं ठहराए जाते। उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं? विकल्प : (A) (I) और (II) (B) (I) और (III) (C) (I) और (IV) (D) (II) और (III) उपयुक्त विकल्प (A) (I) और (II)	मुख्य परीक्षा	2025
2	दलितों के बहिष्कार से सम्बंधित निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य नहीं है?	मुख्य परीक्षा	2025

	(A) अस्पृश्यता की संस्था शारीरिक संपर्क से बचने या अछूत से दूर रहने का आदेश नहीं देती है। **(B) अस्पृश्यता सामाजिक प्रतिबंधों के एक बहुत व्यापक समूह को संदर्भित करती है।** **(C) अछूत मानी जाने वाली जातियों का जाति सोपान या अधिक्रम में कोई स्थान ही नहीं है।** **(D) उन्हें तो इतना अधिक अशुद्ध एवं अपवित्र माना जाता है कि उनके जरा छू जाने भर से ही अन्य सभी जातियों के सदस्य अशुद्ध हो जाते हैं।** **उपयुक्त विकल्प (A) अस्पृश्यता की संस्था शारीरिक संपर्क से बचने या अछूत से दूर रहने का आदेश नहीं देती है।**		
3	**"सामाजिक भेदभाव आकस्मिक या अनायास रूप से नहीं बल्कि व्यवस्थित तरीके से होता है।"** **निम्नलिखित में से कौन-सा कथन की उचित व्याख्या करता है?** **(I) व्यक्ति या समूह को समाज में पूरी तरह से घुलने-मिलने से रोका जाता है।** **(II) सामाजिक भेदभाव स्वेच्छापूर्वक होता है।** **(III) यह व्यवस्थित एवं संरचनात्मक है।** **(IV) व्यक्ति या समूह को उन अवसरों से वंचित करते हैं जो अधिकांश जनसंख्या के लिए खुले होते हैं।** **विकल्प:** **(A) (I) और (II)** **(B) (I), (II), (III) और (IV)** **(C) (II) और (III)** **(D) (I), (III) और (IV)** **उपयुक्त विकल्प (D) (I), (III) और (IV)**	**पूरक परीक्षा**	**2025**
4	**अभिकथन (A) : अकसर यह मान लिया जाता है कि स्त्रियों के अधिकारों के लिए समाज सुधार की लड़ाई पूर्ण रूप से पुरुष सुधारकों द्वारा ही लड़ी गई थी और यह भी कि स्त्रियों की समानता के विचार बाहर से आयातित थे।** **कारण (R) : 'स्त्री पुरुष तुलना' 1882 में ताराबाई शिंदे द्वारा लिखी गई थी, जो कि एक महाराष्ट्रीय गृहिणी थी तथा 'सुल्ताना का सपना' बेगम रोकिया सखावत हौसेन ने लिखी थी।** **(A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है।** **(B) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।** **(C) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) ग़लत है।** **(D) अभिकथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है।** **उपयुक्त विकल्प (B) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।**	**पूरक परीक्षा**	**2025**
5	**अकेले सरकारी कार्रवाई सामाजिक परिवर्तन सुनिश्चित नहीं कर सकती । सामाजिक परिवर्तन सुनिश्चित करने के लिए इसमें और क्या जोड़ने की आवश्यकता है ?** **(A) केवल नागरिक समाज संगठन**	**मुख्य परीक्षा**	**2024**

	(B) केवल साहित्य में योगदान (C) केवल संचार मीडिया (D) नागरिक समाज संगठन, साहित्य में योगदान, संचार मीडिया उपयुक्त विकल्प (D) नागरिक समाज संगठन, साहित्य में योगदान, संचार मीडिया		
4	अभिकथन (A): पूर्वाग्रह एक समूह के सदस्यों द्वारा दूसरे समूह के बारे में पूर्वकल्पित विचार या व्यवहार होता है। कारण (R) : अभिमत (राय) बिना विषय को जाने और बिना उसके तथ्यों को परखे शुरुआत में ही बना लिया जाता है। (A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है। (B) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है। (C) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) ग़लत है। (D) अभिकथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है। उपयुक्त विकल्प (A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है।	मुख्य परीक्षा	2024
5	अभिकथन (A): अधिकांश समाजों की तरह भारत में भी सामाजिक भेदभाव तथा बहिष्कार चरम रूप में पाया जाता है। कारण (R) : इतिहास की विभिन्न अवधियों में जाति, लिंग तथा धार्मिक भेदभाव के विरुद्ध आंदोलन नहीं हुए हैं। (A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है। (B) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है। (C) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) ग़लत है। (D) अभिकथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है। उपयुक्त विकल्प (C) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) ग़लत है।	पूरक परीक्षा	2024
6	प्रत्येक समाज में कुछ लोगों के पास धन, संपदा, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं शक्ति जैसे मूल्यवान संसाधनों का दूसरों के अपेक्षा ज्यादा बड़ा हिस्सा होता है। यह सामाजिक संसाधन पूँजी के तीन रूपों में विभाजित किए जा सकते हैं । निम्नलिखित में से कौन-सा पूँजी का रूप नहीं है ? (a) आर्थिक (b) सांस्कृतिक (c) सामाजिक	मुख्य परीक्षा	2023

	(d) शैक्षिक उपयुक्त विकल्प (d) शैक्षिक		
7	निम्नलिखित में से कौन-सी विशेषता रंगभेद की नीति का एक तत्व नहीं है ? (a) भूमि के स्वामित्व से इनकार (b) दक्षिण अफ्रीकी नागरिकता से इनकार (c) मिश्रित विवाह की अनुमति (d) सरकार में औपचारिक आवाज़ से इनकार उपयुक्त विकल्प (c) मिश्रित विवाह की अनुमति	मुख्य परीक्षा	2023
8	निम्नलिखित में से कौन-सी सामाजिक स्तरीकरण की विशेषता नहीं है ? (a) सामाजिक स्तरीकरण को विश्वास के प्रतिरूपों द्वारा समर्थन मिलता है । (b) यह व्यक्तियों के बीच की विभिन्नता का प्रकार्य है। (c) सामाजिक स्तरीकरण पीढ़ी-दर-पीढ़ी बना रहता है। (d) एक व्यक्ति को यह प्रदत्त अर्थात् अपने-आप मिली हुई होती है। उपयुक्त विकल्प (b) यह व्यक्तियों के बीच की विभिन्नता का प्रकार्य है।	पूरक परीक्षा	2023
9	आपातकाल (इमरजेंसी) के बाद, जब जनता पार्टी ने शासन की बागडोर संभाली, उस समय ____________ की अध्यक्षता में द्वितीय पिछड़ा वर्ग आयोग नियुक्त किया गया था । (a) जवाहरलाल नेहरू (b) बी.पी. मंडल (c) इंदिरा गाँधी (d) वी.वी. गिरी उपयुक्त विकल्प (b) बी.पी. मंडल	पूरक परीक्षा	2023
	2 अंक के प्रश्न		
1	मूल आदिवासी दिक्कुओं से घृणा क्यों करते थे? दो कारण दीजिए। <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> • दिक्कु प्रवासी व्यापारी तथा महाजन थे, और जो उस क्षेत्र में आकर बस गए थे, तथा दिक्कुओं ने वहाँ के मूल निवासियों की संपदा पर अधिकार कर लिया था, मूल आदिवासी उनसे घृणा करते थे। • उदाहरण के लिए, झारखंड राज्य में इन खनिज-संपन्न क्षेत्रों में खदान तथा औद्योगिक परियोजनाओं से मिलने वाले अधिकांश लाभ दिक्कुओं को मिलते थे, यहाँ तक कि आदिवासियों की भूमि अलग कर दी गई थी। • आदिवासियों को अलग-थलग किए जाने के अनुभव तथा अन्याय के बोध की भावना महसूस होना। (कोई दो)	मुख्य परीक्षा	2025

	4 अंक के प्रश्न		
1	वह व्यवस्था जो एक समाज में लोगों का वर्गीकरण करते हुए एक अधिक्रमित संरचना में उन्हें श्रेणीबद्ध करती है उसे समाजशास्त्री 'सामाजिक स्तरीकरण' कहते हैं। सामाजिक स्तरीकरण किस प्रकार पीढ़ी-दर-पीढ़ी बना रहता है ? <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> • यह परिवार और सामाजिक संसाधनों के एक पीढ़ी से अगली पीढ़ी में उत्तराधिकार के रूप में घनिष्ठता से जुड़ा है। • एक व्यक्ति की सामाजिक स्थिति प्रदत्त अर्थात् अपने आप मिली हुई होती है। बच्चे अपने माता-पिता की सामाजिक स्थिति को पाते हैं। • जाति व्यवस्था के अंदर, जन्म ही व्यवसायिक अवसरों को निर्धारित करता है। • सामाजिक असमानता का प्रदत्त पक्ष अंतर्विवाह प्रथा से और सुदृढ़ होता है। चूँकि विवाह अपनी जाति के सदस्यों में ही सीमित है। (कोई अन्य उपयुक्त बिंदु)	मुख्य परीक्षा	2025
2	असक्षमता और ग़रीबी के बीच एक अटूट संबंध होता है । चर्चा कीजिए । <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> • कुपोषण • बार-बार बच्चे पैदा करने से कमज़ोर हुईं माताएँ • रोग-प्रतिरक्षा के अपर्याप्त कार्यक्रम • भीड़-भाड़ भरे घरों में दुर्घटनाएँ। ये सब बातें एक साथ मिलकर गरीब लोगों में असक्षमता की स्थिति ला देती हैं। • असक्षमता, व्यक्ति के लिए ही नहीं बल्कि पूरे परिवार के लिए पृथक्करण और आर्थिक दबाव को बढ़ाते हुए गरीबी की स्थिति पैदा करके उसे और गंभीर बना देती हैं । (कोई चार) (कोई अन्य उपयुक्त बिंदु)	मुख्य परीक्षा	2025
3	"यह सच है कि कठोर परिश्रम तथा व्यक्तिगत योग्यता महत्वपूर्ण है। यदि बाकी सभी चीजें बराबर हों, तब व्यक्तिगत प्रयास, योग्यता एवं भाग्य ही व्यक्तियों के बीच के अंतर के लिए उत्तरदायी है। लेकिन जैसाकि हमेशा होता है सभी चीजें एक समान नहीं होतीं हैं। प्रत्येक समाज में कुछ लोगों के पास धन, संपदा, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं शक्ति जैसे मूल्यवान संसाधनों का दूसरों की अपेक्षा ज़्यादा बड़ा हिस्सा होता है।" सामाजिक संसाधनों को पूंजी के तीन रूपों में कैसे विभाजित किया जाता है? समझाइए। क्या पूँजी के यह रूप आपस में घुले-मिले होते हैं? अपने उत्तर के लिए कारण बताइए। <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> यह सामाजिक संसाधन पूंजी के तीन रूपों में विभाजित किए जा सकते हैं :	पूरक परीक्षा	2025

	• भौतिक संपत्ति एवं आय के रूप में आर्थिक पूंजी; • प्रतिष्ठा और शैक्षणिक योग्यताओं के रूप में सांस्कृतिक पूंजी; • सामाजिक संगतियों एवं संपर्कों के जाल के रूप में सामाजिक पूंजी। पूंजी के ये तीनों रूप अक्सर आपस में घुले-मिले होते हैं, तथा एक को दूसरे में बदला जा सकता है। उदाहरण के लिए, एक संपन्न परिवार का व्यक्ति अपनी आर्थिक पूंजी के ज़रिए महंगी उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकता है; इस तरह वह अपनी आर्थिक पूंजी को सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक स्वरूप दे सकता है। उसी प्रकार एक अन्य व्यक्ति अपने प्रभावशाली मित्रों व संबंधियों (यानि अपनी सामाजिक पूंजी) के ज़रिए अच्छी सलाह, सिफारिश या जानकारी पा सकता है और इनके द्वारा एक अच्छी आय वाली नौकरी पाकर सामाजिक पूंजी को आर्थिक पूंजी में बदल सकता है।		
4	"हम सब एक समुदाय के सदस्य के रूप में बड़े होते हैं जिससे हर अपने 'समुदाय' जाति, 'वर्ग' या 'लिंग' के बारे में ही नहीं बल्कि इसके अलावा दूसरों के बारे में भी धारणाएँ बनाते हैं। यह धारणाएँ पूर्वाग्रह से प्रस्तुत होती हैं।" पूर्वाग्रह क्या हैं? क्या वे केवल नकारात्मक हो सकते हैं? अपने उत्तर का कारण दीजिए । सांकेतिक मूल्य बिंदु : • पूर्वाग्रह एक समूह के सदस्यों द्वारा दूसरे समूह के बारे में पूर्व कल्पित विचार या व्यवहार होता है। इस शब्द का अक्षरशः अर्थ हैं पूर्वनिर्णय। • पूर्वाग्रह सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों हो सकता है। वैसे ज़्यादातर यह शब्द नकारात्मक रूप से लिए गए पूर्वनिर्णयों के लिए इस्तेमाल होता है, पर यह स्वीकारात्मक पूर्वनिर्णयों पर भी लागू होता है। • एक पूर्वाग्रही व्यक्ति के पूर्वकल्पित विचार अक्सर सुनी-सुनाई बातों पर आधारित होते हैं, जो सबूत और साक्ष्यों के विपरीत होते हैं। ऐसे व्यक्ति नई जानकारी प्राप्त होने के बावजूद अपने विचारों को बदलने से इंकार कर देते हैं। • उदाहरणतया, एक व्यक्ति अपनी जाति और समूह के सदस्यों के पक्ष में पूर्वाग्रहीत हो सकता है और उन्हें बिना किसी सबूत के दूसरी जाति या समूह के सदस्यों से श्रेष्ठ मान सकता है।	पूरक परीक्षा	2025
5	"मैं एक अदृश्य व्यक्ति हूँ, समझे, केवल इसलिए कि लोग मुझे देखना ही नहीं चाहते । आप सर्कस के तमाशों में कभी-कभी धड़हीन सिर देखा करते हैं मेरी स्थिति भी लगभग वैसी ही है। ऐसा लगता है मानो मैं कड़े विद्रूपकारी दर्पणों से घिरा हूँ। जब लोग मेरे पास आते हैं तो मेरा परिवेश ही देखते हैं जो उनकी अपनी कल्पनाओं से बना है। दरअसल, वे मुझे छोड़कर बाकी सब कुछ देख सकते हैं।" (ऐलिसन, 1952:3) विश्वभर में 'निर्योग्यता /अक्षमता' का जो तात्पर्य समझा जाता है उनके कुछ आम लक्षण बताइए । सांकेतिक मूल्य बिंदु : (i) निर्योग्यता/अक्षमता को एक जैविक कमज़ोरी माना जाता है। (ii) जब कभी किसी अक्षम व्यक्ति के समक्ष कई समस्याएँ खड़ी होती हैं तो यह मान लिया	मुख्य परीक्षा	2024

	जाता है कि ये समस्याएँ उसकी बाधा या कमज़ोरी के कारण ही उत्पन्न हुई हैं। (iii) अक्षम व्यक्ति को हमेशा शिकार यानी पीड़ित व्यक्ति के रूप में देखा जाता है। (iv) यह माना जाता है कि निर्योग्यता उस निर्योग्य व्यक्ति के अपने प्रत्यक्ष ज्ञान से जुड़ी हैं। (v) निर्योग्यता का मूलभाव ही यह दर्शा देता है कि निर्योग्य व्यक्तियों को सहायता की आवश्यकता है। (कोई चार)		
6	सामाजिक स्तरीकरण क्या है? सामाजिक स्तरीकरण के प्रमुख सिद्धांतों की व्याख्या कीजिए। <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> वह व्यवस्था जो एक समाज में लोगों का वर्गीकरण करते हुए एक अधिक्रमित संरचना में उन्हें श्रेणीबद्ध करती है उसे समाजशास्त्री सामाजिक स्तरीकरण कहते हैं। यह मुख्य सिद्धांत सामाजिक स्तरीकरण की व्याख्या करते हैं: (i). सामाजिक स्तरीकरण व्यक्तियों के बीच की विभिन्नता का प्रकार्य ही नहीं बल्कि समाज की एक विशिष्टता है। (ii). सामाजिक स्तरीकरण पीढ़ी-दर-पीढ़ी बना रहता है। (iii). सामाजिक स्तरीकरण को विश्वास या विचारधारा द्वारा समर्थन मिलता है। (कोई दो)	पूरक परीक्षा	2024
7	रूढ़िबद्ध धारणा तथा भेदभाव में क्या अंतर है? <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> <u>रूढ़िबद्ध धारणाएँ</u> (i) रूढ़िबद्ध धारणाएँ एक समूह के बारे में अपरिवर्तनीय, कठोर और रूढ़िबद्ध धारणाओं पर आधारित होते हैं। (ii) रूढ़िबद्ध धारणाएँ ज़्यादातर नृजातीय और प्रजातीय समूहों और महिलाओं के बारे में प्रयोग की जाती हैं। (iii) कुछ समुदायों को 'वीर प्रजाति' की संज्ञा दी गई तो कुछ को कायर या पौरुषहीन और कुछ को दगाबाज़ कहा गया। (iv) रूढ़िबद्ध धारणा समूह को एक समान श्रेणी में स्थापित कर देती है और इस धारणा के अंतर्गत व्यक्तिगत, समयानुसार या परिस्थितिजन्य भिन्नता को भी नकार दिया जाता है। <u>भेदभाव</u> (i) भेदभाव दूसरे समूह अथवा व्यक्ति के प्रति किया गया व्यवहार है। (ii) भेदभाव को व्यावहारिक रूप में इस प्रकार भी देखा जा सकता है जिसके तहत एक समूह के सदस्य उन अवसरों के लिए अयोग्य करार दिए जाते हैं जो दूसरे के लिए खुले होते हैं। (iii) भेदभाव को प्रमाणित करना बहुत कठिन है क्योंकि हो सकता है कि यह न तो खुले तौर पर हो और न ही स्पष्टतया घोषित हो। (iv) उदाहरण के लिए, जिस व्यक्ति को उसकी जाति के आधार पर नौकरी देने से मना किया गया है उसको कहा जा सकता है कि उसकी योग्यता दूसरों से कम है तथा चयन पूर्ण रूप से योग्यता के आधार पर किया गया है।	पूरक परीक्षा	2024

8	"सुलतानाज ड्रीम" नामक पुस्तक किसके द्वारा लिखी गई? यह एक उल्लेखनीय कहानी क्यों है? सांकेतिक मूल्य बिंदु : 1. बेगम रुकैया सखावत हुसैन 2. यह भारत में विज्ञान कथा लेखन का प्रारंभिक नमूना है और विश्व भर में किसी महिला लेखक द्वारा रचित प्रथम कृति का उदाहरण है। अपने सपने में सुल्ताना एक जादुई मुल्क के सफर पर जाती है। उस मुल्क में पुरुषों के कार्य स्त्रियों द्वारा और स्त्रियों के कार्य पुरुषों द्वारा किए जाते हैं। पुरुष घर से बाहर नहीं जाते और "पर्दा" रखते हैं जबकि स्त्रियां व्यस्त वैज्ञानिकों के रूप में ऐसे उपकरणों का आविष्कार करने के लिए परस्पर प्रतिस्पर्धा कर रही होती है जिनकी सहायता से बादलों को नियंत्रित करके इच्छा अनुसार वर्षा करवाई जा सकती है और वे ऐसी मशीनें यानी हवाई कारे बनाने के लिए भी प्रयत्नशील हैं जो आकाश में उड़ सके।	मुख्य परीक्षा	2023
9	विश्वभर में जनता की निर्योग्यता/अक्षमता का जो तात्पर्य समझा जाता है उसके कुछ आम लक्षण कौन-से हैं ? सांकेतिक मूल्य बिंदु : • निर्योग्यता/अक्षमता को एक जैविक कमज़ोरी माना जाता है। • जब कभी किसी अक्षम व्यक्ति के समक्ष कई समस्याएँ खड़ी होती हैं तो यह मान लिया जाता है कि समस्याएँ उसकी बाधा या कमज़ोरी के कारण ही उत्पन्न हुई हैं। • अक्षम व्यक्ति को हमेशा शिकार यानी पीड़ित व्यक्ति के रूप में देखा जाता है। • यह माना जाता है कि निर्योग्यता उस निर्योग्य व्यक्ति के अपने प्रत्यक्ष ज्ञान से जुड़ी है। • निर्योग्यता का मूलभाव ही यह दर्शा देता है कि निर्योग्य व्यक्तियों को सहायता की आवश्यकता है।	पूरक परीक्षा	2023

अध्याय - 6 सांस्कृतिक विविधता की चुनौतियाँ

	1 अंक के प्रश्न	मुख्य परीक्षा / पूरक परीक्षा	वर्ष
1	निम्नलिखित अनुच्छेद के आधार पर, प्रश्न संख्या 1 और 2 के उत्तर दीजिए। सामाजीकरण प्रक्रिया काफ़ी विस्तृत एवं लंबी होती है जिसमें कुछ विशेष लोगों के साथ (जो हमारे जीवन में प्रमुख रूप से शामिल रहते हैं) लगातार संवाद, वार्तालाप और कभी-कभी बहस भी होता रहता है जैसे कि हमारे माता-पिता, परिवार, नातेदार समूह एवं हमारा समुदाय। हमारा समुदाय हमें भाषा (मातृभाषा) और सांस्कृतिक मूल्य प्रदान करता है जिनके माध्यम से हम विश्व को समझते हैं। यह हमारी स्वयं की पहचान को भी सहारा देता है। निम्नलिखित में से कौन-सा कथन गलत है ? (A) किसी समुदाय में जन्म लेने के लिए हमें कुछ नहीं करना होता। (B) किसी परिवार में जन्म लेने पर हमारा कोई वश नहीं है। (C) किसी देश में जन्म लेने पर हमारा कोई वश नहीं है। (D) इस प्रकार की पहचान अर्जित होती है।	मुख्य परीक्षा	2025

2	उपयुक्त विकल्प (D) इस प्रकार की पहचान अर्जित होती है। सामुदायिक विवादों का निपटारा कठिन होता है क्योंकि : (I) विवाद का प्रत्येक पक्ष सामने वाले पक्ष को शत्रु मानते हुए घृणा की दृष्टि से देखता है। (II) उसमें अपने पक्ष के गुणों को बढ़ा-चढ़ाकर कहने की प्रवृत्ति होती है। (III) उसमें अपने सामने वाले पक्ष के दुर्गुणों को बढ़ा-चढ़ाकर ना कहने की प्रवृत्ति होती है। (IV) ऐसे विवादों में, यह देखना बहुत कठिन होता है कि जैसा हम दूसरों के बारे में सोचते हैं, दूसरे भी तो हमारे बारे में वैसा ही सोच रहे हैं। उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं ? विकल्प : (A) (I), (III) और (IV) (B) (I), (II) और (III) (C) (I), (II) और (IV) (D) (II), (III) और (IV) उपयुक्त विकल्प (C) (I), (II) और (IV)	मुख्य परीक्षा	2025
3	निम्नलिखित में से कौन-सा कथन नागरिक समाज के संबंध में सही नहीं है? (A) यह परिवार के निजी क्षेत्र से परे है। (B) इसमें सामूहिक सामाजिक कल्याण के लिए लोगों की भागीदारी शामिल है। (C) इसमें राजनीतिक दल, जनसंचार की संस्थाएँ, मज़दूर संघ, धार्मिक संगठन शामिल होते हैं। (D) नागरिक समाज में शामिल होने की मुख्य कसौटियाँ यह हैं कि संगठन राज्य-नियंत्रित होना चाहिए, और यह विशुद्ध रूप से वाणिज्यिक मुनाफा कमाने वाला तत्त्व है। उपयुक्त विकल्प (D) नागरिक समाज में शामिल होने की मुख्य कसौटियाँ यह हैं कि संगठन राज्य-नियंत्रित होना चाहिए, और यह विशुद्ध रूप से वाणिज्यिक मुनाफा कमाने वाला तत्त्व है।	पूरक परीक्षा	2025
4	निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सांस्कृतिक विविधता के संदर्भ में सत्य है ? (A) भारत में एक ही प्रकार के सामाजिक समूह एवं समुदाय निवास करते हैं। (B) समुदाय सांस्कृतिक चिन्हों जैसे भाषा, धर्म, संप्रदाय, नस्ल या जाति द्वारा परिभाषित किए जाते हैं। (C) 'विविधता' शब्द समानताओं के बजाय अंतरों पर बल देता है। (D) विविध प्रकार के समुदायों में किसी भी प्रकार संघर्ष या प्रतिस्पर्धा उत्पन्न नहीं होती है। उपयुक्त विकल्प (B) समुदाय सांस्कृतिक चिन्हों जैसे भाषा, धर्म, संप्रदाय, नस्ल या जाति द्वारा परिभाषित किए जाते हैं।	मुख्य परीक्षा	2024
5	अभिकथन (A): विविधता शब्द असमानताओं के बजाय अंतरों पर बल देता है। कारण (R): सांस्कृतिक विविधता कठोर चुनौतियाँ प्रस्तुत कर सकती है।	मुख्य परीक्षा	2024

	(A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है। (B) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है। (C) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है। (D) अभिकथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है। उपयुक्त विकल्प (B) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।		
6	अभिकथन (A): धार्मिक और राजनीतिक सत्ता के पृथक्करण ने पश्चिम के सामाजिक इतिहास में एक बड़ा मोड़ ला दिया। कारण (R): यह पृथक्करण धर्मनिरपेक्षीकरण या जनजीवन से धर्म के उतरोत्तर पीछे हट जाने की प्रक्रिया से संबंधित था, क्योंकि अब धर्म को एक अनिवार्य दायित्व की बजाय स्वैच्छिक व्यक्तिगत व्यवहार के रूप में बदल दिया गया था। (A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है। (B) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है। (C) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है। (D) अभिकथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है। उपयुक्त विकल्प (A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है।	मुख्य परीक्षा	2024
7	अभिकथन (A) : सांस्कृतिक विविधता कठोर चुनौतियाँ प्रस्तुत कर सकती है। कारण (R) : सांस्कृतिक विविधता आर्थिक और सामाजिक असमानताओं से नहीं जुड़ी है। (A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है। (B) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है। (C) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) ग़लत है। (D) अभिकथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है। उपयुक्त विकल्प (C) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) ग़लत है।	पूरक परीक्षा	2024
8	अभिकथन (A): क्षेत्रीय भावनाओं को आदर देना मात्र ही राज्य निर्माण के लिए काफ़ी नहीं है। कारण (R): इसके लिए एक ऐसा संस्थागत ढाँचा होना भी ज़रूरी है, जो यह सुनिश्चित कर सके कि वह एक बड़े संघीय ढाँचे के अंतर्गत एक स्वायत्त इकाई के रूप में चल सकता है। (A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है। (B) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।	पूरक परीक्षा	2024

	(C) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) ग़लत है। (D) अभिकथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है। उपयुक्त विकल्प (A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है।		
9	राष्ट्र एक अनूठे किस्म का समुदाय होता है। राष्ट्र से संबंधित गलत कथन को चुनिए। (a) वर्णन करना कठिन है (b) परिभाषित करना कठिन है (c) साझे धर्म, भाषा, संस्कृति पर आधारित हैं (d) यह समुदायों से मिलकर बना एक समुदाय है उपयुक्त विकल्प (a) वर्णन करना कठिन है	मुख्य परीक्षा	2023
10	केवल एक अकेली राष्ट्रीय पहचान बनाए रखना, जिसके लिए सार्वजनिक तथा राजनीतिक कार्यक्षेत्रों से नृजातीय-राष्ट्रीय और सांस्कृतिक विभिन्नताओं को दूर करने का प्रयत्न होता है – यह _________ की नीति से संबंधित है। (a) एकीकरण (b) प्रभावशाली समूह (c) राज्य (d) विविधता उपयुक्त विकल्प (a) एकीकरण	मुख्य परीक्षा	2023
11	इस संसार में अपना अस्तित्व सक्रिय बनाए रखने के लिए प्रत्येक मनुष्य को एक स्थायी पहचान की ज़रूरत होती है। सामुदायिक पहचान के बारे में ग़लत कथन को चुनिए। (a) सामुदायिक पहचान जन्म पर आधारित होती है। (b) सामुदायिक पहचान अपनेपन पर आधारित होती है। (c) किसी समुदाय में जन्म लेने के लिए हमें कुछ नहीं करना होता। (d) सामुदायिक पहचान अर्जित योग्यताओं पर आधारित होती है। उपयुक्त विकल्प (d) सामुदायिक पहचान अर्जित योग्यताओं पर आधारित होती है।	पूरक परीक्षा	2023
12	"उन कट्टरपंथियों को, जिनके मन में अल्पसंख्यकों के संरक्षण के विरुद्ध एक तरह का दुराग्रह घर कर गया है, मैं दो बातें कहना चाहता हूँ। एक यह कि यह वर्ग एक विस्फोटक शक्ति है, जो यदि भड़क उठे, तो राज्य की संपूर्ण रचना को तार-तार कर देगी ।" उपर्युक्त कथन ____________ के विचारों से संबंधित है । (a) डॉ. अम्बेडकर (b) श्रीनिवास (c) महात्मा गाँधी (d) जवाहरलाल नेहरू उपयुक्त विकल्प (a) डॉ. अम्बेडकर	पूरक परीक्षा	2023
13	अभिकथन (A): झारखण्ड भारत के नवगठित राज्यों में से एक है, जो एक सामाजिक आंदोलन के परिणामस्वरूप वर्ष 2000 में दक्षिण बिहार से बना है। कारण (R): झारखण्ड के निर्माण की सफलता बिना नेता के आंदोलन में निहित है।	पूरक परीक्षा	2023

	(a) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है। (b) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है। (c) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है। (d) अभिकथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है। उपयुक्त विकल्प (c) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।		
	2 अंक के प्रश्न		
1	"सांस्कृतिक विविधता कठोर चुनौतियों को प्रस्तुत कर सकती है।" उपयुक्त उदाहरणों सहित कथन का समर्थन कीजिए। <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> - कठिनाइयाँ इस तथ्य से भी उत्पन्न होती हैं कि सांस्कृतिक पहचानें बहुत प्रबल होती हैं, वे तीव्र भावावेशों को भड़का सकती हैं, और अक्सर बड़ी संख्या में लोगों को एकजुट कर देती हैं। - कभी-कभी सांस्कृतिक अंतरों के साथ-साथ आर्थिक और सामाजिक असमानताएँ भी जुड़ जाती हैं और तब स्थिति और भी जटिल हो जाती है। - स्थिति उस समय और भी बिगड़ जाती है जब नदी जल, रोज़गार के अवसर या सरकारी धनराशियों जैसे दुर्लभ संसाधनों के बँटवारे का सवाल खड़ा होता है।	मुख्य परीक्षा	2025
2	धर्मनिरपेक्षता के पक्ष और विपक्ष में एक-एक तर्क दीजिए। <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> पक्ष : • एक धर्मनिरपेक्ष व्यक्ति या राज्य वह होता है जो किसी विशेष धर्म का अन्य धर्मों की तुलना में पक्ष नहीं लेता। • धर्मनिरपेक्षता का यह भाव सभी धर्मों प्रति समान आदर का द्योतक होता है, न कि अलगाव या दूरी का । उदाहरण के लिए, धर्मनिरपेक्ष भारतीय राज्य सभी धर्मों के त्यौहारों के अवसर पर सार्वजानिक छुट्टी घोषित करता है। *(कोई अन्य उपयुक्त उदाहरण)* विपक्ष : • विरोधी यह तर्क देते हैं कि इस प्रकार की धर्मनिरपेक्षता अल्पसंख्यकों के मत प्राप्त करने या उनके इस प्रकार का समर्थन लेने के लिए उन्हें अपने पक्ष में लाने का एक बहाना मात्र है ।	मुख्य परीक्षा	2025

	• समर्थक यह दलील देते हैं कि ऐसे विशेष संरक्षण के बिना तो धर्मनिरपेक्षतावाद अल्पसंख्यकों बहुसंख्यक समुदाय के मूल्यों एवं प्रतिमानों का एक बहाना बन सकता है। *(उपरोक्त में से कोई एक-एक)*		
3	क्या भारत में क्षेत्रीय तथा जनजातीय राष्ट्रीय पहचान और राज्यत्व के निर्माण के लिए भाषा ही एकमात्र अत्यंत सशक्त साधन है? अपने उत्तर की उचित कारण से पुष्टि कीजिए। <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> • नहीं, भारत में क्षेत्रीय तथा जनजातीय राष्ट्रीय पहचान और राज्य के निर्माण के लिए भाषा ही एकमात्र अत्यंत सशक्त साधन नहीं है। • कारण: सन 2000 में तीन नए राज्यों अर्थात छत्तीसगढ़, उत्तरांचल और झारखंड के निर्माण में भाषा ने कोई प्रमुख भूमिका अदा नहीं की। बल्कि जनजातीय पहचान, भाषा, क्षेत्रीय वंचन और परिस्थितिकी पर आधारित नृजातीयता ने मिलकर तीव्र क्षेत्रीयता को आधार प्रदान किया, जिसके परिणामस्वरूप नए राज्यों की स्थापना हुई।	पूरक परीक्षा	2025
4	"अल्पसंख्यक समूह को किसी एक अर्थ में तो सुविधावंचित कहा जा सकता है, लेकिन दूसरे अर्थ में नहीं।" उपयुक्त उदाहरणों के साथ कथन का समर्थन कीजिए। <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> • उदाहरण: पारसियों या सिखों जैसे धार्मिक अल्पसंख्यक वर्ग आर्थिक दृष्टि से अपेक्षाकृत संपन्न हो सकते हैं। • लेकिन वह फिर भी सांस्कृतिक अर्थ में सुविधा वंचित हो सकते हैं क्योंकि हिंदुओं की विशाल जनसंख्या की तुलना में उनकी संख्या कम है। बहुसंख्यक वर्ग की जनसंख्या अधिक है । जनसांख्यकीय प्रभुत्व के कारण धार्मिक अथवा सांस्कृतिक अल्पसंख्यकों को विशेष संरक्षण की आवश्यकता होती है।	पूरक परीक्षा	2025
5	सामुदायिक पहचान की कोई दो विशेषताएँ लिखिए। <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> (i) सामुदायिक पहचान ,जन्म तथा अपनेपन पर आधारित होती है, न कि किसी अर्जित योग्यता या 'उपलब्धि' के आधार पर। (ii) अत्यंत सुरक्षित एवं संतुष्ट (iii) सर्वव्यापी (iv) आकस्मिक और शर्त रहित (कोई दो)	मुख्य परीक्षा	2024
6	भारतीय संदर्भ में 'क्षेत्रवाद' क्या है? <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> भारत में क्षेत्रवाद भारत की भाषाओं, संस्कृतियों, जनजातियों और धर्मों की विविधता के कारण पाया जाता है। इसे विशेष क्षेत्रों में पहचान चिह्नकों के भौगोलिक संकेन्द्रण के कारण भी प्रोत्साहन मिलता है और क्षेत्रीय वंचन (deprivation) का भाव अग्नि में घी का काम करता है।	मुख्य परीक्षा	2024

7	हमारे परिवारों या धार्मिक अथवा क्षेत्रीय समुदायों की सदस्यता में पूर्वशर्तें नहीं होतीं हैं, फिर भी यह संपूर्ण होती है। वास्तव में, अधिकांश प्रदत्त पहचानें इतनी पक्की होती हैं कि उन्हें हिलाया नहीं जा सकता ; भले ही हम उन्हें अस्वीकार करने की कोशिश करें तब भी दूसरे लोग शायद उन्हीं चिन्हों से जोड़कर हमारी पहचान करते रहेंगे। उपयुक्त अनुच्छेद के आधार पर प्रश्न का उत्तर दीजिए। सामुदायिक पहचानों को क्यों नहीं हिलाया जा सकता है? <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> (i) सामुदायिक पहचान, जन्म तथा अपनेपन पर आधारित होती है, न कि किसी अर्जित योग्यता या 'उपलब्धि' के आधार पर। (ii) इस प्रकार की पहचानें 'प्रदत्त' कही जाती हैं अर्थात् ये जन्म से निर्धारित होती हैं और सम्बंधित व्यक्ति की पसंद या नापसंद इसमें शामिल नहीं होती। (iii) लोग उन समुदायों से सम्बंधित होकर अत्यंत सुरक्षित एवं संतुष्ट महसूस करते हैं जिनमें उनकी सदस्यता पूरी तरह जन्म पर आधारित होती है। (iv) संभवतः इस आकस्मिक, शर्तरहित अथवा लगभग अनिवारणीय तरीके से सम्बंधित होने के कारण ही हम अक्सर अपनी सामुदायिक पहचान से भावनात्मक रूप से इतना गहरे जुड़े होते हैं। (v) प्रदत्त पहचानें और सामुदायिक भावना की एक दूसरी विशेषता यह होती है कि वे सर्वव्यापी होती हैं। (कोई दो बिंदु)	पूरक परीक्षा	2024
8	सामुदायिक पहचानो के साथ राष्ट्र-राज्य के संबंधों की दृष्टि से भारत की स्थिति न तो आत्मसात्करणवादी और न ही एकीकरणवादी की है। आत्मसात्करणवादी नीतियों का उद्देश्य क्या है? <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> (i) आत्मसात्करण को बढ़ावा देने वाली नीतियों का उद्देश्य सभी नागरिकों को एक समान सांस्कृतिक मूल्यों और मानकों को अपनाने के लिए राज़ी, प्रोत्साहित या मजबूर करना है। (ii) इसीलिए राज्य आमतौर पर किसी एक समरूप राष्ट्रीय पहचान का इसलिए पक्ष लेते हैं कि वे उसका नियमन एवं प्रबंध कर सकेंगे ।	पूरक परीक्षा	2024
9	राज्यों को अक्सर सांस्कृतिक विविधता पर संदेह होता है। दिए गए कथन के दो कारण बताइए। <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u>	मुख्य परीक्षा	2023

	1. अधिकांश राज्यों को यह डर था कि इस अंतर को मान्यता प्रदान किए जाने से सामाजिक विघटन की स्थिति उत्पन्न हो जाएगी और समरसता पूर्ण समाज के निर्माण में रुकावट आएगी। 2. इस प्रकार के अंतरों का समायोजन करना राजनीतिक दृष्टि से चुनौतीपूर्ण होता है इसलिए अनेक राज्यों ने इन विविध पहचानों को राजनीतिक स्तर पर दबाया या नज़रअंदाज़ किया। 3. इसी कारण से सांस्कृतिक विविधता कठोर चुनौतियाँ प्रस्तुत कर सकती है। सांस्कृतिक पहचानें बहुत प्रबल होती हैं। 4. वे तीव्र भावावेशों को भड़का सकती हैं और अक्सर बड़ी संख्या में लोगों को एकजुट कर देती हैं। 5. कभी-कभी सांस्कृतिक अंतरों के साथ-साथ आर्थिक और सामाजिक असमानताएँ भी जुड़ जाती हैं और तब स्थिति और भी जटिल हो जाती है। (कोई दो बिंदु)		
10	भारतीय राष्ट्र-राज्य सामाजिक तथा सांस्कृतिक दृष्टि से विश्व के सर्वाधिक विविधतापूर्ण देशों में से एक है । दो कारण लिखिए । सांकेतिक मूल्य बिंदु : • भारतीय राष्ट्र राज्य में लोग भिन्न-भिन्न भाषाएँ और बोलियां बोलते हैं। • जहाँ तक धर्म का सवाल है यह क्षेत्रीय रूप से तरह-तरह के विश्वास और व्यवहारों तथा जातियों एवं भाषाओं की दृष्टि से बटे हुए है। • भारतीय राष्ट्र का संविधान स्पष्ट रूप से सभी समुदायों को मान्यता देता है जो इसमें शामिल हैं। कोई दो बिंदु	पूरक परीक्षा	2023
	6 अंक के प्रश्न		
1	नागरिक समाज ने कई महत्वपूर्ण पहल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है,जिनमें सबसे हालिया है सूचना के अधिकार के लिए अभियान। इसकी पहल और इसके परिणाम पर चर्चा कीजिए। सांकेतिक मूल्य बिंदु : • इसकी शुरुआत ग्रामीण राजस्थान में एक ऐसे आंदोलन के साथ हुई थी जो वहाँ गाँवों के विकास पर खर्च की गई सरकारी निधियों के बारे में सूचना देने के लिए चलाया गया था। आगे चलकर इस आंदोलन ने राष्ट्रव्यापी अभियान का रूप धारण कर लिया। • नौकरशाही के प्रतिरोध के बावजूद, सरकार को इस अभियान की सुनवाई करनी पड़ी और औपचारिक रूप से एक नया कानून बनाना पड़ा जिसके तहत नागरिकों के सूचना के अधिकार को मान्यता दी गई।	मुख्य परीक्षा	2025

	• सूचनाधिकार अधिनियम 2005 भारतीय संसद द्वारा अधिनियमित एक ऐसा क़ानून है जिसके तहत भारतीयों को सरकारी अभिलेखों तक पहुँचने का अधिकार दिया गया है। • कोई भी व्यक्ति किसी 'सार्वजनिक प्राधिकरण' से सूचना के लिए अनुरोध कर सकता है और उस प्राधिकरण से यह आशा की जाती है कि वह शीघ्रता से यानी तथा 30 दिन के भीतर उसे उत्तर देगा। • यह अधिनियम प्रत्येक सार्वजनिक प्राधिकरण से यह अपेक्षा करता है कि वह व्यापक प्रसार के लिए अपने अभिलेखों को कंप्यूटरबद्ध करे ,ताकि नागरिकों को सूचना के लिए औपचारिक रूप से अनुरोध कर ने की कम -से- कम आवश्यकता पड़े। • संसद द्वारा 15 जून 2005 को पारित किया गया तथा 13 अक्टूबर 2005 को लागू किया । • अधिनियम में निर्दिष्ट किया गया है कि नागरिकों अधिकारी को कोई भी सूचना मांगने , दस्तावेजों की प्रतियां लेने , दस्तावेजों, कार्यों और अभिलेखों का निरीक्षण करने ,कार्य की सामग्री के प्रमाणित नमूने लेने तथा प्रिंटआउट् डिस्केट, फ्लॉपी, टेप, वीडियो कैसेट या किसी अन्य इलेक्ट्रोनिक मोड के रूप में सूचना प्राप्त करने का अधिकार है ।		
2	'आत्मसात्करणवादी' और 'एकीकरणवादी' नीतियों के बीच का अंतर बताइए। प्रासंगिक उदाहरणों के साथ रणनीतियों पर चर्चा कीजिए। <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> • आत्मसात्करण को बढ़ावा देने वाली नीतियों का उद्देश्य सभी नागरिकों को एक समान सांस्कृतिक मूल्यों और मानकों को अपनाने के लिए राज़ी, प्रोत्साहित या मजबूर करना है। यह मूल्य तथा मानक आमतौर पर संपूर्ण रूप से या अधिकांशत :प्रभावशाली सामाजिक समूह के होते हैं। समाज में अन्य अप्रभावशाली अथवा अधीनस्थ बनाए गए समूहों से यह आशा अथवा अपेक्षा की जाती है कि वे अपने सांस्कृतिक मूल्यों को छोड़ दें और निर्धारित मूल्यों को अपना लें। • एकीकरण को बढ़ावा देने वाली नीतियाँ शैली की दृष्टि से तो अलग होती हैं, पर उनका सर्वोपरि उद्देश्य भिन्न नहीं होता, वे इस बात पर बल देती हैं कि सार्वजानिक संस्कृति को सामान्य राष्ट्रीय स्वरूप तक सीमित रखा जाए, जबकि सभी संस्कृतियों को निजी क्षेत्र के लिए 'राष्ट्रीय-गैर' माने 'राष्ट्रीय संस्कृति' छोड़ दिया जाए। इस मामले में भी प्रभावशाली समूहों की संस्कृति को जाने का खतरा रहता है। आत्मसात्करणवादी और एकीकरणवादी रणनीतियाँ विभिन्न अंत:क्षेपी उपायों द्वारा एकल राष्ट्रीय पहचान स्थापित करने की कोशिश करती हैं... जैसे: • संपूर्ण शक्ति को ऐसे मंचों में केंद्रित करना जहाँ प्रभावशाली समूह बहुसंख्यक हो और स्थानीय या अल्पसंख्यक समूहों की स्वायत्तता को मिटाना; • प्रभावशाली समूह की परंपराओं पर आधारित एक एकीकृत कानून एवं न्याय व्यवस्था को थोपना और अन्य समूहों द्वारा प्रयुक्त वैकल्पिक व्यवस्थाओं को खत्म कर देना; • प्रभावशाली समूह की भाषा को ही एकमात्र राजकीय के 'राष्ट्रभाषा' रूप में अपनाना और उसके प्रयोग को सभी सार्वजनिक संस्थाओं में अनिवार्य बना देना;	पूरक परीक्षा	2025

	• प्रभावशाली समूह की भाषा और संस्कृति को राष्ट्रीय संस्थाओं के जरिए, जिनमें राज्य नियंत्रित जनसंपर्क के माध्यम और शैक्षिक संस्थाएँ शामिल हैं, बढ़ावा देना; • प्रभावशाली समूह के इतिहास, शूरवीरों और संस्कृति को सम्मान प्रदान करने वाले राज्य प्रतीकों को अपनाना, राष्ट्रीय पर्व, छुट्टी या सड़कों आदि के नाम निर्धारित करते समय भी इन्हीं बातों का ध्यान रखना; • अल्पसंख्यक समूहों और देशज लोगों से ज़मीनें, जंगल एवं मत्स्य क्षेत्र छीनकर, उन्हें 'राष्ट्रीय' घोषित कर देना। (कोई चार)		
3	राष्ट्र एक अनूठे किस्म का समुदाय होता है जिसका वर्णन तो आसान है पर इसे परिभाषित करना कठिन है। ऐसा क्यों? <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> (i) अनेक विशिष्ट राष्ट्रों का स्थापना साझा – धर्म, भाषा, नृजातीयता, इतिहास अथवा क्षेत्रीय संस्कृति जैसी साझा सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और राजनीतिक संस्थाओं के आधार पर की गई है। (ii) लेकिन किसी ऐसे पारिभाषिक लक्षणों को निर्धारित करना अथवा उन विशेषताओं का पता लगाना कठिन है जो एक राष्ट्र में होनी ही चाहिए। (iii) प्रत्येक संभव कसौटी के लिए अनेक अपवाद और विरोधी उदाहरण पाए जाते हैं। (iv) उदाहरण के लिए ऐसे बहुत से राष्ट्र हैं जिनकी अपनी एक साझा या सामान्य भाषा, धर्म, नृजातीयता आदि नहीं है। (v) दूसरी ओर ऐसी अनेक भाषाएँ, धर्म और नृजातियाँ हैं जो कई राष्ट्रों में पाई जाती हैं। (vi) लेकिन इससे यह निष्कर्ष नहीं निकलता कि यह सभी मिलकर एक एकीकृत राष्ट्र का निर्माण करते हैं। उदाहरण के लिए, सभी अंग्रेजी भाषी लोग या सभी बौद्धधर्मावलंबी। (अन्य उपयुक्त उदाहरण)	मुख्य परीक्षा	2024
4	राज्य में नागरिक समाज की भूमिका पर चर्चा कीजिए । <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> (i) नागरिक समाज उस व्यापक कार्यक्षेत्र को कहते हैं जो परिवार के निजी क्षेत्र से परे होता है, लेकिन राज्य और बाज़ार दोनों क्षेत्र से बाहर होता है। (ii) नागरिक समाज सार्वजनिक अधिकार के गैर-राजकीय तथा गैर-बाज़ारी भाग होता है जिसमें अलग-अलग व्यक्ति संस्थाओं और संगठनों का निर्माण करने के लिए स्वेच्छा से परस्पर जुड़ जाते हैं। (iii) यह सक्रिय नागरिकता का क्षेत्र है यहाँ व्यक्ति मिलकर सामाजिक मुद्दों पर चर्चा करते हैं, राज्य को प्रभावित करने की कोशिश करते हैं अथवा उसके समक्ष अपनी माँग रखते हैं। (iv) इसमें राजनीतिक दल, जनसंचार की संस्थाएँ, मज़दूर संघ, गैर-सरकारी संगठन, धार्मिक संगठन शामिल होते हैं। (v) नागरिक समाज में शामिल होने की मुख्य कसौटियाँ यह है कि संगठन राज्य नियंत्रित नहीं होना चाहिए और यह विशुद्ध रूप से वाणिज्यिक मुनाफ़ा कमाने वाले तत्व ना हों। (vi) विविध प्रकार के मुद्दों को उठाया गया जिसमें भूमि संबंधी अधिकारों के लिए जनजातीय संघर्ष , स्त्रियों के प्रति हिंसा और बलात्कार के विरुद्ध अभियान, बाँधों के निर्माण अथवा	पूरक परीक्षा	2024

	पटरी पर रहने वालों का पुनर्वास ,गंदी बस्तियाँ हटाने के विरुद्ध और आवासीय अधिकारों के लिए अभियान, प्राथमिक शिक्षा संबंधी सुधार, दलितों को भूमि का वितरण आदि शामिल हैं। (vii) हाल में उठाए गए उल्लेखनीय कदमों में सूचना के अधिकार के लिए चलाए गए अभियान को सबसे अधिक महत्वपूर्ण कहा जा सकता है। (कोई छह)		
5	"नागरिक समाज में शामिल होने की मुख्य कसौटियाँ यह हैं कि संगठन राज्य नियंत्रित नहीं होना चाहिए और विशुद्ध रूप से वाणिज्यिक मुनाफ़ा कमाने वाले तत्व न हो।" दिए गए कथन की विस्तार से चर्चा कीजिए। <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> 1. नागरिक समाज उस व्यापक कार्यक्षेत्र को कहते हैं जो परिवार के निजी क्षेत्र से परे होता है, लेकिन राज्य और बाज़ार दोनों क्षेत्र से बाहर होता है। 2. नागरिक समाज सार्वजनिक अधिकार का गैर-राजनीतिक तथा गैर-बाज़ारी भाग होता है जिसमें अलग-अलग व्यक्ति संस्थाओं और संगठनों का निर्माण करने के लिए स्वेच्छा से परस्पर जुड़ जाते हैं। 3. इस क्षेत्र में नागरिकों के समूहों द्वारा बनाए गए स्वैच्छिक संघ,संगठन या संस्थाएँ शामिल होते हैं । 4. इसमें राजनीतिक दल, जनतांत्रिक की संस्थाएँ, मज़दूर संघ, गैर-सरकारी संगठन, धार्मिक संगठन और अन्य प्रकार के सामाजिक तत्व भी शामिल होते हैं। 5. नागरिक समाज में शामिल होने की मुख्य कसौटियाँ यह हैं कि संगठन राज्य नियंत्रित नहीं होना चाहिए और यह विशुद्ध रूप से वाणिज्यिक मुनाफ़ा कमाने वाले तत्व न हो। 6. आज नागरिक समाज के संगठनों की क्रियाकलाप अब भी व्यापक रूप ले चुके हैं जिनमें राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय अभिकरणों के साथ पक्ष समर्थन तथा प्रचार संबंधी गतिविधियाँ चलाने के साथ-साथ विभिन्न आंदोलनों में सक्रियतापूर्वक भाग लेना शामिल हैं। 7. नागरिक स्वतंत्र संगठन राज्य के कामकाज पर नज़र रखने और उससे कानून का पालन करवाने की दिशा में विशेष रूप से महत्वपूर्ण रहे हैं। (कोई छह बिंदु)	मुख्य परीक्षा	2023
6	एक सत्तावादी राज्य के साथ नागरिक समाज की तुलना कीजिए । <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> • नागरिक समाज उस व्यापक कार्य क्षेत्र को कहते हैं जो परिवार के निजी क्षेत्र से परे होता है, लेकिन राज्य और बाज़ार दोनों से बाहर होता है। • नागरिक समाज सार्वजनिक अधिकारों का गैर-राजकीय तथा गैर-बाज़ारी भाग होता है जिसमें अलग-अलग व्यक्ति संस्थाओं और संगठनों का निर्माण करने के लिए स्वेच्छा से परस्पर जुड़ जाते हैं। • यह सक्रिय नागरिकता का क्षेत्र है जहाँ व्यक्ति मिलकर सामाजिक मुद्दों पर चर्चा करते हैं, राज्य को प्रभावित करने की कोशिश करते हैं अथवा उसके समक्ष अपनी माँग रखते हैं, अपने सामूहिक हितों को पूरा करने का प्रयास करते हैं या विभिन्न वर्गों के लिए समर्थन चाहते हैं।	पूरक परीक्षा	2023

	• इस क्षेत्र में नागरिकों के समूहों द्वारा बनाए गए स्वैच्छिक संघ, संगठन या संस्थाएँ शामिल होते हैं। इसमें राजनीतिक दल, जनसंचार की संस्थाएँ, मज़दूर संघ, गैर-सरकारी संगठन, धार्मिक संगठन और अन्य प्रकार के सामूहिक तत्व भी शामिल होते हैं। • नागरिक समाज में शामिल होने की मुख्य कसौटियाँ यह हैं कि संगठन राज्य निर्भरित नहीं होना चाहिए और यह विशेष रूप से वाणिज्यिक मुनाफ़ा कमाने वाले तत्व न हों। कोई तीन • एक सत्तावादी राज्य लोकतांत्रिक राज्य का विपरीत होता है। • एक सत्तावादी राज्य में लोगों की आवाज़ नहीं सुनी जाती और जिनके पास शक्ति होती है वे किसी के प्रति उत्तरदायी नहीं होते। • सत्तावादी राज्य अक्सर भाषण की स्वतंत्रता, प्रेस की स्वतंत्रता, राजनीतिक क्रियाकलाप की स्वतंत्रता, सत्ता के दुरुपयोग से संरक्षण का अधिकार, विधि (कानून) की अपेक्षित प्रक्रियाओं का अधिकार जैसी अनेक प्रकार की नागरिक स्वतंत्रताओं को अक्सर सीमित या समाप्त कर देते हैं। • सत्तावाद के अलावा, इस बात की सम्भावना भी रहती है कि राज्य की संस्थाएँ भ्रष्टाचार, अकुशलता अथवा संसाधनों की कमी के कारण , लोगों की जरूरतों के बारे में सुनवाई करने के लिए अक्षम अथवा अनिच्छुक हो जाएँ। कोई तीन		

पुस्तक 2 भारत में सामाजिक परिवर्तन एवं विकास

अध्याय 1 - संरचनात्मक परिवर्तन

	1 अंक के प्रश्न	मुख्य परीक्षा / पूरक परीक्षा	वर्ष
1.	अभिकथन (A): औपनिवेशिक देशों में चलाए गए नियम कानून अलग हो सकते हैं और यह ज़रूरी नहीं है कि ब्रिटिश उन प्रजातांत्रिक नियमों का निर्वाह औपनिवेशिक देशों में भी करें जो ब्रिटेन में लागू होते थे। कारण (R): औपनिवेशिक प्रशासक यह मानकर चलते थे कि बागान वालों को फ़ायदा पहुँचाने के लिए मज़दूरों पर कड़े से कड़ा बल प्रयोग किया जाए। (A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है।	मुख्य परीक्षा	2025

	(B) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है। (C) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) ग़लत है। (D) अभिकथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है। उपयुक्त विकल्प (A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है।		
2	जहाँ नगरीकरण की प्रक्रिया बहुत तेज़ गति से चल रही है, इसके अंतर्गत सबसे विराट शहर (मेट्रोपोलिस) ही सबसे अधिक तेज़ी से फैलते जा रहे हैं। नगरीकरण से सम्बंधित निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य नहीं है? (A) ये महानगर ग्रामीण क्षेत्रों एवं साथ ही साथ छोटे कस्बों के प्रवासियों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। (B) भारत में अपेक्षाकृत बड़े शहरों की जनसंख्या इतनी तेज़ी से नहीं बढ़ रही है। (C) नगरीय आधारभूत सुविधाएँ उतनी तेज़ी से शायद बढ़ सकें । (D) इन शहरों पर जनसंचार के माध्यमों का ध्यान प्रमुख रूप से अधिक केन्द्रित रहने से भारत का सार्वजनिक चेहरा, ग्रामीण की बजाय अधिकाधिक नगरीय होता जा रहा है। उपयुक्त विकल्प (B) भारत में अपेक्षाकृत बड़े शहरों की जनसंख्या इतनी तेज़ी से नहीं बढ़ रही है।	मुख्य परीक्षा	2025
3.	अभिकथन (A): भारतीय राष्ट्रवादियों ने अनुमान लगाया कि तीव्र और वृहद औद्योगीकरण के द्वारा आर्थिक स्थिति में आवश्यक सुधार किए जा सकते हैं जिनसे विकास और सामाजिक न्याय हो पाएगा। कारण (R): आधुनिक विचारों के द्वारा लोगों ने अनुभव किया कि गरीबी को दूर किया जा सकता है। (A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है। (B) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है। (C) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) ग़लत है। (D) अभिकथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है। उपयुक्त विकल्प (A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है।	पूरक परीक्षा	2025
4	अभिकथन (A) : पूँजीवाद को प्रारंभ से ही इसकी गतिशीलता, वृद्धि की संभावनाएँ, प्रसार, नवीनीकरण, तथा तकनीक और श्रम के बेहतर उपयोग के लिए जाना गया । कारण (R) : पूँजीवाद ऐसी आर्थिक व्यवस्था है जिसमें बाज़ार व्यवस्था में ज़्यादा से ज़्यादा लाभ कमाने पर ज़ोर दिया जाता है ।	मुख्य परीक्षा	2024

	(A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है। (B) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है। (C) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) ग़लत है। (D) अभिकथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है। उपयुक्त विकल्प (A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है।		
5	अभिकथन (A) :भारतीय राज्यों पर ब्रिटिश अधिकार के बाद तंजौर, ढाका और मुर्शीदाबाद की राजसभाओं का विघटन हो गया। कारण (R) :ब्रिटिश औद्योगीकरण का एक उल्टा असर यानी कि भारत के कुछ क्षेत्रों में औद्योगिक क्षरण (डीइंडस्ट्रीयलाइजेशन) हुआ। भारत में कुछ पुराने, परम्परागत नगरीय केन्द्रों का भी पतन हो गया। (A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है। (B) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है। (C) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) ग़लत है। (D) अभिकथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है। उपयुक्त विकल्प (A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है।	पूरक परीक्षा	2024
6	दक्षिण एशियाई औपनिवेशिक नगर के एक प्रारूप के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा सही है? (a) मनोरंजन सुविधाएँ उपलब्ध नहीं थीं (b) अनियोजित सड़कें (c) दक्षिण एशियाई औपनिवेशिक शहर के यूरोपीय नगरों में नागरिक सुविधाएँ उपलब्ध थीं (d) अविस्तीर्ण बंगले उपयुक्त विकल्प (c) दक्षिण एशियाई औपनिवेशिक शहर के यूरोपीय नगरों में नागरिक सुविधाएँ उपलब्ध थीं	मुख्य परीक्षा	2023
7	अभिकथन (A) : औपनिवेशिक काल के नगरीकरण में देश के उद्योगों में समृद्धि देखने को मिली । कारण (R) : नए औपनिवेशिक शहरों का उद्भव और विकास हुआ । (A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है।	मुख्य परीक्षा	2023

	(B) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है। (C) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) ग़लत है। (D) अभिकथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है। उपयुक्त विकल्प (D) अभिकथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है।		
8	21वीं शताब्दी में भारत की नगरीकरण की प्रक्रिया की दर अत्यंत तीव्र होती नज़र आती है । भारत सरकार की ___________ की महत्वाकांक्षी योजना इस गति को तीव्र करने में महत्वपूर्ण योगदान देगी । (a) स्मार्ट सिटी (b) ग्राम उदय से भारत उदय (c) स्टैंड अप इंडिया (d) स्टार्ट अप इंडिया उपयुक्त विकल्प (a) स्मार्ट सिटी	पूरक परीक्षा	2023
	4 अंक के प्रश्न		
1	"ब्रिटिश औद्योगीकरण का एक उल्टा असर यह हुआ कि भारत के कुछ क्षेत्रों में औद्योगिक क्षरण हुआ।" उपयुक्त कथन के आधार पर उन प्रभावों की पहचान कीजिए। <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> • जिस तरह ब्रिटेन में उत्पादन व निर्माण में बढ़ाव आया, उसके विपरीत भारत में गिरावट आई। परंपरागत ढंग से होने वाले रेशम और कपास का उत्पादन और निर्यात "मेनचेस्टर प्रतियोगिता" में गिरता चला गया। • भारत के प्राचीन नगर, जैसे सूरतः और मसुलीपट्नम जहाँ से व्यापार हुआ करता था, का अस्तित्व कमज़ोर होने लगा जबकि आधुनिक नगर जैसे बंबई और मद्रास जो उपनिवेशवादी शासन में प्रचलित हुए, मजबूत होते गए। • भारतीय राज्यों पर ब्रिटिश अधिकार के बाद तंजौर, ढाका, और मुर्शिदाबाद की राजसभाओं का विघटन हो गया फलतः इन राजसभाओं के संरक्षण में कार्यरत कारीगर, कलाकार और कुलीन लोगों का भी पतन हुआ। • 19 वीं सदी के अंत से भारत के कुछ आधुनिक नए शहरों में जहाँ यांत्रिक उद्योग लगाए गए थे, लोगों की जनसंख्या बढ़ने लगी। • ब्रिटेन में औद्योगीकरण के प्रभाव से ज्यादातर लोग नगरों में आए लेकिन इसके विपरीत भारत में ब्रिटिश औद्योगीकरण के प्रारंभिक समय में ज़्यादातर लोगों को कृषि की ओर जाना पड़ा। (कोई चार)	मुख्य परीक्षा	2025
2	"भारत में सस्ते यूरोपीय कपड़ों के थान और बर्तनों का अबाध और तीव्र गति से आयात और पश्चिमी रूपरेखा वाले उद्योगों के भारत में ही लग जाने के बाद भारत के ग्रामीण उद्योगों का लगभग सफ़ाया ही हो गया।" ब्रिटिश औद्योगीकरण ने भारत के कुछ क्षेत्रों में औद्योगिक क्षरण (डीइंडस्ट्रियलाइजेशन) को कैसे जन्म दिया ?	पूरक परीक्षा	2025

	<u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> • भारत में कुछ पुराने, परंपरागत नगरीय केंद्रों का भी पतन हो गया। • जिस तरह ब्रिटेन में उत्पादन व निर्माण में चढ़ाव आया, उसके विपरीत भारत में गिरावट आई। परंपरागत ढंग से होने वाले रेशम और कपास का उत्पादन और निर्यात 'मैनचेस्टर प्रतियोगिता' में गिरता चला गया। • भारत के प्राचीन नगर, जैसे सूरत और मसुलीपट्टनम जहाँ से व्यापार हुआ करता था, का अस्तित्व कमजोर होने लगा जबकि आधुनिक नगर जैसे बम्बई और मद्रास जो उपनिवेशवादी शासन में प्रचलित हुए, मज़बूत होते गए । • भारतीय राज्यों पर ब्रिटिश अधिकार के बाद तंजौर, ढाका, और मुर्शीदाबाद की राजसभाओं का विघटन हो गया। फलतः इन राजसभाओं के संरक्षण में कार्यरत कारीगर, कलाकार और कुलीन लोगों का भी पतन हुआ। • ब्रिटेन में औद्योगीकरण के प्रभाव से ज़्यादातर लोग नगरों में आए लेकिन इसके विपरीत भारत में ब्रिटिश औद्योगीकरण के प्रारंभिक समय में ज़्यादातर लोगों को कृषि की ओर जाना पड़ा। (कोई चार)		
3	आजादी के बाद भारत में नगरीकरण की प्रक्रिया का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखने लगा था। नगरीकरण अनेक प्रकारों से हो रहा था। इस पर विचार व्यक्त करते हुए समाजशास्त्री एम. एस. ए. राव ने लिखा है कि भारत के कई गाँव भी तेज़ी से बढ़ रहे नगरीय प्रभाव में आ रहे थे। एम. एस. ए. राव द्वारा दी गई शहरी प्रभाव की अलग-अलग स्थितियों की व्याख्या कीजिए। <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> • सबसे पहले वे गाँव आते हैं जहाँ से अच्छी खासी संख्या में लोग दूरदराज के शहरों में रोज़गार ढूँढ़ने के लिए जाते हैं। वे उन शहरों में रहते हैं लेकिन उनके परिवार के सदस्य गाँवों में ही रहते हैं। • दूसरे प्रकार का शहरी प्रभाव उन गाँवों में देखा जाता है जो औद्योगिक शहरों के निकट स्थित हैं। • जब एक भिलाई जैसा औद्योगिक शहर उभरता है तो उसके आसपास के कुछ गाँवों की पूरी ज़मीन उस शहर का हिस्सा बन जाती है, जबकि कुछ गाँवों की आंशिक भूमि अधिग्रहित की जाती है। ऐसे शहरों में प्रवासी कामगार आते ही रहते हैं जिससे गाँवों में मकानों की माँग बढ़ जाती है और बाज़ार का विस्तार होता है। साथ ही साथ स्थानीय निवासियों और अप्रवासियों के बीच के संबंधों को संतुलित करने की समस्या भी उत्पन्न होती है।	पूरक परीक्षा	2025

	• महानगरों का उद्भव और विकास तीसरे प्रकार का शहरी प्रभाव है जिससे निकटवर्ती गाँव प्रभावित होते हैं। नगरों के विस्तार में कुछ सीमावर्ती गाँव पूरी तरह से नगर के प्रसार में विलीन हो जाते हैं, जबकि वे क्षेत्र जहाँ लोग नहीं रहते, नगरीय विकास के लिए प्रयोग में लाए जाते हैं।		
4	**ब्रिटिश उपनिवेशवाद अब भी हमारे जीवन का एक जटिल हिस्सा है। कैसे ?** **<u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u>** (i) हमारे देश में स्थापित संसदीय, विधि एवं शिक्षा व्यवस्था ब्रिटिश प्रारूप व प्रतिमानों पर आधारित है। (ii) यहाँ तक कि हमारा सड़कों पर बाएँ चलना भी ब्रिटिश अनुकरण है। (iii) सड़क के किनारे रेहड़ी व गाड़ियों पर हमें 'ब्रेड-ऑमलेट' और 'कटलेट' जैसी खाने की चीजें आमतौर पर मिलती हैं। (iv) एक प्रसिद्ध बिस्कुट निर्माता कंपनी का नाम भी 'ब्रिटेन' से संबद्ध है। (v) अनेक स्कूलों में 'नेक-टाई' पोशाक का एक अनिवार्य हिस्सा होता है। (कोई चार) (कोई अन्य उपयुक्त बिंदु)	मुख्य परीक्षा	2024
5	**चार उदाहरणों की सहायता से बताइए कि भारत में अंग्रेज़ी भाषा का प्रभाव किस प्रकार बहुआयामी और विरोधात्मक रहा है ?** **<u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u>** (i) उपयोग में आनेवाली अंग्रेजी मात्र भाषा नहीं है बल्कि हम पाते हैं कि बहुत से भारतीयों ने अंग्रेजी भाषा में उत्कृष्ट साहित्यिक रचनाएँ भी की हैं। (ii) अंग्रेजी के ज्ञान के कारण भारत को भूमंडलीकृत अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में एक विशेष स्थान प्राप्त है। (iii) अंग्रेजी आज भी विशेषाधिकारों की द्योतक है। (iv) जिसे अंग्रेजी का ज्ञान नहीं होता है उसे रोज़गार के क्षेत्र में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। (v) अंग्रेजी भाषा का ज्ञान अनेक वंचित समूहों के लिए लाभकारी सिद्ध हुआ है। अंग्रेजी के ज्ञान से अब दलितों के लिए भी अवसरों के द्वार खुल गए हैं। (कोई चार)	मुख्य परीक्षा	2024
6	**व्यवस्थित शासन के लिए उपनिवेशवाद ने विभिन्न क्षेत्रों में भारी परिवर्तन की शुरुआत की । किन्हीं दो क्षेत्रों में परिवर्तनों का नामोल्लेख करते हुए उनकी व्याख्या कीजिए ।** **<u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u>**	पूरक परीक्षा	2024

	कानूनी क्षेत्र (i) ब्रितानी उपनिवेशवाद ने केवल भूमि स्वामित्व के नियमों को ही नहीं बदला अपितु यह भी निर्धारित किया कि कौन सी फसल उगाई जाए और कौन सी नहीं। (ii) इसने उत्पादन क्षेत्र को भी नहीं छोड़ा। वस्तुओं के उत्पादन की प्रणाली और उनके वितरण के तरीकों को भी बदल दिया। (iii) यहाँ तक कि ब्रिटिश उपनिवेशवाद ने ब्रिटिश पूंजीवाद के प्रसार के लिए जंगलों को भी नहीं छोड़ा। उन्होंने पेड़ों की कटाई और बागानों में चाय की खेती की शुरुआत कराई। सांस्कृतिक क्षेत्र- (i) पश्चिमी शिक्षा पद्धति को भारत में इस उद्देश्य से लाया गया कि उससे भारतीयों का एक ऐसा वर्ग तैयार हो जो ब्रिटिश उपनिवेशवाद को बनाए रखने में सहयोगी हो। वास्तुशिल्प क्षेत्र - (i) औपनिवेशिक शहरों का उद्भव और विकास हुआ, जैसे बंबई, कलकत्ता और मद्रास उपयुक्त माने गए थे। (ii) कोलकाता (उन दिनों का कलकत्ता) ऐसा पहला नगर था। हुगली नदी के किनारे ही सन् 1698 में फोर्टविलियम की स्थापना रक्षा और सैन्य बल को गठित करने के उद्देश्य से हुई। (iii) दक्षिण एशिया के औपनिवेशिक नगर के मॉडल में परिवर्तन हुआ-विशाल बंगले, सुसज्जित मकान, मिलने-जुलने लिए क्लब, अतिरिक्त। (कोई दो)		
7	नगरीकरण और औद्योगीकरण जुड़ी हुई प्रक्रियाएँ हैं । समझाइए । <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> (i). औद्योगीकरण का संबंध यांत्रिक उत्पादन के उदय से है जो शक्ति के गैरमानवीय संसाधन जैसे वाष्प या विद्युत पर निर्भर होता है। (ii). नगरीकरण-लोगों के रहने की जगह के रूप में शहरों ने गांव की जगह ले ली। (iii). औद्योगिक समाजों में ज़्यादा से ज़्यादा रोज़गारवृवत्ति में लगे लोग कारखानों, ऑफिसों और दुकानों में कार्य करते हैं। (iv). ब्रिटिश औद्योगीकरण का एक उल्टा असर यानी कि भारत के कुछ क्षेत्रों में औद्योगिक क्षरण (डीइंडस्ट्रीयलाइजेशन) हुआ। (v). परम्परात्मक नगरीय केंद्रों सूरत और मसूलीपट्नम, ढाका, और मुर्शिदाबाद का भी पतन हो गया । (vi). समुद्र तटीय नगर जैसे बंबई, कलकत्ता और मद्रास उपयुक्त माने गए थे। क्योंकि इन जगहों से उपभोग की आवश्यक वस्तुओं का निर्यात आसानी से किया जा सकता था। जैसे कोलकाता से जूट (पटसन) का निर्यात होता था जबकि चेन्नई से कहवा, चीनी, नील और कपास ब्रिटेन को निर्यात किया जाता था । (vii). पश्चिम में 90 प्रतिशत से ज़्यादा लोग कस्बों और शहरों में रहते हैं क्योंकि वहीं पर रोज़गार व व्यवसाय के अवसर अधिक होते हैं । अतः हम नगरीकरण को औद्योगीकरण से जोड़कर देखते हैं। (कोई चार बिंदु)	पूरक परीक्षा	2024

8	औपनिवेशिक प्रशासक चाय बागानों में किस प्रकार श्रमिकों का चयन और नियुक्ति करते थे ? <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> 1. औपनिवेशिक सरकार गलत तरीकों से मजदूरों की भर्ती करती थी और उनसे बलपूर्वक कार्य करवाया जाता था। 2. ब्रिटिश व्यवसायियों के लिए सरकारी बल का प्रयोग कर बागानों में मजदूरों से सस्ते में काम कराया जाता था। 3. औपनिवेशिक प्रशासक यह मानकर चलते थे कि बागान वालों को फायदा पहुंचाया जाए। 4. औपनिवेशिक प्रशासक पूरी तरह से अवगत थे की औपनिवेशिक देश में चलाए गए नियम कानून अलग हो सकते हैं और यह जरूरी है नहीं कि ब्रिटिश उन प्रजातांत्रिक नियमों का निर्वाह अपने देश में भी करें जो ब्रिटेन में लागू होते थे।	मुख्य परीक्षा	2023
9	चाय बागानों में बागानों के मालिक कैसे रहते थे ? <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> 1. उनकी जीवनशैली में भोग विलास की चमक भरपूर थी उनके विशाल बंगले मजबूत लकड़ी के पट्टों पर स्थित हुए थे और घिरे हुए थे ताकि जंगली जानवर वहां ना आ पाए राजसी बंगले के चारों ओर मखमली बाग थे जिनकी रौनक में रंग-बिरंगे फूलों की कतारें थी 2. गोरे साहब ने कितने ही स्थानीय लोगों को विशेष ट्रेनिंग देकर बेहतर सेवा देने लायक बना दिया था माली बावर्ची और घरेलू कामकाज करने वाले नौकरों की कैफियत देखते ही बनती थी 3. सारी जरूरत की चीजें साफ सफाई के पाउडर से लेकर परिष्कृत कांटे सेफ्टीपिन से लेकर चांदी के बरतन तक नॉटिंघम के किनारे वाले टेबल की ओर से लेकर नहाने के साबुन तक सबकुछ जहाज से आते थे 4. बड़े-बड़े नहाने के टब जो विशाल नहाने के कमरे में रखे जाते थे जिन्हें की हर दिन सवेरे भिश्ती बंगले के कुएं के पानी से भर देता था। वे-भी वास्तव में स्ट्रीमर से ही आते थे।	मुख्य परीक्षा	2023
10	चाय बागानों के उदाहरण का उपयोग करते हुए, दर्शाइए कि किस प्रकार ब्रिटिश नीतियों ने भारतीय मज़दूरों का शोषण किया । <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> • औपनिवेशिक प्रशासक यह मानकर चलते थे कि बागान वालों को फायदा पहुँचाने के लिए मज़दूरों पर कड़े से कड़ा बल प्रयोग किया जाए। वे इस तथ्य से पूर्णतः अवगत थे कि औपनिवेशिक देश में चलाए गए नियम कानून अलग हो सकते हैं और यह ज़रूरी नहीं है कि ब्रिटिश उन प्रजातांत्रिक नियमों का निर्वाह औपनिवेशिक देश में भी करें जो ब्रिटेन में लागू होते थे।	पूरक परीक्षा	2023

	• चाय के बागान निर्जन पहाड़ी क्षेत्रों में स्थित थे इसलिए बड़ी संख्या में श्रमिकों को दूसरे प्रांतों से लाया गया था। • लेकिन दूरदराज से हज़ारों मज़दूरों को लाकर ऐसी जगह पर रखने में जहाँ की आबोहवा स्वास्थ्य के प्रति कूल थी, • इलाज में अत्यधिक खर्चा होता था और इस खर्चे के लिए बागानों के मालिक और ठेकेदार सहमत नहीं थे। सही तरीके से मज़दूरों को लाना खर्चीला होता इसलिए ब्रिटिश व्यावसायिकों ने सरकारी ताकत का सहारा लिया। • ऐसे कानून बनाए गए कि गरीब मज़दूरों के पास कोई विकल्प नहीं बचा।		
11	एम.एस.ए. राव द्वारा दिए गए नगरीकरण के प्रकारों का वर्णन कीजिए । <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> नगरीय प्रकृति का प्रभाव गाँवों का शहर या नगर से कैसा संबंध है, पर निर्भर करता है। उन्होंने तीन भिन्न प्रकार के नगरीय प्रभावों की स्थिति की व्याख्या की है। • सबसे पहले वे गाँव आते हैं जहाँ से अच्छी खासी संख्या में लोग दूरदराज के शहरों में रोज़गार ढूँढ़ने के लिए जाते हैं। वे उन शहरों में रहते हैं लेकिन उनके परिवार के सदस्य गाँवों में ही रहते हैं। • दूसरे प्रकार का शहरी प्रभाव उन गाँवों में देखा जाता है जो औद्योगिक शहरों के निकट स्थित हैं। जब एक भिलाई जैसा औद्योगिक शहर उभरता है तो उसके आसपास के कुछ गाँवों की पूरी ज़मीन उस शहर का हिस्सा बन जाती है, जबकि कुछ गाँवों की आंशिक भूमि अधिग्रहित की जाती है। ऐसे शहरों में प्रवासी कामगार आते ही रहते हैं जिससे गाँवों में मकानों की माँग बढ़ जाती है और बाज़ार का विस्तार होता है। साथ ही साथ स्थानीय निवासियों और अप्रवासियों के बीच के संबंधों को संतुलित करने की समस्या भी उत्पन्न होती है। • महानगरों का उदभव और विकास तीसरे प्रकार का शहरी प्रभाव है जिससे निकटवर्ती गाँव प्रभावित होते हैं नगरों के विस्तार में कुछ सीमावर्ती गाँव पूरी तरह से नगर के प्रसार में विलीन हो जाते हैं जबकि वे क्षेत्र जहाँ लोग नहीं रहते नगरीय विकास के लिए प्रयोग कर लिए जाते हैं।	पूरक परीक्षा	2023

अध्याय 2 - सांस्कृतिक परिवर्तन

	1 अंक के प्रश्न	मुख्य परीक्षा / पूरक परीक्षा	वर्ष
1.	निम्नलिखित में से कौन-सा कथन पश्चिमीकरण के लिए सत्य है ? (A) यह भारतीय समाज और संस्कृति में लगभग 150 सालों के ब्रिटिश शासन के परिणामस्वरूप आए परिवर्तन हैं।	मुख्य परीक्षा	2025

	(B) पश्चिमीकरण में किसी संस्कृति-विशेष के बाहय तत्वों के अनुकरण की प्रवृत्ति नहीं होती है। (C) भारतीय कला और साहित्य पर पश्चिमी संस्कृति का प्रभाव नहीं पड़ा। (D) पश्चिमीकरण में भारतीय बुद्धिजीवियों की उप-संस्कृति शामिल नहीं थी। उपयुक्त विकल्प (A) यह भारतीय समाज और संस्कृति में लगभग 150 सालों के ब्रिटिश शासन के परिणामस्वरूप आए परिवर्तन हैं।		
2	निम्नलिखित कथनों को सही क्रम में लिखिए। (I) मुस्लिम समाज सुधारकों ने बहुविवाह और पर्दा प्रथा पर सक्रिय स्तर पर बहस की। (II) जहाँआरा शाह नवास ने अखिल भारतीय मुस्लिम महिला सम्मेलन में, बहुविवाह की कुप्रथा के विरुद्ध प्रस्ताव प्रस्तुत किया। (III) बहुविवाह के खिलाफ लाए गए प्रस्ताव से उर्दू भाषा के अखबारों, पत्रिकाओं आदि में एक बहस छिड़ गई। (IV) पंजाब से निकलने वाली महिलाओं की एक पत्रिका 'तहसिब-ए-निस्वान' ने खुल कर बहुविवाह-विरोधी इस प्रस्ताव का समर्थन किया, जबकि अन्य पत्रिकाओं ने इसका विरोध किया। विकल्प : (A) (II), (III), (I), (IV) (B) (I), (II), (III), (IV) (C) (II), (IV), (I), (III) (D) (IV), (III), (II), (I) उपयुक्त विकल्प (B) (I), (II), (III), (IV)	पूरक परीक्षा	2025
3.	संस्कृतिकरण के बहुआयामी प्रभाव हैं। इसका प्रभाव निम्नलिखित में से किसमें देखा जा सकता है ? (A) केवल भाषा (B) केवल साहित्य (C) केवल नाटक (D) भाषा, साहित्य, नाटक उपयुक्त विकल्प (D) भाषा, साहित्य, नाटक	मुख्य परीक्षा	2024
4	निम्नलिखित में से कौन-सी अवधारणा में किसी संस्कृति-विशेष के बाहय तत्वों के अनुकरण की प्रवृत्ति भी होती है ? परंतु आवश्यक नहीं कि वे प्रजातंत्र और सामाजिक समानता जैसे आधुनिक मूल्यों में भी विश्वास रखते हों। (A) आधुनिकीकरण (B) संस्कृतिकरण (C) पंथनिरपेक्षीकरण (D) पश्चिमीकरण उपयुक्त विकल्प (D) पश्चिमीकरण	पूरक परीक्षा	2024

5	अभिकथन (A) : प्रिंटिंग प्रेस, टेलिग्राफ, और उसके बाद में माइक्रोफोन का विस्तार एवं स्टीमशिप तथा रेल से लोगों व वस्तुओं के आवागमन ने नवीन विचारों को तीव्र गति प्रदान करने में सहायता प्रदान की। कारण (R) : नयी प्रौद्योगिकी ने संचार के विभिन्न स्वरूपों को गति प्रदान की। (A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है। (B) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है। (C) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) ग़लत है। (D) अभिकथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है। उपयुक्त विकल्प (A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है।	पूरक परीक्षा	2023
6	अभिकथन (A) : 20वीं शताब्दी में, अनेक भारतीय भाषाओं में संस्कृत शब्दों और वाक्यांशों को समाप्त करने का प्रयास किया गया । कारण (R) : 20वीं शताब्दी में ब्राह्मण-विरोधी आंदोलन में वृद्धि और क्षेत्रीय स्व-चेतना में विकास देखा गया । (A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है। (B) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है। (C) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) ग़लत है। (D) अभिकथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है। उपयुक्त विकल्प (A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है।	पूरक परीक्षा	2023
7	संस्कृतिकरण की प्रक्रिया में निम्नलिखित में से किस परिपाटी को नहीं अपनाया जाता है ? (a) शाकाहारी बन जाना (b) यज्ञोपवीत धारण करना (c) धार्मिक उत्सव मनाना (d) ढोल-नगाड़े बजाना उपयुक्त विकल्प (d) ढोल-नगाड़े बजाना	पूरक परीक्षा	2023
	4 अंक के प्रश्न		
1	पश्चिमीकरण में किसी संस्कृति-विशेष के बाहय तत्वों के अनुकरण की प्रवृत्ति भी होती है। पश्चिमीकरण की प्रक्रिया को दर्शाइए।	मुख्य परीक्षा	2025

	<u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> • एम. एन श्रीनिवास ने पश्चिमीकरण की परिभाषा देते हुए कहा कि यह भारतीय समाज और संस्कृति में, लगभग 150 सालों के ब्रिटिश शासन के परिणामस्वरूप आए परिवर्तन हैं, जिसमें विभिन्न पहलू आते हैं, जैसे- प्रौद्योगिकी, संस्था, विचारधारा, और मूल्य। • पश्चिमीकरण का मतलब उस पश्चिमी उपसांस्कृतिक प्रतिमान से है जिसे भारतीयों के उस छोटे समूह ने अपनाया जो पहली बार पश्चिमी संस्कृति के संपर्क में आए हैं। • भारतीय बुद्धिजीवियों की उपसंस्कृति भी शामिल थी। इन्होंने न केवल पश्चिमी प्रतिमान चिंतन के प्रकारों, स्वरूपों एवं जीवनशैली को स्वीकारा बल्कि इनका समर्थन एवं विस्तार भी किया। • ऐसे लोग कम ही थे जो पश्चिमी जीवन शैली को अपना चुके थे या जिन्होंने पश्चिमी दृष्टिकोण से सोचना शुरू कर दिया था। • पश्चिमी सांस्कृतिक तत्वों जैसे नए उपकरणों का प्रयोग, पोशाक, खाद्य-पदार्थ तथा आम लोगों की आदतों और तौर-तरीकों में परिवर्तन आदि थे। • पूरे देश में मध्य वर्ग के एक बड़े हिस्से के परिवारों में टेलीविजन, फ्रिज, सोफा सेट, खाने की मेज और उठने-बैठने के कमरे में कुर्सी आदि आम बात है। • वे प्रजातंत्र और सामाजिक समानता जैसे आधुनिक मूल्यों में भी विश्वास रखते हों। • जीवनशैली एवं चिंतन के अलावा भारतीय कला और साहित्य पर भी पश्चिमी संस्कृति का प्रभाव पड़ा। (कोई चार)		
2	विभिन्न प्रकार के समाज सुधारक आंदोलनों में कुछ विषयगत समानताएँ थीं। परंतु साथ ही अनेक महत्त्वपूर्ण असहमतियाँ भी थीं। चर्चा कीजिए। <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> • कुछ में उन सामाजिक मुद्दों के प्रति चिंता थी जो उच्च जातियों के मध्यवर्गीय महिलाओं और पुरुषों से संबंधित थी। • अन्य के लिए बहिष्कृत जातियों द्वारा सहा जाने वाला अन्याय केन्द्रीय प्रश्न था। • कुछ ने तो ये माना कि सारी समस्याओं का मूल कारण सच्चे हिंदुत्व के सच्चे विचारों का कमज़ोर होना था। • कुछ के लिए तो धर्म में जाति एवं लैंगिक शोषण अंतर्निहित था। • मुस्लिम समाज सुधारकों ने बहुविवाह और पर्दा प्रथा पर सक्रिय स्तर पर बहस की। (कोई चार), (कोई अन्य उपयुक्त बिंदु)	मुख्य परीक्षा	2025

3	"अनुष्ठानों में धर्मानरपेक्ष लक्ष्यों से अलग धर्मानरपेक्ष आयाम भी होते हैं।" स्पष्ट कीजिए। सांकेतिक मूल्य बिंदु : • वस्तुतः अनुष्ठानों के पंथनिरपेक्ष आयाम पंथनिरपेक्षता के लक्ष्यों से पृथक होते हैं। इनसे पुरुषों और महिलाओं को अवसर मिलता है कि वो अपनी मित्रों से और अपनी उम्र से बड़े लोगों से भी घुलें मिलें। • कुछ अवसर पर अपनी संपत्ति, कपड़े और जेवर पहनकर उनका प्रदर्शन करते हैं। • पिछले कुछ दशकों से अनुष्ठानों के आर्थिक, राजनीतिक और प्रतिष्ठा आयामी पक्ष ज़्यादा उभर कर सामने आए हैं। दिखावे की प्रवृत्ति को इस बात से समझा जा सकता है कि शादी-ब्याह के अवसर पर घर के बाहर लगी मोटरकार की कतार और अति महत्त्वपूर्ण व्यक्ति (वी.आई.पी.) के मेहमान बनकर आने को उस परिवार की समृद्धि व विशेषता समझा जाता है। • स्थानीय समुदाय में ऐसे परिवारों को ऊँची नज़र से देखा जाता है।	पूरक परीक्षा	2025
4	'संस्कृतिकरण' शब्द की उत्पत्ति किस समाजशास्त्री द्वारा की गई ? संस्कृतीकरण व गैर-संस्कृतिकरण में अंतर बताइए । सांकेतिक मूल्य बिंदु : (i) एम.एन. श्रीनिवास (ii) संस्कृतीकरण का अभिप्राय उस प्रक्रिया से है जिसमें निम्न जाति या जनजाति या अन्य समूह उच्चजातियों विशेषकर, द्विज जाति की जीवन पद्धति, अनुष्ठान, मूल्य, आदर्श, विचारधाराओ का अनुकरण करते हैं। विसंस्कृतीकरण - जहाँ गैर संस्कृतीकरण जातियाँ प्रभुत्वशाली थीं, वहाँ की संस्कृति को इन जातियों ने प्रभावित किया। कई सदियों तक 19वीं शताब्दी के तीन चौथाई भाग तक पारसियों को प्रभुत्वशाली माना जाता था ।	मुख्य परीक्षा	2024
5	संस्कृतिकरण की अवधारणा का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। सांकेतिक मूल्य बिंदु : (i). सर्वप्रथम, इस अवधारणा की आलोचना में यह कहा जाता है कि इसमें सामाजिक गतिशीलता निम्न जाति का सामाजिक स्तरीकरण में उर्ध्वगामी परिवर्तन करती है, को बढ़ा-चढ़ाकर बताया गया है। (ii). आलोचनात्मक पक्ष यह है कि इस अवधारणा की विचारधारा में उच्चजाति की जीवनशैली उच्च एवं निम्न जाति के लोगों की जीवनशैली निम्न है (iii). तीसरी आलोचना यह है कि संस्कृतीकरण की अवधारणा एक ऐसे प्रारूप को सही ठहराती है जो दरअसल असमानता और अपवर्जन पर आधारित है (iv). चौथी आलोचना में यह कहा जाता है कि उच्च जाति के अनुष्ठानो, रिवाजों और व्यवहार	पूरक परीक्षा	2024

	को संस्कृतीकरण के कारण स्वीकृति मिलने से लड़कियों और महिलाओ को असमानता की सीढ़ी में सबसे नीचे धकेल दिया जाता है। इससे कन्यामलूय के स्थान पर दहेज प्रथा और अन्य समूहों के साथ जातिगत भेदभाव इत्यादि बढ़ गए हैं। (v). पाँचवीं दलित संस्कति एवं दलित समाज के मूलभूत पक्षों को भी पिछड़ापन मान लिया जाता है। (कोई चार)		
6	संस्कृतिकरण की अवधारणा एक ऐसे प्रारूप को सही ठहराती है जो दरअसल असमानता और अपवर्जन पर आधारित है। इस प्रारूप की व्याख्या कीजिए। <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> 1. संस्कृतिकरण की अवधारणा एक ऐसे प्रारूप को सही ठहराती हैं जो दरअसल असमानता और अपवर्जन पर आधारित है इससे संकेत मिलता है कि पवित्रता और अपवित्रता के जातिगत पक्षों को उपयुक्त माना जाए 2. इसलिए यह लगता है कि उच्च जाति द्वारा निम्न जाति के प्रति भेदभाव एक प्रकार का विशेषाधिकार है 2. इससे पता चलता है कि कैसे भेदभाव उत्पन्न करने वाले विचार जीवन का अहम हिस्सा बन गए | समानता वाले समाज की आकांक्षा की बजाय वर्जित समाज एवं भेदभाव को अपने अपने तरीके से अर्थ देकर बहिष्कृत पदों को स्थापित किया गया । 2. अपने से नीचे वाले को भेदभाव के नजरिए से देखना चाहते हैं इससे समाज में गहराई तक विद्यमान लोकतंत्र विरोधी सोच का पता चलता है। 3. संस्कृतिकरण के कारण स्वीकृति मिलने से लड़कियों और महिलाओं को असमानता की सीढ़ी में सबसे नीचे धकेल दिया जाता है 2. दलित संस्कृति एवं दलित समाज के मूलभूत पक्षों को भी पिछड़ापन मान लिया जाता है। 2. उदाहरण के लिए निम्न जाति के लोगों द्वारा किए गए श्रम को भी निम्न एवं श्रम दायक माना जाता है। (कोई चार बिंदु)	मुख्य परीक्षा	2023
7	(ख) रुडोल्फ और रूडोल्फ द्वारा दी गई आधुनिकता की परिघटना को समझाइए । <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> 1. आधुनिकता का मतलब यह समझ में आता है कि इसके समक्ष सीमित संघ की स्थानीय दृष्टिकोण कमजोर पड़ जाते हैं और सार्वभौमिक प्रतिबद्धता और विश्वजनीन दृष्टिकोण |	मुख्य परीक्षा	2023

	2. इसमें उपयोगिता और विज्ञान के संकेत धार्मिक पवित्रता और वैज्ञानिक तत्वों के स्थान पर महत्व दिया जाता है। 3. इसके प्रभाव में सामाजिक तथा राजनीतिक स्तर पर व्यक्ति को प्राथमिकता दी जाती है ना कि समूह को । 4. ऐसे समूह संगठन में रहते और काम करते हैं जिसका चयन जन्म के आधार पर नहीं बल्कि इच्छा के आधार पर होता है। 5. इसमें भाग्यवादी प्रवृत्ति के ऊपर ज्ञान तथा नियंत्रण क्षमता को प्राथमिकता दी जाती है और यहां मनुष्य को उसके भौतिक तथा मानवीय पर्यावरण से जोड़ता है। 6. अपनी पहचान को चुनकर अर्जित किया जाता है न की जन्म के आधार पर । 7. इसका मतलब यह भी है कि कार्य को परिवार, ग्रह और समुदाय से अलग कर नौकरशाही संगठन में शामिल किया जाता है। (कोई चार बिंदु)		
8	हम किस प्रकार कह सकते हैं कि विभिन्न प्रकार के समाज सुधारक आंदोलनों में कुछ विषयगत समानताएं थी परंतु साथ ही महत्वपूर्ण असमानताएं भी थी। <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> • कुछ में उन सामाजिक मुद्दों के प्रति चिंता थी जो उच्च जातियों के मध्यवर्गीय महिलाओं और परुषों से संबंधित थी। • कुछ के लिए तो धर्म में जाति एवं लैंगिक शोषण अंतर्निहित था। • जबकि कुछ ने तो ये माना कि सारी समस्याओं का मूल कारण सच्चे हिंदुत्व के सच्चे विचारों का कमज़ोर होना था। • मुस्लिम समाज सुधारकों ने बहुविवाह और पर्दा प्रथा पर सक्रिय स्तर पर बहस की। • ब्रहम समाज ने सती प्रथा का विरोध किया। • बंगाल में हिंदू समाज के रूढ़िवादियों ने धर्म सभा का गठन किया कोई चार	पूरक परीक्षा	2023
9	पश्चिम के साथ हमारे औपनिवेशिक संघर्ष के परिणामस्वरूप सांस्कृतिक परिवर्तन को उदाहरण की सहायता से व्याख्या कीजिए। <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u>	पूरक परीक्षा	2023

	• भारतीय समाज और संस्कृति में, ब्रिटिश शासन के परिणाम स्वरूप आए परिवर्तन हैं, जिसमें विभिन्न पहलू आते हैं, जैसे- प्रौद्योगिकी, संस्था, विचारधारा, और मूल्य । • पूरे देश में मध्य वर्ग के एक बड़े हिस्से के परिवारों में टेलीविजन, फ्रिज, सोफा सेट, खाने की मेज और उठने-बैठने के कमरे में कुर्सी आदि आम बात है। • जीवनशैली एवं चिंतन के अलावा भारतीय कला और साहित्य पर भी पश्चिमी संस्कृति का प्रभाव पड़ा । • अनेक कलाकार जैसे रवि वर्मा, अबनिंद्रनाथ टैगोर, चंदू मेनन, और बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय सभी औपनिवेशिक स्थितियों के साथ अनेक प्रकार की प्रतिक्रियाएँ कर रहे थे। • रवि वर्मा जैसे कलाकार की शैली, प्रविधि और कलात्मक विषय को पश्चिमी संस्कृति तथा देशज परंपराओं ने निर्मित किया। कोई चार		

अध्याय 4 - ग्रामीण समाज में विकास एवं परिवर्तन

	1 अंक के प्रश्न	मुख्य परीक्षा / पूरक परीक्षा	वर्ष
1	अभिकथन (A) : अकसर यह सोचा जाता है कि कृषि की 'वैज्ञानिक' पद्धति की जानकारी देने से भारतीय कृषकों की दशा में सुधार होगा। कारण (R) : भारतीय कृषक सदियों से, हरित क्रांति के प्रारंभ से कहीं पहले से, कृषि कार्य करते आ रहे हैं। (A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है। (B) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है। (C) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) ग़लत है। (D) अभिकथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है। उपयुक्त विकल्प (A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है।	मुख्य परीक्षा	2025
2	अभिकथन (A) : अधिकतम ग्रामीण जनसंख्या के लिए कृषि जीविका का एकमात्र महत्वपूर्ण स्रोत या साधन है। कारण (R) : ग्रामीण सिर्फ कृषि ही नहीं है। बहुत से ऐसे क्रियाकलाप हैं जो कृषि और ग्राम्य जीवन की जीविका के स्रोत में भी मदद के लिए हैं।	मुख्य परीक्षा	2025

	(A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है। (B) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है। (C) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) ग़लत है। (D) अभिकथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है। उपयुक्त विकल्प (B) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।		
3	निम्नलिखित में से कौन-सा कथन ग़लत है ? (A) संविदा खेती लोगों को उत्पादन प्रक्रिया से अलग कर देती है। (B) कृषि का स्वदेशी ज्ञान अप्रासंगिक हो गया है। (C) यह बहुधा पर्यावरणीय दृष्टि से सुरक्षित होती है। (D) संविदा खेती अंगूर, अनार, अंजीर, फल, कपास के लिए बहुत सामान्य है। उपयुक्त विकल्प (C) यह बहुधा पर्यावरणीय दृष्टि से सुरक्षित होती है।	पूरक परीक्षा	2025
4	उदारीकरण की नीति का कृषि तथा ग्रामीण समाज पर बहुत महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ा क्योंकि : (I) इस नीति के अन्तर्गत विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यू.टी.ओ.) में भागीदारी होती है। (II) इसका उद्देश्य अधिक मुक्त अंतर्राष्ट्रीय व्यापार व्यवस्था लाना है। (III) इसमें भारतीय बाज़ारों को आयात हेतु खोलने की आवश्यकता है। (IV) भारतीय किसान अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार से प्रतिस्पर्धा हेतु प्रस्तुत नहीं हैं। विकल्प : (A) (I) और (IV) (B) (III) और (IV) (C) (I), (II) और (III) (D) केवल (IV) उपयुक्त विकल्प (C) (I), (II) और (III)	पूरक परीक्षा	2025
5	निम्नलिखित में से हरित क्रांति के लिए कौन-सा कथन नहीं है ? (A) हरित क्रांति कृषि आधुनिकीकरण का एक सरकारी कार्यक्रम था । (B) इसके लिए बड़े पैमाने पर आर्थिक सहायता अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा दी गई थी । (C) हरित क्रांति पैकेज की प्रथम लहर बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश तथा तेलंगाना में चली । (D) हरित क्रांति मुख्य रूप से गेहूँ तथा चावल उत्पाद करने वाले क्षेत्रों पर लक्षित थी । उपयुक्त विकल्प (C) हरित क्रांति पैकेज की प्रथम लहर बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश तथा तेलंगाना में चली ।	मुख्य परीक्षा	2024
6	उदारीकरण की नीति के अंतर्गत __________ में भागीदारी होती है, जिसका उद्देश्य अधिक मुक्त अंतर्राष्ट्रीय व्यापार व्यवस्था बनाना है । (A) WTO (B) EPC (C) WHO (D) UNCTAD उपयुक्त विकल्प (A) WTO	मुख्य परीक्षा	2024

7	निम्नलिखित में से स्वतंत्र भारत में भूमि सुधार के बारे में कौन-सा सही नहीं है ? (A) ज़मींदारी व्यवस्था को समाप्त करना (B) पट्टेदारी का उन्मूलन (C) रैयतवाड़ी व्यवस्था (D) भूमि की हदबंदी अधिनियम उपयुक्त विकल्प (C) रैयतवाड़ी व्यवस्था	पूरक परीक्षा	2024
8	"घुमक्कड़ मज़दूर" के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा सत्य नहीं है। (I) प्रवास का घुमक्कड़ मज़दूर से कोई संबंध नहीं है। (II) इसका तात्पर्य स्वतंत्रता से है। (III) उनका शोषण किया जाता है। (A) (I) और (II) (B) (II) और (III) (C) (I) और (III) (D) (I), (II) और (III) उपयुक्त विकल्प (A) (I) और (II)	पूरक परीक्षा	2024
9	ग्रामीण समाज में वैश्वीकरण और उदारीकरण के लिए क्या सही नहीं है ? (a) विश्व व्यापार संगठन में गैर-भागीदारी (b) मुक्त अंतर्राष्ट्रीय व्यापार (c) आयात के लिए भारतीय बाज़ारों को खोलना (d) वैश्विक बाज़ार से प्रतिस्पर्धा उपयुक्त विकल्प (a) विश्व व्यापार संगठन में गैर-भागीदारी	मुख्य परीक्षा	2023
10	संविदा खेती के समाजशास्त्रीय महत्त्व में निम्नलिखित में से कौन शामिल नहीं है ? (a) व्यक्तियों को उत्पादन प्रक्रिया से अलग कर देती है। (b) अपने देशीय कृषि ज्ञान को निरर्थक बना देती है। (c) मूल रूप से अभिजात मदों का उत्पादन करती है । (d) पर्यावरणीय दृष्टि से टिकाऊ (संधारणीय) होती है । उपयुक्त विकल्प (d) पर्यावरणीय दृष्टि से टिकाऊ (संधारणीय) होती है ।	मुख्य परीक्षा	2023
11	निम्नलिखित में से क्या प्रबल जाति को प्रबल बनाता है ? (a) भूमि सुधारों द्वारा दिए गए भूमि के अधिकार (b) मध्यवर्ती जाति की पहचान (c) बड़ी संख्या का राजनीतिक सत्ता में परिवर्तित होना (d) उपर्युक्त सभी उपयुक्त विकल्प (d) उपर्युक्त सभी	मुख्य परीक्षा	2023
12	अभिकथन (A) : प्रबल जाति शब्द का प्रयोग ऐसी जातियों के लिए किया जाता है जिनकी जनसंख्या काफी अधिक होती है । कारण (R) : स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद किए गए आंशिक भूमि सुधारों द्वारा उन्हें भूमि के अधिकार प्रदान किए गए थे । (a) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है ।	पूरक परीक्षा	2023

	(b) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है । (c) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) ग़लत है । (d) अभिकथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है । उपयुक्त विकल्प (a) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है ।		
13	अभिकथन (A): महिलाएँ भी कृषि मज़दूरों के मुख्य स्रोत के रूप में उभर रही हैं जिससे 'कृषि मजदूर शक्ति का महिलाकरण' हो रहा है। कारण (R) : निर्धन क्षेत्रों में, जहाँ परिवार के पुरुष सदस्य, वर्ष का अधिकतर हिस्सा गाँवों के बाहर काम करने में बिताते हैं, कृषि मूल रूप से महिलाओं का कार्य बन गया है। (a) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है । (b) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है । (c) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) ग़लत है । (d) अभिकथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है । उपयुक्त विकल्प (a) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है ।	पूरक परीक्षा	2023
14	प्रवासी कृषि मज़दूरों की बढ़ोतरी ग्रामीण समाज का एक अन्य महत्त्वपूर्ण परिवर्तन है जो कृषि के व्यवसायीकरण से जुड़ा है। प्रवसन करने वाले इन मज़दूरों के लिए जान ब्रेमन ने क्या पद प्रयोग किया है ? (a) घुमक्कड़ मज़दूर (b) कृषि मज़दूरों का महिलाकरण (c) एजेंट (d) बंधुआ मज़दूर उपयुक्त विकल्प (a) घुमक्कड़ मज़दूर	पूरक परीक्षा	2023
	2 अंक के प्रश्न		
1	औपनिवेशिक भारत में बहुत से जिलों का प्रशासन ज़मींदारी व्यवस्था द्वारा चलता था। ज़मींदारी व्यवस्था के दौरान कृषकों को किन परेशानियों का सामना करना पड़ा? सांकेतिक मूल्य बिंदु : • औपनिवेशिक काल के दौरान स्थानीय राजा या ज़मींदार भूमि पर नियंत्रण रखते थे। ब्रिटिश ने ज़मींदारों को सम्पति के अधिकार दे दिए। • ब्रिटिश लोगों के लिए काम करते हुए उन्हें ज़मीन पर पहले से ज़्यादा नियंत्रण मिला। • औपनिवेशिकों ने कृषि भूमि पर बहुत बड़ा टैक्स लगा दिया था।	मुख्य परीक्षा	2025

	• ज़मींदार कृषक से टैक्स के रूप में जितनी ज़्यादा उपज और पैसा ले सकते थे, ले लेते थे। • किसान अथवा कृषक जो कि उस भूमि पर कार्य करता था, वह फसल का एक प्रयाप्त भाग उन्हें देता था। • ज़मींदारी व्यवस्था का एक परिणाम यह हुआ कि ब्रिटिश काल के दौरान कृषि उत्पादन कम होने लगा। • ज़मींदारों ने किसानों को अपने दबाव से पीस डाला, साथ ही बार-बार पड़ने वाले अकाल और युद्ध ने जनता को एक तरह से मार डाला। (कोई अन्य उपयुक्त बिंदु)		
2	हरित क्रांति की रणनीति की एक नकारात्मक परिणति क्षेत्रीय असमानताओं में वृद्धि थीं। अपने उत्तर के लिए दो कारण दीजिए। सांकेतिक मूल्य बिंदु : • वे क्षेत्र जहाँ यह तकनीकी परिवर्तन हुआ अधिक विकसित हो गए जबकि अन्य क्षेत्र पूर्ववत रहे। • हरित क्रांति को देश के पूर्वी, पश्चिमी तथा दक्षिणी भागों तथा पंजाब-हरियाणा तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश में लागू किया गया। • अच्छी आर्थिक स्थिति वाले किसान जिनके पास ज़मीन, पूँजी, तकनीक तथा जानकारी थी तथा जो नए बीजों और खादों में पैसा लगा सकते थे, वे अपना उत्पादन बढ़ा सके और अधिक पैसा कमा सके। • यह वे क्षेत्र हैं जहाँ सामंतवादी कृषि संरचना आज भी सुस्थापित है जिसमें भूधारक जातियों तथा भूस्वामी निम्न जातियाँ, भूमिहीन मज़दूरों तथा छोटे किसानों पर अपनी सत्ता बरकरार रखे हुए हैं। • जाति तथा वर्ग की तीक्ष्ण असमानताओं तथा शोषणकारी मज़दूर संबंधों ने इन क्षेत्रों में विभिन्न प्रकार की हिंसा जिसमें अंतर्जातीय हिंसा सम्मिलित है, को हाल के वर्षों में बढ़ावा दिया है। (कोई दो)	मुख्य परीक्षा	2025
3	धनी किसान अक्सर फसल काटने के लिए प्रवासन वाले मजदूरों को प्राथमिकता क्यों देते हैं? सांकेतिक मूल्य बिंदु :	पूरक परीक्षा	2025

	• प्रवासी मजदूरों का आसानी से शोषण किया जा सकता है। • प्रवासी मजदूरों को कम मजदूरी भी दी जा सकती है।		
4	बेनामी हस्तांतरण से भूस्वामी किस प्रकार अपनी भूमि पर नियंत्रण बनाए हुए थे? <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> अधिकांश जगीरो ने अधिकांश परिवारों घरानो ने अपनी भूमि को राज्यों को देने से बचा लिया था। कुछ स्थानों पर कुछ अमीर किसानों ने अपनी पत्नी को वास्तव में तलाक दे दिया (परंतु उसी के साथ रहते रहे) सीलिंग अधिनियम की व्यवस्था से बचने के लिए जो की एक अविवाहित महिला को अलग हिस्सा देने की अनुमति देता है लेकिन पत्नियों को नहीं इन्हें बेनामी हस्तांतरण भी कहा जाता था।	पूरक परीक्षा	2025
5	"भूमि संपत्ति का एक महत्त्वपूर्ण प्रकार भी है। लेकिन भूमि न तो केवल 'उत्पादन का साधन' है और न ही केवल 'संपत्ति का एक प्रकार'। न ही केवल कृषि है जो कि उनकी जीविका का एक प्रकार है।" उदाहरण देते हुए कृषि एवं संस्कृति के बीच का घनिष्ठ संबंध दिखाइए। <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> भारत के विभिन्न क्षेत्रों में नव वर्ष के त्यौहार जैसे तमिलनाडु में "पोंगल", आसाम में "बीहू", पंजाब में "बैसाखी", कर्नाटक में "उगाड़ी" यह सब मुख्य रूप से फसल काटने के समय मनाए जाते हैं और नए कृषि मौसम के आने की घोषणा करते हैं ।	पूरक परीक्षा	2025
6	कृषि के भूमंडलीकरण का एक अन्य तथा अधिक प्रचलित पक्ष बहुराष्ट्रीय कंपनियों का इस क्षेत्र में कृषि मदों जैसे बीज, कीटनाशक तथा खाद के विक्रेता के रूप में प्रवेश है। पिछले दशक के आसपास से सरकार ने अपने कृषि विकास कार्यक्रमों में कमी की है तथा 'कृषि विस्तार' एजेंटों का स्थान गाँव में बीज, खाद तथा कीटनाशक कंपनियों के एजेंटों ने ले लिया है। उपर्युक्त अनुच्छेद के आधार पर, नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर दीजिए : कृषि कैसे अधिक व्यावसायिक होती जा रही है? <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> 'कृषि विस्तार' एजेंटों का स्थान गाँव में बीज, खाद तथा कीटनाशक कंपनियों के एजेंटों ने ले लिया है। ये एजेंट अकसर किसानों के लिए नए बीजों तथा कृषि कार्य हेतु जानकारी का एकमात्र स्रोत होते हैं। वे अपने उत्पाद बेचने के इच्छुक होते हैं। ये संकेत देते हैं की कृषि का बाजारीकरण अधिक होता जा रहा है। (कोई अन्य उपयुक्त बिंदु)	मुख्य परीक्षा	2024

7	राज्य सरकार ने ग्रामीण अधिसंरचना जैसे सिंचाई सुविधाएँ, सड़कें, बिजली तथा कृषि संबंधी ग्रामीण अधिसंरचना में निवेश किया । नियमित रूप से कृषि उत्पाद में वृद्धि के लिए बिना किसी अवरोध के बिजली सप्लाई भी ग्रामीण भारत के लिए आवश्यक है। उपर्युक्त अनुच्छेद के आधार पर, नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर दीजिए : भारत सरकार की हाल ही में प्रारम्भ की गई योजना इस दिशा में एक महत्त्वपूर्ण प्रयास है । योजना का नाम लिखिए । इस योजना का समग्र परिणाम क्या है ? <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> योजना - दीनदयाल उपाध्याय ज्योति योजना। ग्रामीण विकास के इन प्रयासों का समग्र परिणाम न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था तथा कृषि में रूपांतरण था बल्कि कृषिक संरचना तथा ग्रामीण समाज में भी रूपांतरण था।	मुख्य परीक्षा	2024
8	संविदा खेती का समाजशास्त्रीय महत्त्व है। इस कथन के समर्थन में दो बिंदु लिखिए । <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> (i) यह बहुत से व्यक्तियों को उत्पादन प्रक्रिया से अलग कर देती है। (ii) उनके अपने देशीय कृषि ज्ञान को निरर्थक बना देती है। (iii) यह मूलरूप से अभिजात मदों का उत्पादन करती है। जैसे फूल (कट फ्लावर), अंगूर, अंजीर तथा अनार । (iv) पर्यावरणीय दृष्टि से सुरक्षित नहीं होती। (कोई दो)	मुख्य परीक्षा	2024
9	हरित क्रांति के प्रथम चरण 1960 तथा 1970 दशकों में, नई तकनीक के लागू होने से ग्रामीण समाज में असमानताएँ बढ़ने का आभास हुआ। हरित क्रांति की फसलें अधिक लाभ वाली थीं क्योंकि इनसे अधिक उत्पादन होता था। उपर्युक्त अनुच्छेद के आधार पर दिए गए प्रश्न का उत्तर दीजिए : नई तकनीक के लागू होने से ग्रामीण समाज में किस प्रकार असमानताएँ बढ़ीं ? <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> (i). अच्छी आर्थिक स्थिति वाले किसान जिनके पास ज़मीन, पूँजी तकनीक तथा जानकारी थी तथा जो नए बीजों और खादों में पैसा लगा सकते थे, वे अपना उत्पादन बढ़ा सके और अधिक पैसा कमा सके । (ii) भूमिस्वामियों ने अपने पट्टेदारों से ज़मीन वापस ले ली क्योंकि अब सीधे कृषि कार्य करना अधिक लाभदायक था। इससे धनी किसान और अधिक संपन्न हो गए तथा भूमिहीन तथा सीमांत भू-धारकों की दशा और बिगड़ गई।	पूरक परीक्षा	2024
10	बहुत से गाँव में रहने वाले लोग सरकारी नौकरी जैसे डाकखाने में, शिक्षा विभाग में, कारखाने में कामगार या सेना की नौकरी करते हैं, उनकी जीविका अकृषि क्रियाकलापों से चलती है। उपर्युक्त अनुच्छेद के आधार पर दिए गए प्रश्न का उत्तर दीजिए। गाँव के परंपरागत व्यवसायों में आज गिरावट क्यों आई है ?	पूरक परीक्षा	2024

	<u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> (i) ग्रामीण नगरीय आर्थिकी के परस्पर अंतःसम्बन्ध से कई व्यवसाय गाँवों में आ रहे हैं। (ii) बहुत से लोग गाँवों में रहते हैं, नौकरी करते हैं या उनकी जीविका ग्रामीण अकृषि क्रियाकलापों पर आधारित है। उदाहरण के लिए बहुत से गाँव में रहने वाले लोग सरकारी नौकरी जैसे डाकखाने में, शिक्षा विभाग में, कारखाने में कामगार या सेना की नौकरी करते हैं, उनकी जीविका अकृषि क्रियाकलापों से चलती है।		
11	अधिकांश राज्यों में भूमि की हदबंदी अधिनियम 'दंतविहीन' क्यों साबित हुए? दो कारण दीजिए। <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> (i) इसमें बहुत से ऐसे बचाव के रास्ते और युक्तियाँ थीं जिससे परिवारों और घरानों ने अपनी भूमि को राज्यों को देने से बचा लिया था। (ii) अधिकतर मामलों में भूस्वामियों ने अपनी भूमि रिश्तेदारों या अन्य लोगों के बीच विभाजित कर दी, इसमें उनके नौकर के नाम भी तथाकथित बेनामी बदल दी गई । (iii) अमीर किसानों ने अपनी पत्नी को वास्तव में तलाक दे दिया (परन्तु उसी के साथ रहते रहे) सीलिंग अधिनियम की व्यवस्था से बचने के लिए, जोकि एक अविवाहित महिला को अलग हिस्सा देने की अनुमति देता है लेकिन पत्नियों को नहीं। इन्हें बेनामी हस्तांतरण भी कहा जाता था । (कोई दो बिंदु)	पूरक परीक्षा	2024
12	स्वातंत्र्योत्तर काल में ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक संबंधों की प्रकृति में अनेक प्रभावशाली रूपांतरण हुए, खासकर उन क्षेत्रों में जहाँ हरित क्रांति हुई । किन्हीं दो रूपांतरणों के नाम लिखिए । <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> 1. गहन कृषि के कारण कृषि मजदूरों की बढ़ोतरी; 2. भुगतान में सामान (अनाज) के स्थान पर नगद भुगतान; 3. पारंपरिक बंधनों में शिथिलता अथवा भूस्वामी एवं किसान या कृषि मजदूरों (जिन्हें बंधुआ मजदूर भी कहते हैं) कि मध्य पुश्तैनी संबंधों में कमी आना होना; 4. मुक्त दिहाड़ी मजदूरों के वर्ग का उदय (कोई दो बिंदु)	मुख्य परीक्षा	2023
13	मजदूरों के संचार के संदर्भ में "सरकुलेशन" का अर्थ लिखिए। <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u>	मुख्य परीक्षा	2023

	1. स्थानीय भूमिहीन मजदूर अपने गांव से कृषि के चरम मौसम में काम की तलाश में प्रवास कर जाते हैं जबकि दूसरे क्षेत्रों में प्रवसन करने वाले मजदूर स्थानीय खेतों में काम करने के लिए लाए जाते हैं। प्रवसन करने वाले मजदूरों का आसानी से शोषण किया जा सकता है तथा उन्हें मजदूरी भी दी जा सकती है। 2. हजारों मजदूर अपने गांव से अधिक संपन्न क्षेत्रों जहां मजदूरों की अधिक मांग तथा उच्च मजदूरी थी की तरफ संचार करते हैं। 3. धनी किसान अक्सर फसल काटने तथा इसी प्रकार की अन्य गहन कृषि क्रियाओं के लिए स्थानीय कामकाजी वर्ग के स्थान पर प्रवसन करने वाले मजदूरों को प्राथमिकता देते हैं। 4. प्रवसन करने वाले मजदूरों को जॉन ब्रेमन ने घुमक्कड़ मजदूर भी कहा है। (कोई दो बिंदु)		
14	1960 तथा 1970 के दशकों में हरित क्रांति के प्रथम चरण में, नई प्रौद्योगिकी के लागू होने से ग्रामीण समाज में असमानताओं का बढ़ने का आभास हुआ असमानता में वृद्धि के 2 तरीकों का उल्लेख कीजिए । <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> 1. कृषि उपकरणों जैसे टिलर ट्रैक्टर थ्रेशर व हार्वेस्टर के प्रयोग ने सेवा प्रदान करने वाली जातियों के उन समूहों को भी बेदखल कर दिया जो इन कृषि संबंधी क्रियाकलापों को करते थे। 2. इस बेदखली की प्रक्रिया ने ग्रामीण क्षेत्रों से नगरीय क्षेत्रों की ओर प्रवसन की गति को और भी बढ़ा दिया। 3. अच्छी आर्थिक स्थिति वाले किसान जिनके पास जमीन, पूंजी, तकनीक तथा जानकारी थी तथा जो नए बीजों और खादो में पैसा लगा सकते थे वे अपना उत्पादन बढ़ा सकें। 4. हरित क्रांति की अंतिम परिणति विभेदीकरण एक ऐसी प्रक्रिया थी जिसमें धनी अधिक धनी हो गए तथा कई निर्धन पूर्ववत रहे या अधिक गरीब हो गए। 5. हरित क्रांति की रणनीति की एक नकारात्मक परिणीति क्षेत्रीय असमानताओं में वृद्धि थी । (कोई दो बिंदु)	मुख्य परीक्षा	2023
15	केरल का ग्रामीण क्षेत्र मूल रूप से कृषि प्रधान होने के बजाय मिश्रित अर्थव्यवस्था वाला है , यह मिश्रित अर्थव्यवस्था कैसे है ? <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> • केरल में ग्रामीण क्षेत्र मूल रूप से कृषि प्रधान होने के बजाए मिश्रित अर्थव्यवस्था वाला है जिनमें कुछ कृषि कार्य खुदरा विक्रय तथा सेवाओं के एक विस्तृत संजाल के साथ जुड़ा हुआ है, और जहाँ एक बड़ी संख्या में परिवार विदेश से भेजे जाने वाले धन पर निर्भर हैं। • इस प्रकार केरल जैसे राज्य विकास की एक भिन्न प्रक्रिया जिसमें राजनीतिक गतिशीलता, पुनर्वितरण के साधन तथा बाह्य अर्थव्यवस्था (मूल रूप से खाड़ी के देश) से गुजरे	पूरक परीक्षा	2023

16	ग्रामीण समाज में विविधता के दो कारण बताइए । <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> • 1960 के दशक से कृषि विकास द्वारा ग्रामीण सामाजिक संरचना को बदलने वाला एक तरीका नयी तकनीक अपनाने वाले मध्यम तथा बड़े किसानों की समृद्धि थी । • अनेक कृषि संपन्न क्षेत्रों जैसे तटीय आंध्रप्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश तथा मध्य गुजरात में प्रबल जातियों के संपन्न किसानों ने कृषि से होने वाले लाभ को अन्य प्रकार के व्यापारों में निवेश करना प्रारंभ कर दिया। • इस प्रक्रिया से नए उद्यमी समूहों का उदय हुआ जिन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों से इन विकासशील क्षेत्रों के बढ़ते कस्बों की ओर पलायन किया, जिससे नए क्षेत्रीय अभिजात वर्गों का उदय हुआ जो आर्थिक तथा राजनीतिक रूप से प्रबल हो गए (रहन, 1995)। • उच्च शिक्षा का विस्तार, विशेषतः निजी व्यावसायिक महाविद्यालयों की स्थापना से नव ग्रामीण अभिजात वर्ग द्वारा अपने बच्चों को शिक्षित करना संभव हुआ, जिनमें से बहुतों ने व्यावसायिक अथवा श्वेत वस्त्र व्यवसाय अपनाए अथवा व्यापार प्रारंभ कर नगरीय मध्य वर्गों के विस्तार में योगदान दिया। कोई दो बिंदु	पूरक परीक्षा	2023
17	ग्रामीण समाज में महिलाओं को भूमि के स्वामित्व से बाहर क्यों रखा जाता है दो कारण दीजिए । <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> भारत के अधिकांश भागों में महिलाएं जमीन की मालिक नहीं होती है क्योंकि... • उत्तराधिकार के नियमों और • पितृवंशीय के नातेदारी व्यवस्था के कारण ।	पूरक परीक्षा	2023
	4 अंक के प्रश्न		
1	सन् 1950 से 1970 के दशक के बीच भूमि सुधार कानूनों की एक श्रृंखला को शुरू किया गया - इसे राष्ट्रीय स्तर के साथ राज्य के स्तर पर भी चलाया गया। इन सुधारों को लाने के पीछे क्या कारण थे? <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> • भारत के स्वतंत्र होने के बाद नेहरू और उनके नीति सलाहकारों ने नियोजित विकास के कार्यक्रमों की तरफ अपना ध्यान केंद्रित किया। कृषिकीय सुधारों के साथ ही साथ औद्योगीकरण भी इसमें शामिल था। • नीति निर्माताओं ने उस समय भारत की निराशाजनक कृषि स्थिति पर अपने जवाबी मुद्दे बताए।	मुख्य परीक्षा	2025

	• पैदावार का कम होना, आयातित अनाज पर निर्भरता और ग्रामीण जनसंख्या के एक बड़े भाग में गहन गरीबी का होना। • उन्होंने महसूस किया कि कृषि की उन्नति के लिए कृषिक संरचना में महत्वपूर्ण सुधार किए जाएँ और विशेष रूप से भूस्वामित्व एवं भूमि के बँटवारे की व्यवस्था में भी सुधार किए जाएँ। • भूमि सुधार न केवल कृषि विकास को बढ़ावा देने के लिए बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी उन्मूलन और सामाजिक न्याय लाने के लिए भी आवश्यक हैं। (कोई चार)		
2	**"हमने देखा कि अधिकतर क्षेत्रों में भू-सुधार का ग्रामीण समाज तथा कृषिक संरचना पर एक सीमित प्रभाव ही है। इसके विपरीत 1960-70 के दशकों की हरित क्रांति द्वारा उन क्षेत्रों में जहाँ यह प्रभावशाली रही, महत्त्वपूर्ण परिवर्तन हुए।"** **हरित क्रांति तथा उसके सामाजिक परिणामों की व्याख्या कीजिए।** <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> 1960-70 के दशकों की हरित क्रांति द्वारा उन क्षेत्रों में जहाँ यह प्रभावशाली रही, महत्त्वपूर्ण परिवर्तन हुए। हरित क्रांति कृषि आधुनिकीकरण का एक सरकारी कार्यक्रम था। इसके लिए आर्थिक सहायता अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा दी गई थी तथा यह अधिक उत्पादकता वाले अथवा संकर बीजों के साथ कीटनाशकों, खादों तथा किसानों के लिए अन्य निवेश देने पर केंद्रित थी। सामाजिक परिणाम • नई तकनीक द्वारा कृषि उत्पादकता में अत्यधिक वृद्धि हुई। • हरित क्रांति के अधिकतर क्षेत्रों में मूल रूप से मध्यम तथा बड़े किसान ही नई तकनीक का लाभ उठा सके। • हरित क्रांति और इसके बाद होने वाले कृषि व्यापारीकरण का मुख्य लाभ उन किसानों को मिला जो बाज़ार के लिए अतिरिक्त उत्पादन करने में सक्षम थे। • नई तकनीक के लागू होने से ग्रामीण समाज में असमानताएँ बढ़ने का आभास हुआ। • सेवा प्रदान करने वाली जातियों के उन समूहों को भी बेदखल कर दिया जो इन कृषि संबंधी क्रियाकलापों को करते थे। इस बेदखली की प्रक्रिया ने ग्रामीण क्षेत्रों से नगरीय क्षेत्रों की ओर प्रवासन की गति को और भी बढ़ा दिया। • हरित क्रांति की अंतिम परिणति एक ऐसी प्रक्रिया थी जिसमें धनी अधिक धनी हो गए तथा कई निर्धन पूर्ववत रहे या अधिक गरीब हो गए। • बाजारोन्मुखी कृषि में विशेषतः जब एक ही फसल उगाई जाती है, तो कीमतों में कमी अथवा खराब फसल से किसानों की आर्थिक बरबादी हो सकती है।	**पूरक परीक्षा**	**2025**

	• हरित क्रांति की रणनीति की एक नकारात्मक परिणति क्षेत्रीय असमानताओं में वृद्धि थी। वे क्षेत्र जहाँ यह तकनीकी परिवर्तन हुआ, अधिक विकसित हो गए जबकि अन्य क्षेत्र पूर्ववत रहे। • पर्यावरण तथा समाज पर कृषि के आधुनिक तरीकों के नकारात्मक प्रभावों को देखते हुए, अनेक वैज्ञानिक और कृषक आंदोलन अब पारंपरिक कृषि विधियों तथा अधिक जैविक बीजों के प्रयोग की ओर लौटने की सलाह दे रहे हैं। (सावयवी) (कोई तीन)		
3	औपनिवेशिक भारत में अंग्रेजों द्वारा शुरू की गई ज़मीन के टैक्स की दो प्रणालियों की व्याख्या कीजिए । <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> जब ब्रिटिश औपनिवेशिक भारत में आए, तो उन्होंने कई क्षेत्रों में इन स्थानीय ज़मींदारों द्वारा ही काम चलवाया। उन्होंने ज़मींदारों को संपत्ति के अधिकार भी दे दिए। ब्रिटिश लोगों के लिए काम करते हुए उन्हें ज़मीन पर पहले से ज़्यादा नियंत्रण मिला। ज़मींदारी व्यवस्था का एक परिणाम यह हुआ कि ब्रिटिश काल के दौरान कृषि उत्पादन कम होने लगा क्योंकि औपनिवेशिकों ने कृषि भूमि पर बहुत बड़ा टैक्स लगा दिया था। रैयतवाड़ी व्यवस्था भू प्रभंध, (तेलगु में रैयत का अर्थ है - कृषक) इस व्यवस्था में ज़मींदार के स्थान पर वास्तविक कृषक (वे खुद बहुधा ज़मींदार होते थे न कि कृषक) ही टैक्स चुकाने के लिए जिम्मेदार होते थे। इसमें टैक्स का भार कम होता था और कृषकों को कृषि में निवेश करने के लिए अधिक प्रोत्साहन मिलता था। (अन्य कोई व्यव्यस्था जैसे महलवारी)	मुख्य परीक्षा	2024
4	सेवा क्षेत्र के बढ़ते आकार के बावजूद, भारत अभी भी काफी हद तक एक कृषि प्रधान देश है । कारण बताइए । <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> (i) भारत में बहुत कम लोगों के पास सुरक्षित रोज़गार है। (ii) यहाँ तक कि छोटी संख्या के स्थायी सुरक्षित रोज़गार भी अनबंधित कामगारों के कारण असुरक्षित होते जा रहे हैं। (iii) सरकारी रोज़गार कम होता जारहा है। (iv) बहुसंख्यक लोग गाँव में ही रहते हैं (69 प्रतिशत, 2011 की जनगणना के अनुसार) (v) उनका जीवन कृषि अथवा उससे संबंधित व्यवसायों से चलता है। (vi) इसका अर्थ यह हुआ कि बहुत से भारतीयों के लिए भूमि उत्पादन का एक महत्वपूर्ण साधन है। (vii) लेकिन भूमि न तो केवल उत्पादन का साधन है और न ही केवल संपत्ति का एक प्रकार। (viii) न ही केवल कृषि है जो कि उनके जीविका का एक प्रकार है। यह जीने का एक तरीका भी है। (ix) हमारी बहुत सी सांस्कृतिक रस्मों और उनके प्रकार में कृषि की पृष्ठभूमि होती है। (कोई चार)	मुख्य परीक्षा	2024

5	स्वतंत्रता के बाद ग्रामीण समाज में सामाजिक संबंधों की प्रकृति में अनेक प्रभावशाली रूपांतरण हुए। इन बदलावों को समझाइए । <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> (i). गहन कृषि के कारण कृषि मज़दरों की बढ़ोतरी (ii). भुगतान में सामान (अनाज) के स्थान पर नगद भुगतान (iii). पारंपरिक बंधनों में शिथिलता अथवा भूस्वामी एवं किसान या कृषि मज़दरों (जिन्हें बंधुआ मजदूर भी कहते हैं) के मध्य पुश्तैनी संबंधों में कमी होना (iv). 'मुक्त' दिहाड़ी मज़दरों के वर्ग का उदय।	पूरक परीक्षा	2024
6	हरित क्रांति और इसके सामाजिक परिणामों की चर्चा कीजिए । <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> • हरित क्रांति कृषि आधुनिकीकरण का एक सरकारी कार्यक्रम था। इसके लिए आर्थिक सहायता अंतराष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा दी गई थी तथा यह अधिक उत्पादकता वाले अथवा संकर बीजों के साथ किट नाशकों, खादों तथा किसानों के लिए अन्य निवेश देने पर केंद्रित थी। • नयी तकनीक द्वारा कृषि उत्पादकता में अत्यधिक वृद्धि हुई। • हरित क्रांति के अधिकतर क्षेत्रों में मूल रूप से मध्यम तथा बड़े किसान ही नयी तकनीक का लाभ उठा सके। • दशकों बाद पहली बार भारत खाद्यान्न उत्पादन में स्वावलंबी बनने में सक्षम हुआ। • हरित क्रांति और इसके बाद होने वाले कृषि व्यापारीकरण का मुख्य लाभ उन किसानों को मिला जो बाज़ार के लिए अतिरिक्त उत्पादन करने में सक्षम थे। • नयी तकनीक के लागू होने से ग्रामीण समाज में असमानताएँ बढ़ने का आभास हुआ। • कई मामलों में इससे पट्टेदार कृषक बेदखल भी हुए। • इससे धनी किसान और अधिक संपन्न हो गए तथा भूमिहीन तथा सीमांत भू-धारकों की दशा और बिगड़ गई। • इसके अतिरिक्त पंजाब तथा मध्य प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में कृषि उपकरणों जैसे टिलर, ट्रेक्टर, थ्रैशर व हार्वेस्टर के प्रयोग ने सेवा प्रदान करने वाली जातियों के उन समूहों को भी बेदखल कर दिया। • हरित क्रांति की अंतिम परिणति 'विभेदीकरण' एक ऐसी प्रक्रिया थी जिसमें धनी अधिक धनी हो गए तथा कई निर्धन पूर्ववत रहे या अधिक गरीब हो गए। कोई तीन	पूरक परीक्षा	2023

अध्याय 5 - औद्योगिक समाज में परिवर्तन और विकास

	1 अंक के प्रश्न	मुख्य परीक्षा / पूरक परीक्षा	वर्ष
1.	अभिकथन (A) : औद्योगीकरण कुछ एक स्थानों पर जबरदस्त समानता लाता है। उदाहरण के लिए रेलगाड़ियों, बसों में जातीय भेदभाव का ना होना। कारण (R) : इस संसार में सामाजिक असमानताएँ कम हो रही हैं। (A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है। (B) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है। (C) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) ग़लत है। (D) अभिकथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है। उपयुक्त विकल्प (A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है।	मुख्य परीक्षा	2025
2	निम्नलिखित कथनों को सही क्रम में लिखिए। (I) कामगारों को मशीनी गति से काम करना होता है। (II) अधिक मशीनों वाले उद्योगों में, कम लोगों को काम दिया जाता है। (III) दो चाय की छुट्टियाँ 7.5 मिनट प्रत्येक और आधा घंटा खाने की छुट्टी। (IV) पूरे दिन में कामगारों को केवल 45 मिनट का विश्राम मिलता है। विकल्प : (A) (II), (I), (IV), (III) (B) (I), (II), (III), (IV) (C) (IV), (I), (III), (II) (D) (I), (IV), (III), (II) उपयुक्त विकल्प (A) (II), (I), (IV), (III)	मुख्य परीक्षा	2025
3.	अभिकथन (A): तालाबन्दी की दशा में, व्यवस्थापक मिल का दरवाजा बंद कर देते हैं और मज़दूरों को अंदर जाने से रोकते हैं। कारण (R): व्यवस्थापक अतिरिक्त मज़दूरों को बुलाने का प्रयास करते हैं। (A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है। (B) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है। (C) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) ग़लत है। (D) अभिकथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है।	पूरक परीक्षा	2025

	उपयुक्त विकल्प (A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है।		
4	अभिकथन (A): औद्योगीकरण कुछ एक स्थानों पर जबरदस्त समानता लाता है। कारण (R): भेदभाव के पुराने स्वरूपों को नए कारखानों और कार्यस्थलों में अभी भी देखा जा सकता है। (A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है। (B) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है। (C) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) ग़लत है। (D) अभिकथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है। उपयुक्त विकल्प (B) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।	पूरक परीक्षा	2025
5	कोविड-19 महामारी के कारण सैंकड़ों और हज़ारों कर्मचारियों ने घर से काम किया । निम्नलिखित में से कौन घर से काम करने की अनुमति दे सकता है ? I. आईटी सेक्टर II. बीड़ी उद्योग III. मारुति उद्योग IV. सभी सरकारी कंपनियाँ (A) I और II (B) I और IV (C) II और III (D) I, II, III और IV उपयुक्त विकल्प (A) I और II	मुख्य परीक्षा	2024
6	'अलगाव' के लिए निम्नलिखित में से कौन-सी विशेषता ग़लत है ? (A) लोग अपने कार्य से प्रसन्न नहीं होते हैं। (B) यह कार्य दोहराने और थकाने वाला होता है । (C) लोग अपने कार्य का अंतिम रूप देख पाते हैं। (D) उत्तरजीविता इस बात पर निर्भर करती है कि मशीनें मानवीय श्रम के लिए कितना स्थान छोड़ती हैं । उपयुक्त विकल्प (C) लोग अपने कार्य का अंतिम रूप देख पाते हैं।	मुख्य परीक्षा	2024
7	सेवा क्षेत्रों जैसे सॉफ्टवेयर उद्योग में काम करने वाले कर्मचारियों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन ग़लत है : (A) सॉफ्टवेयर में काम करने वाले लोग मध्यम वर्गीय और पूर्णतः शिक्षित होते हैं। (B) उनका कार्य स्वतः स्फूर्त एवं रचनात्मक होता है। (C) औसतन 10-12 घंटे का कार्यदिवस, और रातभर कार्य करने वाले कर्मचारी भी असामान्य बात नहीं हैं। (D) अपने अधिकारियों को नहीं दिखाना चाहते हैं कि वे कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उपयुक्त विकल्प (D) अपने अधिकारियों को नहीं दिखाना चाहते हैं कि वे कड़ी मेहनत कर रहे हैं।	पूरक परीक्षा	2024

8	अभिकथन (A): किसान जो मौसम, मिट्टी और बीजों की अपनी समझ के आधार पर फसल उगाना जानता है, वह अकुशल है। कारण (R): मशीनों का प्रयोग कार्यकर्ताओं की दक्षता को कम करता है। (A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है। (B) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है। (C) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) ग़लत है। (D) अभिकथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है। उपयुक्त विकल्प (D) अभिकथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है।	पूरक परीक्षा	2024
9	अभिकथन (A): सरकार ने कोयले की खानों में कार्य की दशाओं को बेहतर करने के लिए बहुत से कानून बना दिए हैं। कारण (R): कई ठेकेदार मज़दूरों का रजिस्टर ठीक से रखते हैं, अतः वे दुर्घटना की अवस्था में किसी भी लाभ को देने की ज़िम्मेदारी से नहीं मुकरते । (A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है। (B) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है। (C) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) ग़लत है। (D) अभिकथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है। उपयुक्त विकल्प (C) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) ग़लत है।	मुख्य परीक्षा	2023
10	अभिकथन (A): हड़ताल करना मुश्किल फैसला होता है। कारण (R): व्यवस्थापक अतिरिक्त मज़दूरों को बुलाने का प्रयास करते हैं। कामगारों के लिए भी बिना वेतन के रहना मुश्किल हो जाता है। (a) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है। (b) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है। (c) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) ग़लत है। (d) अभिकथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है। उपयुक्त विकल्प (a) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है।	मुख्य परीक्षा	2023
11	सरकार सार्वजनिक कंपनियों के अपने हिस्सों को निजी क्षेत्र की कंपनियों को बेचने का प्रयास कर रही है, जिसे ___________ कहा जाता है। (a) विनिवेश (b) संगठित क्षेत्र (c) असंगठित क्षेत्र (d) उदारीकरण उपयुक्त विकल्प (a) विनिवेश	पूरक परीक्षा	2023

12	**अभिकथन (A):फर्म में सभी कार्य जैसे सफ़ाई, सुरक्षा, यहाँ तक कि पुर्जों का उत्पादन भी बाह्य स्रोतों से होता है।** **कारण (R) :बाह्य स्रोतों से किया गया और ठीक-समय-पर कार्य कंपनी की लागतों को कम रखता है।** **(a) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है।** **(b) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।** **(c) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) ग़लत है।** **(d) अभिकथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है।** **उपयुक्त विकल्प (a) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है।**	**पूरक परीक्षा**	**2023**
	2 अंक के प्रश्न		
1	**"अधिकतर भारतीय लोग छोटे पैमाने पर कार्य कर रहे स्थानों पर ही काम करते हैं। यहाँ कार्य के कई पक्षों का निर्धारण वैयक्तिक संबंधों से होता है।"** **बड़े संस्थानों में कार्य का निर्धारण वैयक्तिक संबंधों से नहीं होता। इस कथन से आप क्या अनुमान लगा सकते हैं?** **<u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u>** **- बड़े संस्थानों में कार्य के निश्चित नियम होते हैं, वहाँ नियुक्ति अधिक पारदर्शी होती है।** **- अगर आपके अपने उच्च पदाधिकारी से कुछ मतभेद होते हैं, तो उसकी शिकायत और क्षतिपूर्ति की निश्चित कार्यविधियाँ होती हैं।**	**मुख्य परीक्षा**	**2025**
2	**भूमिगत खानों में कार्य करने वाले कामगार बहुत खतरनाक स्थितियों का सामना करते हैं। उदाहरण दीजिए।** **<u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u>** **• भूमिगत खानों में कार्य करने वाले कामगार बाढ़, आग, से बहुत खतरनाक स्थितियों का सामना करते हैं।** **• ऊपरी या सतह के हिस्से का धसना।** **• गैसों का उत्सर्जन और ऑक्सीजन का बंद होना।** **• बहुत से कामगारों को सांस से संबंधित बीमारियाँ हो जाती हैं। जैसे क्षय रोग या सिलिकोसिस।** **. खान के फटने से या किसी चीज़ के गिरने से आने वाली चोट का सामना भी करते हैं।** **(कोई दो)**	**मुख्य परीक्षा**	**2025**

3	**उदारीकरण की नीति का एक लाभ और एक हानि बताइए।** <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> लाभ • उद्योगों को खोलने के लिए अनुज्ञप्ति (लाइसेंस) वांछित नहीं है। • अब भारतीय दुकानों पर विदेशी वस्तुएँ आसानी से उपलब्ध हो जाती हैं। हानि • अधिकाधिक कम्पनियां स्थायी कर्मचारियों की संख्या कम कर रही हैं और अपना काम छोटी कम्पनियों से करवाने लगे हैं। • ठेका मजदूरी में वृद्धि के कारण रोजगार अधिक असुरक्षित हो गया है। • आय असमानता में वृद्धि। • सरकार ने उद्योग लगाने के लिए भूमि अधिग्रहण की नीति प्रारंभ की है। (कोई दो)	मुख्य परीक्षा	2025
4	"भारत में सूचना तकनीक की वृद्धि को वर्णित करने के लिए प्रायः एक सूक्ति सुनने में आती है 'नॉलेज इकॉनोमी' (ज्ञान आर्थिकी), लेकिन आप एक किसान की दक्षता की तुलना किससे करेंगे जो यह जानता है कि कई सौ फसलों को कैसे उगाया जाता है। क्या आप उसकी मौसम, मिट्टी और बीज की समझ पर विश्वास करेंगे या कि एक सॉफ्टवेयर व्यवसायी पर?" 'नॉलेज इकॉनोमी' पर हैरी ब्रेवरमैन क्या कहते हैं? <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> ब्रेवरमैन यह तर्क देते हैं कि वास्तव में मशीनों का प्रयोग कार्यकर्ताओं की दक्षता को कम करता है, उदाहरण के लिए पहले वास्तुकार को नक्काशी में दक्षता भी हासिल थी परंतु अब कंप्यूटर उनके बहुत से काम काम कर देता है।	पूरक परीक्षा	2025
5	"अब भारतीय दुकानों पर विदेशी वस्तुएँ आसानी से उपलब्ध हो जाती हैं। उदारीकरण के परिणामस्वरूप बहुत सी भारतीय कंपनियों छोटी एवं बड़ी को बहुदेशीय कंपनियों ने खरीद लिया है। साथ ही कुछ भारतीय कंपनियाँ बहुदेशीय कंपनियाँ-छोटी एवं बड़ी बन गई हैं।" विनिवेश किसे कहते हैं? सरकारी कर्मचारी इससे भयभीत क्यों हैं? <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> • सरकार सार्वजनिक कंपनियों के अपने हिस्सों को निजी क्षेत्र की कंपनियों को बेचने का प्रयास कर रही है, जिसे विनिवेश कहा जाता है। • कई सरकारी कर्मचारी इससे भयभीत हैं कि कहीं विनिवेश के कारण उनकी नौकरी न चली जाए।	पूरक परीक्षा	2025

	• 'माडर्न फूड' जिसे सरकार ने स्वास्थ्यवर्धक सस्ता खाना उपलब्ध कराने के लिए बनाया था, और वह निजीकरण की जाने वाली पहली कंपनी थी, ने 60 प्रतिशत कर्मचारियों को पहले पाँच वर्षों में जबरन सेवामुक्त कर दिया। (कोई दो)		
6	रोज़गार और स्व-रोज़गार सम्भव करने के लिए भारत सरकार ने कई कार्यक्रमों को प्रारम्भ किया है । किन्हीं दो कार्यक्रमों के नाम बताइए । इन कार्यक्रमों का सकारात्मक परिणाम क्या है ? <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> (i) मुद्रा योजना (ii) आत्मनिर्भर भारत (iii) मेक इन इंडिया (कोई दो योजना) (i) इन सकारात्मक प्रयासों ने भारत के युवाओं जिन्हें जनांकिकीय डिविडेंट भी कहा जाता है, को विकास की प्रक्रिया से जोड़ दिया गया। (ii) इन प्रयासों से हाशिए पर खड़े लोगों, जैसे अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं महिलाओ सहित सभी वर्गों का संवर्द्धन करने की उम्मीद है।	मुख्य परीक्षा	2024
7	"खान अधिनियम, 1952" की दो विशेषताएँ बताइए । <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> (i) एक व्यक्ति खान में सप्ताह में अधिक से अधिक कितने घंटे कार्य कर सकता है। (ii) अतिरिक्त घंटे तक काम करने पर उसे अलग से पैसा दिया जाना चाहिए। (iii) सुरक्षा नियम । (कोई दो)	मुख्य परीक्षा	2024
8	"बहुत सी फैक्ट्रियाँ में बदली कामगार भी होते हैं।" बदली कामगार कौन हैं ? <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> बहुत सी फैक्ट्रियों में बदली कामगार भी होते हैं, जो कि छुट्टी पर गए हुए मजदूरों के स्थान पर काम करते हैं।	पूरक परीक्षा	2024
9	संगठित और असंगठित क्षेत्र के बीच अंतर कीजिए। <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> (i) संगठित क्षेत्र की इकाई में 10 और अधिक लोगों के पुरे वर्ष रोज़गार में रहने से इन क्षेत्रों का गठन होता है असंगठित क्षेत्र के विपरीत । (ii) संगठित क्षेत्र में उन्हें सरकार के पास पंजीकृत होना पड़ता है, असंगठित क्षेत्र में ऐसा नहीं होता । (iii) संगठित क्षेत्र में कर्मचारियों को उपयुक्त वेतन या मजदूरी, पेंशन और अन्य सुविधाएँ मिलती हैं, असंगठित क्षेत्र में ऐसा नहीं होता । (कोई दो बिंदु)	पूरक परीक्षा	2024

10	उदारीकरण ने भारत में रोज़गार के प्रतिमानों को किस प्रकार प्रभावित किया है ? किन्हीं दो तरीकों का उल्लेख कीजिए । <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> 1. विनिवेश 2. बाह्यस्रोत	मुख्य परीक्षा	2023
11	(क) संगठित क्षेत्र में अनुबंधित कार्य को परिभाषित कीजिए। <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> 1. संगठित क्षेत्र की इकाई में 10 और अधिक लोगों के पूरे वर्ष रोजगार में रहने से इन क्षेत्रों का गठन होता है। सरकारी तौर पर इनका पंजीकरण होना चाहिए ताकि कर्मचारियों को उपयुक्त वेतन या मजदूरी पेंशन और अन्य सुविधाएं मिलना सुनिश्चित हो सके।	मुख्य परीक्षा	2023
12	प्रबंधक (मैनेजर) का मुख्य कार्य क्या होता है? <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> 1. कामगारों को नियंत्रित रखना 2. उनसे अधिक काम करवाना (कोई अन्य उपयुक्त बिंदु)	मुख्य परीक्षा	2023
13	एक उदाहरण का उपयोग करते हुए परिभाषित कीजिए की कार्यकर्ताओं की दक्षता किस प्रकार कम होती है। <u>साकेतिक मूल्य बिंदु :</u> मशीनों का प्रयोग कार्यकर्ताओं की दक्षता को कम करता है। उदहारण के लिए पहले वास्तुकार को नक्काशी में दक्षता भी हासिल थी परंतु अब कंप्यूटर उनके बहुत से काम कर देता है। कोई अन्य उदहारण	पूरक परीक्षा	2023
14	मिल मजदूरों के सामने आने वाली किन्ही दो चुनौतियों के नाम लिखिए। <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> • कामगार स्वयं को मशीन के विस्तार के रूप में महसूस करते हैं जहां शरीर की गतिविधियां मशीन के साथ समन्वित होनी चाहिए । • श्रमिकों को काम के दौरान बीच में पर्याप्त अवकाश नहीं मिलता है, और वे 40 वर्ष के होने तक पूरी तरह थक जाते हैं और स्वैच्छिक अवकाश ले लेते हैं ।	पूरक परीक्षा	2023
15	कामगारों से अधिक कार्य करवाने की दो तरीके क्या है। <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> • पहला कार्य के घंटों में वृद्धि । • दूसरा निर्धारित दिए गए समय में उत्पादित वस्तु की मात्रा को बढ़ा देना ।	पूरक परीक्षा	2023
	4 अंक के प्रश्न		
1	"कभी-कभी काम की बुरी दशाओं के कारण कामगार हड़ताल कर देते हैं।" 1982 की प्रसिद्ध बंबई टैक्सटाइल मिल की हड़ताल का उदाहरण लेते हुए औचित्य सिद्ध कीजिए।	मुख्य परीक्षा	2025

	<u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> • 1982 में बंबई टैक्सटाइल मिल की उस प्रसिद्ध हड़ताल के बारे में बात करते हैं, जो व्यापार संघ के नेता, डा. दत्ता सामंत की अगुवाई में हुई थी और जिसकी वजह से लगभग ढाई लाख कामगार और उनके परिवार के लोग प्रभावित हुए थे। • हड़ताल करीब दो साल तक चली। मज़दूर बेहतर मज़दूरी चाहते थे और साथ ही अपनी यूनियन बनाने का अधिकार भी चाहते थे। • धीरे-धीरे दो सालों के बाद, लोगों ने काम पर जाना शुरू कर दिया क्यूंकि वे परेशान हो चुके थे। • लगभग एक लाख कामगार बेरोज़गार हो गए, और वापस अपने गाँव लौट गए। • कामगारों के लिए भी बिना वेतन के रहना मुश्किल हो जाता है। (कोई चार)		
2	घर पर कार्य करने वाले लोगों को चीज़ों के नग (पीस) के हिसाब से पैसे दिए जाते हैं। बीड़ी उद्योग का उदाहरण देते हुए, इस अवधारणा को समझाइए। <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> • घर पर कार्य करने वालों को चीज़ों के नग (पीस) के हिसाब से पैसे दिए जाते हैं, जो इस बात पर निर्भर करता है कि उन्होंने कितने नग (पीस) बनाए हैं। • ये कार्य मुख्य रूप से महिलाओं या बच्चों द्वारा किए जाते हैं। एक एजेंट (प्रतिनिधि) इन्हें कच्चा माल देता है और संपूर्ण कार्य को ले भी जाता है। • बीड़ी बनाने की प्रक्रिया जंगल के पास वाले गाँवों से शुरू होती है। वहाँ गाँव वाले तेंदु पत्ते तोड़कर जंगलात विभाग या निजी ठेकेदार को बेच देते हैं, जो कि इसे वापस जंगलात विभाग को बेच देता है। • औसतन एक आदमी दिन भर में 100 बंडल हरेक में 50 पत्ते होते हैं इकट्ठे कर सकता है। (सरकार बीड़ी कारखानों के मालिकों को ये पत्ते नीलाम कर देती है, जो वे ठेकेदारों को दे देते हैं। ठेकेदार इनमें तंबाकू भरने के लिए वापस घर पर काम करने वालों को दे देता है। • ये अधिकांशतः महिलाएँ होती हैं, ये पहले पत्तों को गीला करके गोलाकार कर देती हैं, फिर उसे काटती हैं, फिर तंबाकू भरकर उसे बाँध देती हैं। • ठेकेदार बीड़ियों को वहाँ से लेकर उसे उत्पादक को बेच देता है, जो इन्हें पकाता या सेकता है और अपने ब्रांड का लेबल लगा देता है। • उत्पादक इन्हें बीड़ियों के वितरक को बेच देता है, जो उन्हें थोक विक्रेताओं को देता है, और फिर यह आपके पड़ोस वाली पान की दुकान पर बेच दी जाती है। (कोई चार)	पूरक परीक्षा	2025

3	कोयला खदानों में काम करने वाले मज़दूरों की कार्यावस्थाओं की चर्चा कीजिए। <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> (i). भमिगत खानों में कार्य करने वाले कामगार बाढ़, आग, ऊपरी या सतह के हिस्से के धंसने से बहुत खतरनाक स्थितियों का सामना करते हैं। (ii). बहुत से कामगारों को साँस से संबंधित बीमारियाँ हो जाती हैं। जैसे क्षय रोग या सिलिकोसिस । (iii). जो खुली खानों में काम करते हैं, वे तेज़ धूप और वर्षा में काम करते हैं। खान के फटने से या किसी चीज़ के गिरने से आने वाली चोट का सामना भी करते हैं। (iv). कई ठेकेदार मज़दरों का रजिस्टर भी ठीक से नहीं रखते हैं, अतः वे दुर्घटना की अवस्था में किसी भी लाभ को देने की जिम्मेदारी से मुकर सकते हैं।	पूरक परीक्षा	2024
4	आईटी क्षेत्र में "समय की चाकरी" की परिघटना की चर्चा कीजिए। <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> 1. औसतन 10-12 घंटे का कार्य दिवस पर रातभर कार्य करने वाले कर्मचारी भी असामान्य बात नहीं है, जब उनकी परियोजना की अंतिम सीमा जाती है लंबे कार्य घंटो का होना एक उद्योग की केंद्रीय कार्य संस्कृति होती है। 2. एक 8 घंटे काम करने वाले इंजीनियर के श्रम के आधार पर काम को अंतिम सीमा तक पहुंचाने के लिए उसे अतिरिक्त घंटों और दिनों तक काम करना पड़ता है। अतिरिक्त कार्य घंटों को सामान्य व्यास्थापित फ्लेक्सी-टाइम सामान्य व्यवस्थापन के प्रयोग द्वारा तर्कसंगत (वैधता) बनाया जाता है, जो कि एक सैद्धांतिक रूप में कार्यकर्ता को अपने कार्य के घंटे में नियत करने की छूट देती है। 3. लेकिन प्रायोगिक रूप में इसका अर्थ है तब तक कार्य करें जब तक वह हाथ में लिए हुए कार्य को समाप्त ना कर दे। 4. लेकिन इसके बावजूद भी जब उनके पास वास्तव में कार्य का दबाव नहीं होता तब भी वे ऑफिस में देर तक रुक जाते हैं, जो कि या तो साथियों के दबाव के कारण होता है अथवा वे अपने अधिकारियों को दिखाना चाहते हैं कि वे कड़ी मेहनत कर रहे हैं।	मुख्य परीक्षा	2023

अध्याय 8 - सामाजिक आंदोलन

	1 अंक के प्रश्न	मुख्य परीक्षा / पूरक परीक्षा	वर्ष
1.	अभिकथन (A): पुराने सामाजिक आंदोलन राजनीतिक दलों के दायरे में काम करते थे। कारण (R): पुराने सामाजिक आंदोलन राष्ट्रीय होते थे। (A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है। (B) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की	मुख्य परीक्षा	2025

	सही व्याख्या नहीं है। (C) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) ग़लत है। (D) अभिकथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है। उपयुक्त विकल्प (B) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।		
2	सामाजिक आंदोलनों का अध्ययन समाजशास्त्र के लिए क्यों महत्वपूर्ण है? (A) कुलीन वर्ग द्वारा सामाजिक आंदोलनों के विरोधों को समाज की स्थापित व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती के रूप में देखा जाता था। (B) सामाजिक आंदोलनों को अव्यवस्था फैलाने वाली शक्तियों के रूप में नहीं देखा जाता था। (C) सामाजिक आंदोलनों में भाग लेने वालों की सही और ग़लत की अपनी सापेक्ष समझ नहीं होती। (D) सामाजिक आंदोलनों में भाग लेने वाले प्रायः सार्वजनिक रूप से विरोध नहीं करते थे। उपयुक्त विकल्प (A) कुलीन वर्ग द्वारा सामाजिक आंदोलनों के विरोधों को समाज की स्थापित व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती के रूप में देखा जाता था।	मुख्य परीक्षा	2025
3.	अभिकथन (A): विभिन्न जनजातीय समूहों को हिंदू समाज के जातीय अधिमक्रम में विभिन्न स्तरों पर आत्मसात् कर लिया गया। कारण (R): जनजातीय जमीनों पर बस्तियाँ बसा दी गईं और जंगलों का सफाया कर दिया गया। (A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है। (B) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है। (C) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) ग़लत है। (D) अभिकथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है। उपयुक्त विकल्प (A) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है।	मुख्य परीक्षा	2025
4	निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सुधारवादी आंदोलनों के संबंध में सही है ? (A) रूस में बोल्शेविक क्रांति ने ज़ार को अपदस्थ करके साम्यवादी राज्य की स्थापना की। (B) नक्सली आंदोलन, दमनकारी भूस्वामियों तथा राज्य अधिकारियों को हटाना चाहते थे। (C) केरल में इज़वाहा समुदाय के लोगों ने नारायण गुरु के नेतृत्व में अपनी सामाजिक प्रथाओं को बदला। (D) भारतीय राज्यों को भाषा के आधार पर पुनर्गठित करना।	पूरक परीक्षा	2025

	उपयुक्त विकल्प (D) भारतीय राज्यों को भाषा के आधार पर पुनर्गठित करना।		
5	निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सामाजिक आंदोलन के लिए सही नहीं है ? (A) सामाजिक आंदोलनकारी, लोगों को उनसे संबंधित मुद्दों पर प्रेरित करने के लिए सभाएँ करते हैं। (B) सामाजिक आंदोलन सामूहिक एजेंडा को आगे बढ़ाने में आम सहमति के लिए लोगों को तैयार नहीं करवाते हैं। (C) सामाजिक आंदोलन विरोध के विभिन्न साधनों को भी विकसित करता है। (D) सरकार पर दबाव बनाने के लिए संचार और जनमत तैयार करते हैं। उपयुक्त विकल्प (B) सामाजिक आंदोलन सामूहिक एजेंडा को आगे बढ़ाने में आम सहमति के लिए लोगों को तैयार नहीं करवाते हैं।	पूरक परीक्षा	2025
6	निम्नलिखित में से कौन-सी पारिस्थितिकीय आंदोलनों की विशेषता (एँ) है/हैं? I. पहचान की राजनीति II. प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन III. सांस्कृतिक चिंताएँ IV. सामाजिक असमानता (A) केवल I और II (B) केवल II (C) केवल III (D) I, II, III और IV उपयुक्त विकल्प (D) I, II, III और IV	मुख्य परीक्षा	2024
7	नए आंदोलनों के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा/से सत्य है/हैं ? I. वे प्रकृति में वैश्विक हैं। II. वे केवल वर्ग आधार पर संगठित होते हैं। III. पहचान की राजनीति, सांस्कृतिक चिंताएँ तथा अभिलाषाएँ नए सामाजिक आंदोलनों की रचना करने के लिए आवश्यक तत्त्व हैं। IV. वे राजनीतिक दलों के दायरे में नहीं हैं। (A) केवल I (B) I और II (C) I, III और IV (D) II और III उपयुक्त विकल्प (C) I, III और IV	मुख्य परीक्षा	2024
8	निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सामाजिक आंदोलनों के लिए सही है ? (A) सामाजिक आंदोलन में एक लंबे समय तक निरंतर सामूहिक गतिविधियों की आवश्यकता होती है। (B) सामाजिक गतिविधियों को कुछ हद तक संगठन द्वारा चिह्नित करने की आवश्यकता नहीं है। (C) इस संगठन में नेतृत्व तथा संरचना नहीं होती है।	पूरक परीक्षा	2024

	(D) ऐसा हो सकता है कि इसमें भाग लेने वाले लोगों के उद्देश्यों तथा विचारधाराओं में समानता नहीं हो। उपयुक्त विकल्प (A) सामाजिक आंदोलन में एक लंबे समय तक निरंतर सामूहिक गतिविधियों की आवश्यकता होती है।		
9	जब राजा राममोहन रॉय ने सती प्रथा का विरोध किया तथा ब्रह्म समाज की स्थापना की तो सती प्रथा के प्रतिरक्षकों ने धर्म सभा स्थापित की तथा अंग्रेज़ों को सती के विरुद्ध कानून न बनाने के लिए याचिका दी। यह निम्नलिखित में से किस आंदोलन पर प्रकाश डालता है ? (A) नए सामाजिक आंदोलन (B) सामाजिक परिवर्तन (C) प्रतिरोधी आंदोलन (D) क्रांतिकारी आंदोलन उपयुक्त विकल्प (C) प्रतिरोधी आंदोलन	पूरक परीक्षा	2024
10	अभिकथन (A) : सामाजिक आंदोलन किसी बृहद् उद्देश्य की ओर निर्देशित होते हैं । कारण (R) : इसमें लंबा तथा निरंतर सामाजिक प्रयास तथा लोगों की गतिविधियाँ शामिल होती हैं। (a) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है । (b) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है । (c) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) ग़लत है। (d) अभिकथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है। उपयुक्त विकल्प (d) अभिकथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है।	मुख्य परीक्षा	2023
11	_______ सामाजिक आंदोलन वर्तमान सामाजिक तथा राजनीतिक विन्यास को धीमे प्रगतिशील चरणों द्वारा बदलने का प्रयास करते हैं । (a) सुधारवादी (b) प्रतिदानात्मक (c) क्रांतिकारी (d) सापेक्षिक वंचन उपयुक्त विकल्प (a) सुधारवादी	मुख्य परीक्षा	2023
12	__________ सामाजिक आंदोलन का लक्ष्य अपने व्यक्तिगत सदस्यों की व्यक्तिगत चेतना तथा गतिविधियों में परिवर्तन लाना होता है । (a) सुधारवादी (b) प्रतिदानात्मक (विमोचक) (c) क्रांतिकारी (d) सापेक्षिक वंचन उपयुक्त विकल्प (b) प्रतिदानात्मक (विमोचक)	पूरक परीक्षा	2023
	2 अंक के प्रश्न		
1	"गाँधी ने प्रतिदिन के जन उपभोग की चीज़ों को चुना और उन्हें प्रतिरोध का प्रतीक बना दिया।" 1	पूरक परीक्षा	2025

	दो प्रतीकों की पहचान कीजिए और प्रतिरोध के प्रतीक के रूप में किसी एक का उपयोग दिखाइए। <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> • गांधी ने प्रतिदिन के जन उपभोग की चीजों जैसे कपड़ा और नमक को चुना और उन्हें प्रतिरोध का प्रतीक बना दिया। • महात्मा गांधी ने भारत में कपास उगाने वालों तथा बुनकरों की जीविका जो सरकार की मिल में तैयार कपड़ों की तरफदारी करने की नीति से नष्ट हो गई थी के समर्थन में हाथ से कता तथा बुना वस्त्र खादी पहना। • नमक बनाने के लिए बहुचर्चित दांडी यात्रा अंग्रेजों की कर नेशन जिसमें उपभोग की मूलभूत सामग्री के उपभोक्ताओं पर साम्राज्य को लाभ पहुंचाने के लिए बहुत अधिक भार डाला गया था के खिलाफ एक विरोध था। (कोई दो)		
2	सामाजिक परिवर्तन और सामाजिक आंदोलन के बीच अंतर बताइए । <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> सामाजिक परिवर्तनः सामाजिक परिवर्तन निरंतर रूप से आगे बढ़ता रहता है सामाजिक आंदोलन: सामाजिक आंदोलन किसी विशिष्ट उद्देश्य की ओर निर्देशित होते हैं।	मुख्य परीक्षा	2024
3	एक उदाहरण की सहायता से क्रांतिकारी आंदोलन की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए। <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> (i) क्रांतिकारी सामाजिक आंदोलन सामाजिक संबंधों के आमूल रूपांतरण का प्रयास करते हैं, प्रायः राजसत्ता पर अधिकार के द्वारा। (ii) रूस की बोल्शेविक क्रांति जिसने ज़ार को अपदस्थ करके साम्यवादी राज्य की स्थापना की तथा भारतीय स्वंत्रता संग्राम क्रांतिकारी आंदोलनों के रूप में व्याख्या की जा सकती है। (कोई अन्य उपयुक्त उदाहरण)	पूरक परीक्षा	2024
4	सामाजिक आंदोलन विरोध के विभिन्न साधनों को भी विकसित करते हैं। किन्हीं दो विरोध के भिन्न साधनों के नाम लिखिए । <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> मोमबती या मशाल जुलूस, काले कपड़े का प्रयोग, नुक्कड़ नाटक, गीत, कविताएं इत्यादि।	मुख्य परीक्षा	2023
5	स्वतंत्रता के समय, हमें दो मुख्य किसान आंदोलन देखने को मिले थे। दोनों किसान आंदोलनों के नाम लिखिए । <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> तिभागा आंदोलन और तेलंगाना आंदोलन	मुख्य परीक्षा	2023

6	पर्यावरण के संरक्षण के लिए पेड़ों का होना आवश्यक है सामान्य यह स्वच्छ पर्यावरण स्वच्छ पानी एवं आसपास की स्वच्छता पर निर्भर करता है और यह महत्वपूर्ण भी है। इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने हाल ही में दो अभियानों को प्रारंभ किया उनके नाम लिखिए। <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> 1. एकीकृत गंगा संरक्षण मिशन (नमामि गंगे) 2. स्वच्छ भारत अभियान	पूरक परीक्षा	2023
7	देशभर में फैले विभिन्न जनजातीय समूह के मुद्दे समान हो सकते हैं लेकिन उनके विभेद भी ही महत्वपूर्ण हैं। भारत के दो नवनिर्मित राज्यों के नाम लिखिए जो जनजातीय आंदोलनों के तहत बने । <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> 1. झारखंड 2. छत्तीसगढ़	पूरक परीक्षा	2023
	4 अंक के प्रश्न		
1	हड़ताल और तालाबंदी में अंतर लिखिए । 1982 में मुंबई टेक्सटाइल मिलों की प्रसिद्ध हड़ताल में कामगारों की मांगे क्या थी ? <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> हड़ताल: कभी-कभी काम की बुरी दशाओं के कारण कामगार हड़ताल कर देते हैं वे काम पर नहीं जाते, तालाबंदीः में व्यवस्थापक मिल का दरवाज़ा बंद कर देते हैं और मज़दूरों को अंदर जाने से रोकते हैं। 1982 में मुंबई टैक्सटाइल मिल के कामगारों की मांग थी - • बेहतर मज़दूरी और • खुद के संघ बनाने की इजाजत दी जाए।	पूरक परीक्षा	2023
	6 अंक के प्रश्न		
1	सामाजिक आंदोलनों के वर्गीकरण की चर्चा कीजिए। <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> प्रतिदानात्मक आन्दोलन: व्यक्तियों की चेतना तथा गतिविधियों में परिवर्तन लाते है। जैसे केरल के इजहावा समुदाय के लोगो ने नारायण गुरू के नेतृत्व मे अपनी सामाजिक प्रथाओं को बदला । सुधारवादी आन्दोलनः- सामाजिक तथा राजनीतिक विन्यास को धीमे व प्रगतिशील चरणों द्वारा बदलना। जैसे - 1960 के दशक में भाषा के आधार पर राज्यों का पुनर्गठन व सूचना का अधिकार। क्रांतिकारी आन्दोलनः- सामाजिक सम्बन्धों में आमूल परिवर्तन करना तथा राजसत्ता पर अधिकार करना। जैसे- बोल्शेविक क्रान्ति जिसमें रूस में जार को अपदस्थ किया। • पुराने सामाजिक आंदोलन • नए सामाजिक आंदोलन (कोई अन्य उपयुक्त सामाजिक आंदोलन)	मुख्य परीक्षा	2025

2	पर्यावरण आंदोलन प्रायः आर्थिक एवं पहचान के मुद्दों को भी साथ लेकर चलते हैं। विवेचना कीजिए। सांकेतिक मूल्य बिंदु : • चिपको आंदोलन पर्यावरण आधारित सामाजिक आंदोलनों का एक अत्यंत सशक्त और ऐतिहासिक उदाहरण है। • सरकारी जंगल के ठेकेदार पेड़ों को काटने के लिए आए तो गाँववासी, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएँ शामिल थीं, आगे बढ़े और कटाई रोकने के लिए पेड़ों से चिपक गए। • इस संघर्ष ने गरीब गाँववासियों को आजीविका की आवश्यकताओं को बेचकर राजस्व कमाने की सरकार की इच्छा के समक्ष खड़ा कर दिया। • जीवन-निर्वहन की अर्थव्यवस्था, मुनाफे (लाभ) की अर्थव्यवस्था के विपरीत खड़ी थी। • प्राकृतिक जंगलों का काटा जाना पर्यावरणीय विनाश का एक रूप था जिसके परिणामस्वरूप क्षेत्र में विनाशकारी बाढ़ तथा भूस्खलन हुए। • गाँववासियों के लिए ये 'लाल' तथा 'हरे' मुद्दे अन्तः संबद्ध थे। • जबकि उनकी उत्तरजीविता जंगलों के जीवन पर निर्भर थी। वे जंगलों का सबको लाभ देने वाली पारिस्थितिकीय संपदा के रूप में भी आदर करते थे। (कोई छह)	पूरक परीक्षा	2025
3	देश में पहले अथवा अभी कोई एक संगठित दलित आंदोलन नहीं हुआ है। विभिन्न आंदोलनों ने दलितों से संबंधित विभिन्न मुद्दों को विभिन्न विचारधाराओं के आसपास उभारा है। दलित आंदोलनों की प्रकृति तथा पहचान के अर्थ में भिन्नता के बावजूद उनमें समानता, आत्मसम्मान तथा अस्पृश्यता उन्मूलन के लिए एक समानता की खोज हो रही है। (शाह 2001 : 194) अनुच्छेद के आधार पर, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (क) दलित आंदोलन के कोई दो उदाहरण लिखिए । (ख) दलित आंदोलनों द्वारा उजागर किए गए विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कीजिए । सांकेतिक मूल्य बिंदु : (क) (i) पूर्वी मध्यप्रदेश के छत्तीसगढ़ के मैदानी इलाके में चमारों के सतनामी आंदोलन। (ii) पंजाब के आदि धर्म आंदोलन। (iii) महाराष्ट्र के महार आंदोलन। (iv) आगरा के जाटवों की सामाजिक-राजनीतिक गतिशीलता। (v) दक्षिण भारत के ब्राह्मण-विरोधी आंदोलन। (कोई दो उदाहरण) (कोई अन्य उपयुक्त आंदोलन) (ख) (i) आर्थिक शोषण। (ii) राजनैतिक दवाब। (iii) मानव के रूप में पहचान प्राप्त करने का संघर्ष है।	मुख्य परीक्षा 2 4	2024

	(iv) यह आत्मविश्वास पाने का संघर्ष है। (v) यह आत्मनिर्णय का स्थान पाने का संघर्ष है। (vi) यह अस्पृश्यता द्वारा उपलक्षित कलंक को समाप्त करने का संघर्ष है। (vii) इसे स्पर्श के लिए संघर्ष कहा जाता है। (कोई चार)		
4	जहाँ विरोध सामूहिक गतिविधि का सर्वाधिक मूर्त रूप है, वहीं सामाजिक आंदोलन समान रूप से महत्त्वपूर्ण अन्य तरीकों से भी कार्य करता है। सामाजिक आंदोलनकारी लोगों को उनसे संबंधित मुद्दों पर प्रेरित करने के लिए सभाएँ करते हैं। ऐसी गतिविधियाँ साझा सोच में सहायक होती हैं तथा सामूहिक एजेंडा को आगे बढ़ाने में स्वीकृति की भावना अथवा आम सहमति के लिए लोगों को तैयार करवाती हैं। सामाजिक आंदोलन प्रचार योजनाएँ भी बनाते हैं जिसमें सरकार पर दबाव बनाने वाले, संचार और जनमत तैयार करने वाले अन्य महत्त्वपूर्ण लोग भी शामिल होते हैं। उपर्युक्त अनुच्छेद के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (क) किन्हीं दो सामाजिक आंदोलनों और उनके द्वारा लड़े गए मुद्दों के नाम बताइए। <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> (i). चिपको आंदोलन - पर्यावरण को बचाने के लिए, आर्थिक मुद्दा (ii). जनजातीय आंदोलन - अलग राज्य का गठन (झारखण्ड) (अन्य कोई सम्बंधित आंदोलन और मुद्दा) (ख) सामाजिक आंदोलन विरोध के विशिष्ट साधनों को भी विकसित करता है। उदाहरण लिखिए। <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> (i) मोमबत्ती या मशाल जुलुस (ii). काले कपड़े का प्रयोग (iii). नुक्कड़ नाटक (iv). गीत (v). कविताएँ (vi). स्वतंत्रता आंदोलन में अहिंसा, सत्याग्रह तथा चरखे के प्रयोग । (कोई चार)	पूरक परीक्षा 2 4	2024
5	दिए गए अनुच्छेद को पढ़िए तथा प्रश्नों के उत्तर दीजिए : मौलिक अधिकारों, अल्पसंख्यकों, आदि पर सलाहकार समिति के गठन का प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए जी.बी. पंत ने अपने भाषण में निम्नलिखित विचार प्रकट किए थे । "हमें दबाए हुए वर्गों, अनुसूचित जातियों तथा पिछड़े वर्गों की विशेष देखभाल करनी होगी... उन्हें सामान्य स्तर पर लाने के लिए हम जो भी कर सकते हैं उसे अवश्य करना चाहिए.... जंजीर की शक्ति का आकलन उसकी सर्वाधिक कमज़ोर कड़ी द्वारा किया जाता है, और इसलिए जब तक सबसे कमज़ोर कड़ी को सशक्त नहीं किया जाता, हमें एक स्वस्थ्य राजनीति नहीं प्राप्त	मुख्य परीक्षा	2023

	होगी । हाल ही के वर्षों में राज्यों में इन वर्गों के आरक्षण दिए जाने संबंधी निर्णयों के लिए फिर से एक नया विवाद शुरू हो गया है ।" **(क) उपर्युक्त अनुच्छेद के आधार पर समाज की सर्वाधिक कमज़ोर कड़ी कौन-सी है ?** **(ख) समाज की इस सर्वाधिक कमज़ोर कड़ी को क्यों और कैसे सशक्त किया जा सकता है ?** **(ग) 'जाति के धर्मनिरपेक्षीकरण' को परिभाषित कीजिए ।** **<u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> (क) सर्वाधिक कमजोर कड़ी- दबाए हुए वर्गों, अनुसूचित जातियों तथा पिछड़े वर्गों** **(ख)** **1. हमें दबाए हुए वर्गों, अनुसूचित जातियों तथा पिछड़े वर्गों की विशेष देखभाल करनी होगी। उन्हें सामान्य स्तर पर लाने के लिए हम जो कर सकते हैं, उसे अवश्य करना चाहिए** **2. जंजीर की शक्ति का आकलन उसकी सर्वाधिक कमज़ोर कड़ी द्वारा किया जाता है, और इसलिए जब तक सबसे कमज़ोर कड़ी को सशक्त नहीं किया जाता, हमें एक स्वस्थ राजनीति नहीं प्राप्त होगी।'** **3. 2019 में, भारत सरकार ने उच्च जातियों के बीच आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए शिक्षा और सरकारी नौकरियों में 10 प्रतिशत आरक्षण की शुरुआत की।** **4. समकालीन वर्षों में राज्यों में इन वर्गों के आरक्षण दिए जाने सम्बन्धी निर्णयों के लिए फिर से एक नया वाद विवाद शुरु हो गया है** **(कोई दो बिंदु)** **(ग)** **1. जाति अपनी कर्मकांडी विषयवस्तु छोड़ने लगी और राजनीतिक गतिशीलता के लिए अधिक से अधिक पंथनिरपेक्ष बन गई।** **2. आज के समय में जाति एक राजनीतिक दबाव समूह के रूप में ज्यादा कार्य कर रही है।** **3. समसामयिक भारत में जाति संगठनों और जातिगत राजनीतिक दलों का उदभव हुआ है** **4. ये जातिगत संगठन अपनी माँग मनवाने के लिए राज्य पर दबाव डालते हैं।** **(कोई दो बिंदु)**		
6	**दिए गए अनुच्छेद को पढ़िए तथा प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** **इस प्रकार, इस क्षेत्र में संजातीयता का उदय होना जनजाति की एक सशक्त अज्ञात प्रणाली के संपर्क में आने के परिणामस्वरूप विकसित हुई नवीन परिस्थिति का सामना करने का प्रत्युत्तर था । भारतीय मुख्यधारा से लंबे समय तक पृथक् रहने के कारण ये जनजातियाँ, अपना स्वयं का विश्व दर्शन तथा सामाजिक व सांस्कृतिक संस्थाओं को बहुत कम बाहरी प्रभाव से बचा रख पाए ... जबकि पहले की अवस्था ने अलगाव की प्रवृत्ति दिखाई, यह प्रवृत्ति**	**पूरक परीक्षा**	**2023**

	भारतीय संविधान के दायरे में ही स्वायत्तता की खोज द्वारा प्रस्थापित हो गई। (नाँगबरी 2003: 115) (क) संजातीयता के उदय होने के पीछे क्या कारण था ? 2 (ख) आदिवासी आन्दोलनों की प्रवृत्ति में क्या परिवर्तन दिखाई दे रहे हैं ? <u>सांकेतिक मूल्य बिंदु :</u> (क) इस क्षेत्र में संजातीयता का उदय जनजाति के एक सशक्त अज्ञात प्रणाली के संपर्क में आने के परिणाम स्वरूप विकसित हुई नवीन परिस्थिति का सामना करने का प्रत्युत्तर था। (ख) • मुख्यधारा से लंबे समय तक पृथक रहने के कारण। • जनजातियों का अपना विश्वदृष्टिकोण है और उनका बाहरी प्रभाव बहुत कम है • अलगाव की प्रवृत्ति। • यह प्रवृत्ति भारतीय संविधान के दायरे में ही स्वायत्तता की खोज द्वारा प्रस्थापित हो गई है।	2 4	